राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 न फरमाइश, न पेपर लीक, न कैश, मेरिट पर पंजाब....

बुमराह-सुदर्शन का चयन सजेट टू फिटनेस.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 96 | नई दिल्ली, बुधवार, 29 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 25.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	80%
नहीं	10%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,42,250

चांदी 2,35,000

सेंसेक्स 76,765.92

निफ्टी 23,985.35

मोदी ने असम के सांसदों से मुलाकात कर बाढ की स्थिति की जानकारी ली

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां असम के सांसदों से मुलाकात कर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने राज्य के लोगों की सुरक्षा और कुशलता के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ,ह्व असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न भागों में वर्तमान बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलता के लिए प्रार्थना करता हूं।ह्व उल्लेखनीय है कि असम के शिवसागर, गोलाघाट, चराईदेव, जोरहाट, नगांव और कामरूप सहित छह प्रमुख जिलों में बाढ के कारण करीब पांच लोग प्रभावित हैं। राज्य के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में विस्थापित लोगों के रहने के लिए 90 से अधिक राहत शिविर और 94 राहत वितरण केंद्र बनाये गये हैं। राज्य में बाढ़ के कारण 37,000 हेक्टेयर से अधिक की फसल डूब गई है और हजारों मवेशी बह गए हैं।

डीटीसी बस में बैठकर मुख्यमंत्री ने मॉनसून और नागरिक सुविधाओं का लिया जायजा

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को डीटीसी बस में यात्रा कर क्षेत्र का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न मार्गों पर यात्रा कर मॉनसून के दौरान शहर की जमीनी स्थिति का आकलन किया और नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जन सेवा सदन से बस द्वारा निरीक्षण यात्रा प्रारंभ की, जो आउटर रिंग रोड, मधुबन चौक होते हुए रोहिणी स्थित सेक्टर-33 के डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक पहुंची। यात्रा के दौरान उन्होंने मार्ग में लैंडफिल साइटों पर चल रहे कचरा निष्पादन कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजधानी में कूड़े के पहाड़ों को समाप्त करने के लिए चल रहे अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो। इस अवसर पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रवींद्र इंद्राज सिंह समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान वर्षा के कारण संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों, प्रमुख सड़कों की सफाई व्यवस्था और सड़क किनारे जमा मलबे एवं कचरे की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए और किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। उन्होंने सड़कों के चौड़ीकरण, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजधानी की सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं बल्कि दिल्ली की पहचान हैं, इसलिए उनका सुव्यवस्थित और सुरक्षित होना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सड़क किनारे पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान स्थापित करने, प्रमुख चौराहों व सड़क किनारे हरित क्षेत्र विकसित करने और खाली दीवारों को आकर्षक चित्रों व कलात्मक पेंटिंग्स के माध्यम से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और सौंदर्यीकरण साथ-साथ चलें, तभी दिल्ली वास्तव में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय राजधानी के रूप में विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने रोहिणी स्थित डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। बैठक में सड़कों की स्थिति, पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता, हरित क्षेत्र के विकास, जलभराव रोकथाम और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रत्येक परियोजना को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि दिल्ली के नागरिकों को शीघ्र ही इन प्रयासों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के विकास कार्यों की केवल फाइलों के आधार पर समीक्षा नहीं करेगी, बल्कि प्रत्येक महत्वपूर्ण परियोजना का जमीनी स्तर पर निरीक्षण कर उसकी प्रगति सुनिश्चित करेगी। दिल्लीवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित, सुगम एवं सुंदर राजधानी उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी विभागों को मिशन मोड में कार्य करना होगा।

संसद में जितेंद्र सिंह

बोले, पेपर लीक करने वालों को अब 5 महीने में मिलेगी सजा

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, संगठित परीक्षा घोटालों और अन्य अनुचित गतिविधियों पर पहले से अधिक प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 का कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब उसे और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद सरकार यह संशोधन लेकर आई है ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रही हैं। अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग परीक्षाओं में पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, हालांकि पहले इस तरह की सख्त कार्रवाई नहीं होती थी जैसी अब की जा रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि 2009 के रेलवे भर्ती परीक्षा पेपर लीक से लेकर 2012 के एम्स प्रवेश परीक्षा पेपर लीक तक कई बड़े मामले कांग्रेस सरकार के समय सामने आए। उन्होंने कहा कि इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने एक लीकप्रूफ परीक्षा प्रणाली तैयार करने का फैसला किया। जितेंद्र सिंह ने बताया कि 1992 में कांग्रेस सरकार के दौरान एक समिति ने केंद्रीय परीक्षा समिति बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 2010 में भी एक समिति ने यही सुझाव दिया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए सरकारों ने इन सिफारिशों को लागू नहीं किया।

संक्षिप्त खबरें

भारत का कपड़ा और परिधान निर्यात 2025-26 में 3.25 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा: केंद्र

नई दिल्ली। भारत का कपड़ा और परिधान निर्यात (हस्तशिल्प सहित) 2023-24 के 2,97,004 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 3,25,339 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में निर्यात में 4.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की गई। यह जानकारी मंगलवार को संसद में दी गई। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया कि इस दौरान अमेरिका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन और जर्मनी भारतीय टेक्सटाइल और परिधान निर्यात के शीर्ष पांच गंतव्य रह हैं। वहीं, 2025-26 में 2024-25 की तुलना में 100 से अधिक देशों को होने वाले निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भारत के कपड़ा और परिधान निर्यात की नियमित निगरानी कर रही है तथा निर्यातकों और उद्योग सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर चुनौतियों के प्रभाव को कम करने और उत्पादन व निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग को बढ़ावा देने के साथ इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत करने के लिए कई योजनाएं और पहल लागू कर रही है, जिनका सकारात्मक असर निर्यात वृद्धि के रूप में दिखाई दे रहा है। प्रमुख योजनाओं में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, समर्थ (टेक्सटाइल क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना), सिल्क समग्र-2, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, समग्र हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना, आरओएससीटीएल, आरओडीटीईपी, निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) और निर्यातकों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) शामिल हैं।

हिमाचल के चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

प्रातः किरण, एजेंसी

देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (ढव) में मंगलवार सुबह ढँऊ स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई। वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी। उधर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम बिजली गिरने से 11 साल के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500³ एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है।

नई पीढ़ी के इनोवेशन से भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचा: पीयूष गोयल

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत नीतिगत माहौल के चलते भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अपनी मौजूदा विशेषज्ञता और नई पीढ़ी के इनोवेटर्स की ऊर्जा का लाभ उठा रहा है, जिससे इस क्षेत्र में भारत का वैश्विक नेतृत्व मजबूत हो रहा है। यह बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिया। स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदाना और सह-संस्थापक नागा भरत डाका से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विक्रम-1 मिशन की ऐतिहासिक सफलता पर इन दोनों और उनकी युवा टीम पर गर्व है। विक्रम-1 भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित और सफल लॉन्च हुआ ऑर्बिटल रॉकेट है और यह देश की अंतरिक्ष यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 10 जून 2026 को विक्रम-1 मिशन की सफलता के समर्थन में पोस्टकार्ड पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए बेहद यादगार पल था, जो शुरूआत में सिर्फ प्रोत्साहन का एक छोटा-सा कदम था, लेकिन वह आज भारत की असाधारण यात्रा का प्रतीक बन गया है। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की भावी दिशा पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें स्पेस स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा ऐसा माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया, जहां देश के सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियर भारत में ही नवाचार और निर्माण को प्राथमिकता दें। स्काईरूट के दोनों सह-संस्थापकों ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। कंपनी ने कहा, भारत का डीप-टेक इकोसिस्टम दूरदर्शी सुधारों, विश्वस्तरीय डिजिटल अवसंरचना और नवाचार के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्काईरूट को भारत से वैश्विक स्तर की अंतरिक्ष तकनीक विकसित करने में योगदान देने पर गर्व है। हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं, जब भारत में बने चिप्स हमारे रॉकेटों में उड़ान भरेंगे। इससे पहले स्काईरूट के सह-संस्थापकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान प्रौद्योगिकी, दीर्घकालिक दृष्टिकोण और भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भविष्य के अवसरों पर चर्चा हुई। स्काईरूट के सह-संस्थापकों ने कहा, युवा उद्यमियों के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का प्रोत्साहन और भारत के बढ़ते नवाचार इकोसिस्टम पर उनका भरोसा हमें लगातार प्रेरित करता है।

राज्यसभा में हंगामे के बीच एमएसएमई संशोधन विधेयक 2026 पेश

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को भी राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे का असर देखने को मिला। प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में जोरदार नारेबाजी की, जिसके चलते कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। इसी बीच राज्यसभा में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 सदन में पेश किया। मंगलवार सुबह जैसे ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार हो रहे हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही पहले दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। दोपहर 2 बजे राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। शोरशराबे के बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में संशोधन के लिए विधेयक प्रस्तुत करने की अनुमति प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 सदन में पेश किया। हालांकि, सदन में व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी और लगातार जारी हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। उधर, लोकसभा में दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा प्रारंभ कराई गई। सदन में विधेयक पर चर्चा की जा रही है।

यदि सरकार ऐसे प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास करती है तो संसद का....

इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने सरकार से मांगा जवाब कहा- छात्रों पर गोली चलाने जैसी नौबत क्यों आई?

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान मंगलवार को छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई, पैलेट गन के इस्तेमाल और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने सिर पर न्याय लिखी पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया जबकि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने छात्रों पर बल प्रयोग की कड़ी आलोचना करते हुए संसद में विस्तृत चर्चा की मांग उठाई। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ अत्यधिक बल प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों को लाठियों से पीटा जा रहा है और यह तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार पहले कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई की चर्चा होती थी, उसी तरह की स्थिति अब यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सम्मान के प्रतीक मानी जाने वाली पगड़ी किसी ऐसे व्यक्ति को पहनाना उचित नहीं है, जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हों। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 20 जुलाई की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि उसमें एक सुरक्षाकर्मी छात्रों के पीछे एके-47 लेकर दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। तिवारी ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक प्रदर्शन का अधिकार देता है। यदि सरकार ऐसे प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास करती है तो संसद का दायित्व बनता है कि इस विषय पर चर्चा कर इसकी निंदा करे। इसी बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पर होने वाली चर्चा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विपक्ष सरकार से कई अहम सवाल पूछेगा। उन्होंने कहा कि केवल फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने या कुछ कानूनी प्रावधानों में बदलाव कर देने से छात्रों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो जाएगा। सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि उसका प्रस्तावित कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कितना प्रभावी होगा। लोकसभा में एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा के बारे में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मुझे अभी पक्का नहीं पता। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। अगर बहस में उन मुद्दों पर बात होती है जिनके बारे में देश जानना चाहता है, तो हम ये सभी सवाल उठाएंगे। हम जानना चाहते हैं कि असल में क्या हुआ है। क्या सरकार का लाया गया बिल काफी है? क्या सिर्फ. फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने या एक-दो छोटे-मोटे बदलाव करने से सच में हमारे बच्चों का भविष्य बेहतर होगा? ये ऐसे सवाल हैं जिन्हें पूछना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई और मुद्दे हैं जिन पर सरकार को जवाब देना चाहिए। सरकार की जवाबदेही बहुत जरूरी है।

लोकसभा में एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा शुरू, किरेन रिजिजू बोले-हम 10 घंटे चर्चा करने के लिए तैयार

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को दो बजे के बाद लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा के लिए पहले छह घंटे का समय तय किया गया था। विपक्ष ने समय को बढ़ाने की मांग की, जिस पर किरेन रिजिजू ने कहा, हम 10 घंटे चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की सहमति लेकर 10 घंटे चर्चा करने का ऐलान कर दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों बिल पर चर्चा करने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बिल का उद्देश्य लोक परीक्षाओं को और अधिक शुचितापूर्ण बनाना है। परीक्षा प्रणाली की विशिष्टता और पारदर्शिता राष्ट्रहित का महत्वपूर्ण विषय है। पूरा देश चाहता है कि सभी सदस्य अपने विचार रखें, जिससे एक बेहतर कानून बनाया जा सके। जितना बेहतर कानून बनाया जाएगा, हम परीक्षा प्रणाली को उतना ही शुचितापूर्ण बना सकते हैं। जैसे ही बिल पर चर्चा के लिए कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एक बहुत जरूरी बिल पर चर्चा के दौरान सदन में मौजूद नहीं होने पर ऐतराज जताया। विपक्ष ने भी चर्चा का समय बढ़ाने की मांग की। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ किया कि सरकार को बहस का समय 10 घंटे तक बढ़ाने पर कोई ऐतराज नहीं है। रिजिजू ने कहा, सभी पॉलिटिकल पार्टियां पहले ह्यएंटी-पेपर लीक बिलह्ल पर छह घंटे की चर्चा के लिए सहमत हुई थीं, फिर इसे बढ़ाकर आठ घंटे कर दिया गया। अब, अगर विपक्ष और समय चाहता है, तो हम इसे 10 घंटे तक करने को तैयार हैं। एंटी-पेपर लीक बिल को सोमवार को कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया था। प्रस्तावित अमेंडमेंट का मकसद सख्त कानूनी नियमों के जरिए एग्जामिनेशन सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी और ईमानदारी बढ़ाना है, साथ ही यह पक्का करना है कि छात्रों का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित रहे।

उत्तराखंड में डॉक्टर और जरूरी दवाओं की भारी कमी, कॉमन रिव्यू मिशन की रिपोर्ट ने खोली पोल

देहरादून, एजेसी। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्या हाल हैं, उससे तो सभी वाकिफ हैं. आज भी पहाड़ के ज्यादातर अस्पताल रेफरल सेंटर बने हैं. कहीं डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की कमी है तो कहीं संसाधनों का अभाव. जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है. खासकर प्रदेश के पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी की मुख्य वजह उनका पहाड़ नहीं चढ़ना है. ऐसे में प्रदेश में मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं की लचर स्थिति की पोल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की 17वीं कॉमन रिव्यू मिशन रिपोर्ट ने खोल दी है.

उत्तराखंड के अस्पतालों में डॉक्टर समेत संसाधनों की भारी कमी: दरअसल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की 17वीं कॉमन रिव्यू मिशन की रिपोर्ट जनवरी 2025 से अक्टूबर 2025 के बीच हुए अध्ययन के आधार पर तैयार की गई है. रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि उत्तराखंड के प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मानक के अनुसार मानव संसाधन की भारी कमी और संरचना का अपर्याप्त इस्तेमाल पाया गया है. जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है.

डॉक्टर पहाड़ चढ़ने को तैयार नहीं: रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में काम करने की अनिच्छा के चलते डॉक्टर्स की कमी बनी हुई है. यानी डॉक्टर पहाड़ चढ़ने को राजी नहीं हैं. जिसके चलते पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में डॉक्टरों की भारी कमी है. राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों (इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड्स) के अनुरूप कई पद खाली हैं, जिससे सेवाओं की पहुंच और उसकी क्वालिटी प्रभावित हो रही है.

मानव संसाधन की कमी: कई तैनात चिकित्सा अधिकारी पोस्ट ग्रेजुएशन का अध्ययन कर रहे हैं. जो अपनी मौजूदा तनख्वाह तो ले रहे हैं, लेकिन प्रशिक्षण के कारण सक्रिय सेवा से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे भी मानव संसाधन यानी डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ की कमी बनी हुई है. इतना ही नहीं वर्तमान में राज्य में किसी विशेष विशेषज्ञ कैडर का गठन नहीं हुआ है.

हालांकि, इसकी योजना बनाई जा रही है.

एचआरएच सेल में कार्यक्रम अधिकारी का पद खाली: वहीं, मानव संसाधन स्वास्थ्य सेल (एचआरएच सेल) का गठन किया गया है, लेकिन यहां कार्यक्रम अधिकारी का एक पद खाली है. कार्यस्थल सुरक्षा के लिए यौन उत्पीड़न निवारण समिति (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटी) स्थापित की गई है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पदों के लिए कार्य विवरण (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) तैयार हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों को नियमित भर्ती को महत्व नहीं दिया जा रहा है.

कैसे हो रही डॉक्टरों की भर्ती: अनुबंध नवीनीकरण एवं भर्ती ब्लॉक और राज्य स्तर दोनों पर की जा रही हैं. इन अनुबंधों की वैधता एक साल की है. हालांकि, विशेषज्ञों की भर्ती और चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती मासिक वॉक-इन इंटरव्यू के जरिए और कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की भर्ती राज्य स्तर पर की जा रही है. इसके साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टर्स की भर्ती के लिए यू कोट-वी पे योजना लागू की गई है.

तमाम अस्पतालों की हालत खराब: रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में करीब 2,577 प्राथमिक व माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों (सब हेल्थ सेंटर/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/समुदाय स्वास्थ्य केंद्र/उप-जिला व जिला अस्पताल) का 99 फीसदी आईपीएचएस (इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड्स) अनुपालन के लिए आकलन किया गया. ज्यादातर संस्थान निम्न स्कोर वाले यानी एस्पिरेंट श्रेणी में पाए गए हैं, जिनका स्कोर 25 से 50 फीसदी के बीच हैं. जिसकी मुख्य वजह खाली पदों की संख्या और प्रशिक्षित कर्मचारियों की सीमित उपलब्धता है.

स्वास्थ्य सुविधा में सुधार कर गोपश्वर जिला अस्पताल जीत चुका पुरस्कार: प्रदेश में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स) के अनुरूप प्रमाणन का कवरेज बहुत कम है. सिर्फ 47 सुविधाएं (करीब 2 फीसदी) प्रमाणित हैं. कुछ जिला व अस्पतालों ने प्रगति दिखाई है, जैसे गोपश्वर जिला अस्पताल ने साल 2024 में प्रमाणन प्राप्त किया और 2025 में कायाकल्प पुरस्कार भी जीता. जबकि, कुछ अस्पतालों को फिर से प्रमाणन की आवश्यकता है.

अस्पतालों की गुणवत्ता समितियों को मजबूत करने की जरूरत: जिला गुणवत्ता आश्वासन समितियां और जिला अस्पताल स्तर पर गुणवत्ता समितियां हैं, लेकिन इनकी बैठकें और सुविधा स्तरीय गुणवत्ता टीमों की सक्रियता मजबूत करने की जरूरत है. राज्य में प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अपनी आवश्यक दवा सूची (एसेंशियल ड्रग्स लिस्ट) अधिसूचित की है.

अस्पतालों में दवाओं की भारी कमी: प्राथमिक स्तर के सब-हेल्थ सेंटर के लिए सूची में 74 दवाएं अंकित हैं. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 135 दवाएं और माध्यमिक देखभाल केंद्रों के लिए करीब 690 दवाएं शामिल हैं, लेकिन अस्पतालों में अधिसूचित आवश्यक दवा सूची से कम दवाओं की उपलब्धता पाई गई है. यानी दवाओं की भारी कमी है.

संक्षिप्त समाचार

बीडी पांडे अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने से गर्भवती हो रहीं रेफर

नैनीताल, एजेंसी। बीडी पांडे जिला अस्पताल में अव्यवस्थाएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अस्पताल में स्वीकृत गायनोकॉलॉजिस्ट के तीन पदों के सापेक्ष दो चिकित्सकों के अवकाश पर होने और तीसरी चिकित्सक के पास पीएमएस व स्वास्थ्य निदेशक का अतिरिक्त प्रभार होने से महिलाओं को परेशान होना पड़ रहा है। बीडी पांडे अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण कई गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और जरूरत पड़ने पर उन्हें उच्च केंद्रों के लिए रेफर किया जा रहा है। प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल ने बताया कि दो गायनोकॉलॉजिस्ट अवकाश पर हैं और उनके पास पीएमएस व स्वास्थ्य निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी है। इससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार से एक चिकित्सक के ड्यूटी पर लौटने के बाद व्यवस्थाएं सामान्य हो जाएंगी। बीडी पांडे जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड तकनीशियन का पद रिक्त होने से अस्पताल की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। कई मरीजों का अल्ट्रासाउंड जांच के लिए नंबर नहीं आ पा रहा है। हाल में जिला अस्पताल में तैनात तकनीशियन का तबादला हो गया। इससे बीडी पांडे अस्पताल में अल्ट्रासाउंड तकनीशियन का पद रिक्त हो गया। प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल ने बताया कि बेस अस्पताल से तकनीशियन बुलाकर अस्थायी व्यवस्था बनाई गई है। निदेशालय स्तर पर तकनीशियन की स्थायी नियुक्ति करने की मांग की है।

बाल अश्लीलता मामले में एलएलबी का छात्र पुलिस रडार पर, प्राथमिकी दर्ज

अल्मोड़ा, एजेंसी। ऑनलाइन बाल यौन शोषण और अश्लील सामग्री फैलाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। जांच के बाद पुलिस ने आरोपित एलएलबी अंतिम वर्ष के छात्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। साइबर सेल अल्मोड़ा को नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स पोर्टल (एनसीआरपी) के माध्यम से साइबर टिपलाइन शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसके बाद स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई। धारानौला चौकी प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा ने मामले की गहनता से जांच की। पुलिस जांच में सामने आया कि टिपलाइन में चिह्नित संदिग्ध मोबाइल नंबर को पंकज जोशी निवासी कटोली थाना दन्या अल्मोड़ा संचालित कर रहा था। पूछताछ और जांच में पता चला आरोपी पंकज जोशी साल 2016 से अल्मोड़ा में रहकर पढ़ाई कर रहा है। वह वर्तमान में एलएलबी अंतिम वर्ष का छात्र है। वह दुगालखोला क्षेत्र में किराए पर रह रहा था। सीओ बलवंत सिंह रावत ने बताया कि चौकी प्रभारी की ओर से प्रेषित की गई पुख्ता जांच रिपोर्ट के आधार पर अल्मोड़ा कोतवाली में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बैंक अकाउंट फ्रीज मामले पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक केस मे सुनवाई करते हुए कहा किसी दूसरे बैंक से मिले मैसेज या सूचना के आधार पर ग्राहक का बैंक अकाउंट फ्रीज नहीं किया जा सकता. केस में गलती से पैसे ट्रांसफर होने का आरोप लगाया गया हो, इसपर कोर्ट ने कहा कि जब तक कोई सक्षम प्राधिकारी या जांच करने वाली एजेंसी इसके लिए कोई आदेश न दे. तब तक बैंक के पास ग्राहक का अकाउंट फ्रीज करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है. बैंक के द्वारा क़ी गयी ऐसी कार्रवाई को वैध नहीं मना जा सकता. यह आदेश न्यायमूर्ति अलोक महरा की एकलपीठ ने दिया. जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता का एकाउन्ट कोटक महिंद्रा बैंक, हरिद्वार में है. जिसे बैंक ने फ्रीज कर दिया था. याचिका में उसे चालू करने की मांग की गयी थी. याचिकाकर्ता का कहना था कि कोटक महिंद्रा बैंक को यस बैंक से एक सूचना मिलने के बाद उसका अकाउंट फ्रीज कर दिया गया. यस बैंक ने बताया था कि उसके खाते में गलती से 44 लाख ट्रांसफर हो गए. याचिका मे आगे कहा गया कि अकाउंट फ़्रीज़ करना गैर-कानूनी था, क्योंकि इसके लिए बैंक के पास किसी सक्षम मजिस्ट्रेट का कोई आदेश नहीं था. खाता फ्रीज करने से पहले मामले की कानूनी जांच कराई जानी आवश्यक थी, जो बैंक ने नहीं किया. सीधे उनके खाते को फ्रीज कर दिया. जिसकी वजह से उनको उस दौरान कई आर्थिक दिक़्क़तो का सामना करना पड़ा. सुनवाई के दौरान बैंक ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि अकाउंट सिर्फ़ यस बैंक से मिली सूचना के आधार पर फ़्रीज़ किया गया. यस बैंक ने बताया याचिकाकर्ता के अकाउंट में गलती से 44 लाख ट्रांसफर हो गए. कोर्ट ने पाया याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया. बैंक ने खुद भी यह दावा नहीं किया कि अकाउंट फ़्रीज़ करने का कोई आदेश किसी सक्षम मजिस्ट्रेट या जांच करने वाली एजेंसी का नहीं था. कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कोटक महिंद्रा बैंक, शिवालिक नगर शाखा, हरिद्वार को निर्देश दिया है कि वह शीघ्र याचिकाकर्ता का खाते को चालू करे. उसे सामान्य रूप से चलाने की अनुमति दे. यदि इस केस के अलावा खाते को लेकर कोई अन्य दिक़्क़त न हो.

बारिश के बाद मकान की छत पर भरभराकर गिरे पेड नदियों के उफान पर आने से आवाजाही हुई बाधित

मसूरी , एजेसी। मसूरी में बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां एक मकान के ऊपर दो बड़े भरभराकर गिर गए। मसूरी स्प्रिंग रोड स्थित भंडारी निवास के पास भारी बारिश के बाद एक मकान की छत पर दो पेड़ गिर गए। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान चलाकर पेड़ों को हटाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर ऑफिसर धीरज तड़ियाल ने बताया किसूचना मिली कि स्प्रिंग रोड स्थित सुनीता के मकान के ऊपर दो पेड़ गिर गए हैं। सूचना मिलते ही फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि मकान के पीछे का पुस्ता ढहने से उस पर टिके दो पेड़ मकान की छत पर गिर गए थे, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बन गई थी। फायर कर्मियों ने वुडन कटर की सहायता से दोनों पेड़ों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सावधानीपूर्वक मकान की छत से हटाया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया। फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया। राहत एवं बचाव कार्य पूरा होने के बाद फायर यूनिट वापस स्टेशन लौट गई। अभियान में चालक राकेश कुमार तथा फायरमैन नितिन सिंह चौहान, अभिषेक कुकरेती और देवेंद्र मलिक शामिल रहे। दूसरी देहरादून-मसूरी रोड पर शिव मंदिर के पास स्थित भंडार गांव के आस-पास की नदियों और मौसमी नालों का जलस्तर तेज़ी से बढ़ गया है। तेज़ी से बहते बारिश के पानी की वजह से इलाके में आवाजाही बाधित हो गई है, जिससे स्थानीय निवासियों और यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कांवड़ मेले से पहले मिलावटखोर सक्रिय, नकली पनीर बनाने वाली डेयरी पर छापेमारी, गड्ढा खोदकर नष्ट किया

हरिद्वार, एजेसी। कांवड़ मेला शुरू होने से पहले मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं. प्रशासन का सख्ती के बावजूद हरिद्वार में नकली पनीर बनाया जा रहा था. सूचना मिलते ही खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने श्यामपुर थाना पुलिस को साथ लेकर डेयरी पर छापेमारी की और 50 किलो नकली मिलावटी पनीर जब्त कर लिया. सेहत के लिए हानिकरण केमिकल मिलाकर पनीर बनाया जा रहा था. जानकारी के अनुसार कांवड़ मेले के मध्यनजर हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अवैध खाद्य निर्माण इकाइयों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है. चलाए जा रहे अभियान के तहत श्यामपुर थाना पुलिस एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने कांगड़ी स्थित एक पनीर एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाई (गुर्जर डेयरी) पर छापेमार कार्रवाई की.

श्यामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक नितेश शर्मा द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई के दौरान निर्माण स्थल पर एक एल्यूमिनियम कंटेनर में बिक्री के लिए रखा लगभग 50 किलोग्राम पनीर बरामद किया गया. पूछताछ में

डेयरी संचालक के भाई सराफत अली ने बताया कि पनीर निर्माण में दूध पाउडर एवं फॉस्फेट का प्रयोग किया गया है. मौके से मिल्क पाउडर के लगभग 50 खाली पैकेट भी बरामद हुए, जिन्हें टीम ने जब्त कर लिया. खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बनाए गए पनीर एवं निर्माण में प्रयुक्त दूध के दो सेंपल लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजे गए हैं. नमूना लेने के उपरांत शेष लगभग 49 किलोग्राम पनीर को मौके पर जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर दबाकर नष्ट कराया गया. निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि डेयरी संचालक द्वारा रिटेल व्यवसाय के लिए प्राप्त खाद्य लाइसेंस पर ही दुग्ध उत्पादों का निर्माण किया जा रहा था. निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर पनीर निर्माण इकाई के संचालक इमादत अली एवं मौके पर उपस्थित उनके भाई सराफत अली को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन द्वारा नोटिस जारी किया गया.

डीएम ने पकड़ी लापरवाही: पिथौरागढ़ जिला अस्पताल में ना ड्रेस और ना नेमप्लेट, मरीज गंदी चादरों पर सोने को मजबूर

नैनीताल, एजेंसी। पिथौरागढ़ जिला अस्पताल में मरीजों को गंदी चादरों और बदहाल शौचालयों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य कर्मी न तो यूनिफॉर्म पहनते हैं और न ही नेम प्लेट लगाते हैं, जिससे मरीजों और तीमारदारों को डॉक्टर, नर्स या सफाई कर्मी की पहचान नहीं हो पाती।

पिथौरागढ़ जिले के सबसे बड़े जिला अस्पताल को अव्यवस्थाओं ने घेरा है। अस्पताल के बिस्तरों में मरीज गंदी चादरों में सोने के लिए मजबूर हैं। वहीं मरीजों को बदहाल शौचालयों का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल में कोई भी स्वास्थ्य कर्मी न तो अपनी ड्रेस पहनता है और ना ही नेम प्लेट लगाता है। ऐसे में मरीजों और तीमारदारों को पता नहीं चलता कि कौन डॉक्टर है और कौन सफाई कर्मी और स्टाफ नर्स। यह खामी और लापरवाही खुद डीएम ने पकड़ी।

जिला अस्पताल में मरीजों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। रोजाना

यहां 900 से अधिक मरीज बेहतर इलाज की उम्मीद में पहुंचते हैं। वहीं 120 से अधिक मरीजों को भर्ती किया जाता है। बीते दिनों संवाद न्यूज एजेंसी ने जिला अस्पताल में के वार्डों और शौचालयों में गंदगी, पानी की किल्लत, मरीजों को बाहर से दवा लिखने, हेल्प डेस्क को डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी न होना सहित कई समस्याओं को लेकर खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की गईं। इन खबरों का संज्ञान लेकर डीएम आशीष कुमार भटगाई ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया तो उन्होंने कई खामियां पकड़ीं। अस्पताल में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। मरीज गंदी चादरों में सोते मिले। शौचालयों भी गंदगी से पटे हैं। औषधी भंडार में पर्याप्त दवा उपलब्ध है। इसके बाद भी मरीजों से बाहर से दवा मंगाई जा रही है। डीएम ने इन अव्वस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं से समझौता हुआ तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।

पिथौरागढ़ जिला अस्पताल में डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ड्रेस कोड लागू है। हैरानी है कि कोई भी ड्रेस नहीं पहनता। ऐसे में मरीजों को मालूम नहीं चलता कि कौन डॉक्टर है और कौन सफाई कर्मी और स्टाफ नर्स। डीएम ने हर स्वास्थ्य कर्मी को ड्रेस पहचने के साथ ही नेम प्लेट लगाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं ताकि मरीजों को हर स्वास्थ्य कर्मी के बारे में जानकारी हो। पिथौरागढ़। डीएम ने मरीजों से वार्ता कर भोजन के मिलने का समय और गुणवत्ता की जानकारी ली। कई मरीजों ने कहा कि भोजन की गुणवत्ता को सुधारने की जरूरत है। इस पर डीएम ने अस्पताल प्रबंधन को समय पर और मैन्यू के हिसाब से मरीजों को शुद्ध भोजन उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

बारिश से सड़कों पर हुआ जलभराव, सड़कें कीचड़ से पटीं ; इस बाईपास रोड पर आवाजाही मुश्किल

नैनीताल, एजेंसी। कठघरिया-कालाढूंगी बाईपास रोड पर भारी बारिश से जलभराव हो गया है। सड़क खोदे जाने से से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।हल्द्वानी शहर के कठघरिया-कालाढूंगी बाईपास रोड पर भारी बारिश से जलभराव हो गया है। सड़क खोदे जाने से से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर बताया कि बरसात का पानी सड़कों से होते हुए लोगों के घरों में घुस रहा है। स्कूल से आने-जाने वाली महिलाओं और बच्चों को भी दिक्कतें हो रही हैं। सड़क की हालत इतनी खराब है कि दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। यह सड़क कठघरिया, जवाहर ज्योति को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। सड़क जगह-जगह बदहाल हो गई है और पानी जमा होने के कारण आवागमन बाधित हो रहा है। निकासी नहीं होने के कारण कीचड़ फैल रहा है। मनोज खुल्वे, दीपक खुल्वे, नीतू दोसाद, पप्पू राम, करन, स्नेहा नेगी, बबली नेगी आदि ने सड़क की शीघ्र मरम्मत की मांग उठाई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे।

दून शहर में नहीं घुसेंगे कांवड़ियों के वाहन, जाम से बचने के लिए ट्रैफिक पुलिस का नया प्लान लागू

देहरादून, एजेंसी। कांवड़ यात्रा के दौरान देहरादून में सुचारु यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस ने व्यापक तैयारी की है। स्कूल खुलने, बारिश से प्रभावित सड़कों और बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए प्रशासन ने कांवड़ियों के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं, ताकि शहरवासियों को जाम की समस्या का सामना न करना पड़े।

कांवड़ यात्रा के दौरान देहरादून शहर को जाम से बचाने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। कांवड़ियों के वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। पांवटा साहिब की ओर से आने वाले कांवड़ वाहनों को धर्मावाला से ही डायवर्ट किया जाएगा, जबकि दिल्ली-दून एक्सप्रेस वे के रास्ते आने वाले वाहनों को भी यू-टर्न कराने की तैयारी है।

दरअसल, शहर में स्कूल खुल चुके हैं और छुट्टी के समय जाम लगने की समस्या गंभीर है। इसके साथ ही बारिश के कारण शहर की कई सड़कों की हालत खराब है। इस कारण भी जाम लग रहा है। ऐसे में यदि कांवड़ यात्रियों के वाहन भी शहर में प्रवेश करते हैं तो जाम की समस्या और गंभीर हो जाएगी। इसलिए पुलिस ने पहले ही रणनीति तैयार कर ली है।

यातायात पुलिस के अनुसार कांवड़ यात्रियों के लिए निर्धारित मार्गों में दिशा सूचक लगाया जाएगा। पांवटा साहिब की ओर से आने वाले वाहनों को धर्मावाला से ही वैकल्पिक मार्ग पर भेजा जाएगा। वहीं दिल्ली-दून एक्सप्रेस वे के जरिए आने वाले कांवड़

वाहनों को भी शहर की सीमा से पहले ही वापस मोड़ा जाएगा, ताकि मुख्य मार्गों पर दबाव कम रहे।

यात्रा के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों और चेक पोस्टों के अलावा देहरादून की सीमाओं पर स्थित पुलिस चौकियों और बैरियरों पर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिसकर्मी हर आने-जाने वाले कांवड़ वाहन की निगरानी करेंगे और निर्धारित रूट प्लान का पालन कराएंगे। ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय पुलिस और अन्य विभागों के बीच समन्वय बनाकर पूरे अभियान की निगरानी की जाएगी।

एसपी ट्रैफिक जितेंद्र चौधरी ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ आम नागरिकों को अनावश्यक जाम से राहत देना है।

विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों, कार्यालय आने-जाने वाले लोगों और आपातकालीन सेवाओं के वाहनों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए प्लान तैयार किया गया है।

न फरमाइश, न पेपर लीक, न कैश, मेरिट पर पंजाब के 69 हजार युवाओं को दे चुका हूं सरकारी नौकरी: भगवंत सिंह मान

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलने संसद पहुंचे सीएम भगवंत ने भाजपा समेत अन्य विरोधी दलों पर किए तीखे हमले

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली/पंजाब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पेपर लीक का झूठ फैला रहे भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखा हमला बोला। मंगलवार को संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य सांसदों से मिलने संसद पहुंचे भगवंत सिंह मान ने कहा कि न फरमाइश, न पेपर लीक और न कैश, सिर्फ मेरिट पर पंजाब के 69 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुका हूं। भाजपा, पंजाबियों की मेहनत को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगा रही है। राजनीतिक जमीन पाने के लिए पंजाबियों को बदनाम करने की राजनीति भाजपा को भारी पड़ेगी। भाजपा राजनीतिक लड़ाई मुझसे लड़े। पंजाब के युवाओं की लगन और मेहनत को बदनाम करना बंद करे। मंगलवार को संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसदों से मिलने के उपरांत मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि लोग आपस में मिलते रहें। राजनीति में वैचारिक मतभेद चलते रहते हैं और ये हो भी सकते हैं, लेकिन आपस में मनभेद नहीं होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पंजाब में पेपर लीक के झूठे आरोपों पर साफ कहा कि पंजाब में हमारी सरकार को बने हुए साढ़े चार साल हो गए हैं, लेकिन वहां एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले दिनों पंजाब में फामेर्सी के एक एग्जाम में हमारे सामने चीटिंग का एक मामला जरूर आया था। सुबह 11 बजे एग्जाम शुरू हुआ और 11:15 बजे तक हमें पता चल गया कि कोई छात्र ब्लूटूथ वाले पेन से स्कैनिंग करके बाहर से हेडफोन के जरिए जवाब पूछ रहा था। पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए 10 छात्रों के साथ-साथ बाहर बैठे 11 लोगों के पूरे गैंग को पकड़कर जेल भेज दिया। पंजाब में नो कैश, नो फरमाइश व सिर्फ और सिर्फ मेरिट के सिद्धांत पर काम होता है। विपक्ष की ओर से राज्य के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के सवाल पर सीएम भगवंत मान ने कहा कि पहली बात तो फामेर्सी का एग्जाम शिक्षा विभाग का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आता है। पहले ही स्वास्थ्य मंत्री ने खुद यह साफ कर दिया है कि वहां कोई पेपर लीक नहीं हुआ था, केवल चीटिंग की कोशिश हो रही थी, जिसे तुरंत रोक दिया गया और वह एग्जाम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पंजाब में पेपर लीक जैसी कोई घटना नहीं हो सकती। अकाली दल के झूठे दावों पर भगवंत मान ने कहा कि अकाली दल का पंजाब में अब कोई दावा नहीं चलता। वे हैं ही कितने। साथ ही, संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन करने वाली भाजपा पहले दिल्ली का जंतर-मंतर संभाल ले। मैं बिना एक भी रुपया लिए, केवल मेरिट के आधार पर 68,855 युवाओं को नौकरियां देकर सामने खड़ा हूं। पंजाब में चीटिंग और भ्रष्टाचार अब बीते समय की बातें हो गई हैं। भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पहले अपने आप को संभाल लें, वे झाड़ू की फिक्र न करें।

बार-बार पेपर लीक करने वाली ब्लैकलिस्टेड कंपनियों के पीएम-मोदी और भाजपा से गहरे संबंध: संजय सिंह

- एडुटेस्ट कंपनी के मालिक के पीएम मोदी और भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अच्छे संबंध हैं: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पेपर लीक मुद्दे पर एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक करने वाली ब्लैक लिस्टेड कंपनियों के पीएम मोदी और भाजपा से गहरे संबंध हैं। एडुटेस्ट कंपनी के मालिक के पीएम मोदी और भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अच्छे संबंध हैं। इसीलिए ब्लैक लिस्टेड होने के बावजूद एडुटेस्ट को यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा कराने ठेका मिला और पेपर लीक हो गया। मोदी जी की सीबीआई 2024 के नीट पेपर लीक के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के खिलाफ कोई सबूत नहीं दे पाई। ऐसे में फास्ट ट्रैक कोर्ट या सख्त कानून बनाने का फायदा तभी होगा, जब सीबीआई सक्ष्य देगी और आरोपी को सजा मिलेगी। संजय सिंह ने कहा कि हम सख्त कानून बनाने के बिल्कुल खिलाफ नहीं हैं। देश में परीक्षा के पेपर लीक पर सख्त कानून बनना ही चाहिए। लेकिन भाजपा का रिकॉर्ड है कि एडुटेस्ट नाम की एक ब्लैक लिस्टेड कंपनी के मालिक के संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से हैं। वह ब्लैक लिस्टेड कंपनी यूपी में पुलिस भर्ती परीक्षा कराने का ठेका पा जाती है और दूसरे राज्यों में भी उसे ठेका मिल जाता है और बार-बार पेपर लीक हो रहा है। संजय सिंह ने कहा कि इसका सीधा मतलब यह है कि पेपर लीक कराने वाले लोग भाजपा से जुड़े हुए हैं, इसीलिए उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है। 2024 के नीट पेपर लीक में संजीव मुखिया नाम का मुख्य आरोपी पकड़ा गया था, लेकिन सीबीआई ने कह दिया कि उसके खिलाफ कोई सबूत ही नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाना अच्छी बात है, लेकिन उस फास्ट ट्रैक कोर्ट के सामने जब सीबीआई सबूत ही नहीं रखेगी और भाजपा शासित राज्यों की पुलिस आरोपियों को बचाने में लग जाएगी, तो कोर्ट यही कहेगा कि इनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। साक्ष्य जुटाने का काम जांच एजेंसियों का है और वे जांच एजेंसियां प्रधानमंत्री के अधीन आती हैं। सख्त कानून बनना चाहिए, हम उसके खिलाफ नहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

जसोला में अवैध निर्माण पर डीडीए सख्त, हाईकोर्ट से स्टे हटाने की मांग

नई दिल्ली। जसोला इलाके में सरकारी जमीन पर कथित अवैध निर्माण हटाने को लेकर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है। डीडीए ने दिल्ली हाईकोर्ट में 2019 से जारी स्टे ऑर्डर हटाने की मांग की है, ताकि जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके। साथ ही, हाल ही में एनजीटी में भी मामले से जुड़े दस्तावेज और नई तस्वीरें जमा की हैं। मामला अपोलो अस्पताल के पीछे खसरा नंबर एक व दो की जमीन से जुड़ा है। डीडीए का दावा है कि यह जमीन अधिग्रहीत है और वर्तमान निर्माण अवैध है। प्राधिकरण ने धारा 151 सीपीसी के तहत याचिका दायर कर 23 दिसंबर 2019 के स्टे आदेश को हटाने की मांग की है, जिसमें कोर्ट ने किसी भी कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। डीडीए का सामना राधा कृष्ण सुधार समिति से है, जो इसे ह्यराधा कृष्ण विहारह्ण कॉलोनी का हिस्सा बताती है। समिति ने दिल्ली सरकार के दिसंबर 2019 के उस आदेश का हवाला दिया है, जिसमें अनधिकृत कॉलोनियों के लिए भूमि अधिग्रहण वापस लेने की बात कही गई थी। हाईकोर्ट ने 17 अप्रैल 2026 की सुनवाई में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को और समय नहीं दिया जाएगा। अगली सुनवाई नौ जुलाई को होगी।

अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन पर मिला आठ साल का मासूम, परिजनों को सौंपा

नई दिल्ली। उत्तम नगर मेट्रो स्टेशन पर खेलते हुए आठ साल का एक मासूम गलती से मेट्रो में चढ़ गया और अक्षरधाम पहुंच गया। वहां उसे अकेला और घबराया हुआ देख मेट्रो पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत उसके परिजनों का पता लगाकर उसे सुरक्षित सौंप दिया। मेट्रो डीसीपी डॉ. आनंद धाबी के अनुसार, सोमवार को यमुना बैंक मेट्रो थाने के एएसआई राजवीर सिंह व अरुण कुमार ने अक्षरधाम स्टेशन पर बच्चे को देखा। पुलिस को देखते ही वह रोने लगा। शांत कराकर नाश्ता करवाने के बाद उसने बताया कि वह उत्तम नगर का रहने वाला है और खेलते-खेलते ट्रेन में चढ़ गया। बच्चे ने सिर्फ पिता का नाम फिरोज और पता उत्तम नगर बताया। थाना प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में टीम बच्चे को लेकर उत्तम नगर पहुंची। स्थानीय दुकानदारों व राहगीरों से पूछताछ के बाद एक दुकानदार ने बच्चे को पहचाना और एफ-ब्लॉक सहयोग विहार में उसके पिता फिरोज तक पहुंचाया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद बच्चे को पिता को सौंप दिया गया।

आईजीआई एयरपोर्ट के एयरसाइड सब-स्टेशनों में एचवीएसी सिस्टम अपग्रेड की तैयारी

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के एयरसाइड सब-स्टेशनों में लगे हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम को अपग्रेड करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद एयरपोर्ट की विद्युत और तकनीकी व्यवस्था बेहतर हो जाएगी। एयरसाइड क्षेत्र के सब-स्टेशन चौबीसों घंटे काम करते हैं और रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, एयरफील्ड लाइटिंग, नेविगेशन सिस्टम व अन्य तकनीकी उपकरणों को बिजली उपलब्ध कराते हैं। इन संवेदनशील उपकरणों के लिए नियंत्रित तापमान बनाए रखना जरूरी है। आधुनिक एचवीएसी सिस्टम तापमान व नमी नियंत्रित कर ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर व कंट्रोल पैनल को सुरक्षित रखेगा, जिससे तकनीकी खराबी की आशंका कम होगी। इससे एयरपोर्ट की परिचालन क्षमता सुधरेगी।

केजरीवाल ने बिहार में छात्रों पर फायरिंग को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित एके-47 राइफल से फायरिंग की घटना को लेकर केंद्र सरकार और बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। केजरीवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा कि आखिर सरकार को क्या हो गया है? बिहार में छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गईं। क्या ये छात्र आतंकवादी हैं? उन्होंने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार की धरती से नारा लगा था सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों के सवालों को जवाब देना होगा। आआपा के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इस मामले में केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह कोई कथित घटना नहीं है, बल्कि वीडियो में छात्रों पर एके-47 राइफल से फायरिंग दिखाई दे रही है। संजय सिंह ने केंद्र और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से सवाल करते हुए कहा कि क्या ये छात्र आतंकवादी हैं कि उन पर एके-47 राइफल चलाई जाएगी? उन्होंने कहा कि देश की राजधानी में पहले छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस और लाठीचार्ज किया गया, जिसमें लगभग 500 छात्र घायल हुए। अब बिहार में छात्रों के खिलाफ एके-47 का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह किस तरह का शासन है?

हिन्दी विषय में है रोजगार के ज्यादा अवसर: प्रो. सुमन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज ने मंगलवार को शैक्षिक सत्र --2026 -27 में फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिए बी. ए. प्रोग्राम , बी. कॉम .(ऑनर्स) बी.कॉम. प्रोग्राम , बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी , बी.ए. ऑनर्स (अंग्रेजी) व बीएससी प्रोग्राम के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन सेमिनार हॉल व वाचनालय में किया गया । एक तरफ रिम झिम बारिश में विद्यार्थियों ने रंग- बिरंगी पोशाक पहनी हुई थी , ऐसा लग रहा था कि कॉलेज में कोई उत्सव या मेला लगा हुआ है , फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिए ये छात्र आपस में एक दूसरे से परिचय कर रहे थे । कॉलेज की ओर से मुख्य गेट पर वरिष्ठ विद्यार्थियों ने छात्रों / छात्राओं को चंदन का तिलक लगाकर व मिश्री से मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया । वरिष्ठ छात्रों ने नए छात्रों से संवाद के जरिए हॉबीज जानी , उसके बाद उन छात्रों को अलग - अलग सोसाइटी से जोड़ने के लिए पंजीकरण किया । इन छात्रों का कहना था कि कॉलेज में उन्हें स्वतंत्रता मिली है , जहाँ न बैग है और न ड्रेस पहन कर आना , कॉलेज में हमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर अरुण चौधरी ने नए छात्रों के स्वागत में सेमिनार हॉल में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्रो.हंसराज सुमन , प्रो.राजीव अग्रवाल , प्रो.आदित्य मिश्रा , प्रो.प्रमोद कुमार , डॉ.राजकुमार वर्मा , डॉ.विनय भारद्वाज , डॉ. मीनाक्षी चौधरी , डॉ. पंकजेन्द्र किशोर , डॉ. अभिनव प्रकाश , डॉ . विकास यादव , प्रो .अमित झा भी उपस्थित रहे । कार्यक्रम से पूर्व प्रथम वर्ष के छात्रों का वरिष्ठ छात्रों ने चंदन का तिलक लगाकर स्वागत किया और कहा कि अरबिंदो कॉलेज में हम आपका हृदय से स्वागत करते हैं । लगातार बारिश होने के बावजूद भी ओरिएंटेशन प्रोग्राम में छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । ये छात्र बारिस का आनंद लेते हुए अपने वरिष्ठ छात्रों से परिचय कर रहे थे , अपनी हॉबीज बता रहे थे । ओरिएंटेशन प्रोग्राम को कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर अरुण चौधरी ने छात्रों को अपने संबोधन में कॉलेज जीवन के महत्व और अरबिंदो कॉलेज की विशेषता एवं उसकी उपलब्धियों से अवगत कराया तथा छात्रों को उनके दायित्व व भविष्य में बेहतर लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा दी । प्रो. चौधरी ने महर्षि अरविन्द के व्यक्तित्व और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है और यही मार्ग जीवन में सर्वोत्तम ऊंचाइयों की ओर ले जाता है । उन्होंने छात्रों को कॉलेज द्वारा किए गए विशेष कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। प्रिंसिपल ने अन्य जानकारी देते हुए बताया कि हमारे कॉलेज की नई बिल्डिंग जल्द ही तैयार होकर आपको मिल जाएगी । उन्होंने बताया कि कॉलेज की कल्चरल सोसायटी हर साल विभिन्न विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों व खेल आदि में छात्रों द्वारा अनेक पुरुस्कार अर्जित किए गए।

डीटीयू ने स्वच्छ ऊर्जा व सस्टेनेबिलिटी के लिए दो नए एग्जीक्यूटिव कोर्स शुरू किए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने स्वच्छ ऊर्जा और कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए दो नए एग्जीक्यूटिव शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए हैं। विश्वविद्यालय के डिजिटल एजुकेशन विभाग के तहत सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग द्वारा वीसीनाउ के सहयोग से यह कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। छह माह की अवधि वाले इस कार्यक्रम में रविवार को लाइव ऑनलाइन कक्षाएं, तीन दिवसीय कैंपस विजिट, छह अकादमिक मॉड्यूल और एक प्रायोगिक कार्य शामिल हैं। पहले बैच की ओरिएंटेशन हो चुकी है। कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने कहा कि 85 वर्ष से अधिक की शैक्षणिक विरासत और शोध क्षमता इन कार्यक्रमों को विशेष बनाती है। ये पाठ्यक्रम नवीकरणीय ऊर्जा में विशेषज्ञता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूती देंगे। डीन (डिजिटल एजुकेशन) प्रो. एस इंदु ने कहा कि डीटीयू उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तकनीक-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में भारत के अलावा ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात के पेशेवर भी शामिल हुए हैं, जो ऊर्जा, विनिर्माण, नियामक संस्थाओं, उच्च शिक्षा, रक्षा सेवाओं और ग्रीन फाइनेंस जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

जगह-जगह जलभराव से जनता परेशान

नई दिल्ली। राजधानी में मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। इससे जगह-जगह जलभराव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सदर बाजार और सबसे व्यस्त रहने वाले कनॉट प्लेस में इनर सर्कल व आउटर सर्कल में जलजमाव से आवाजाही करने वाले परेशान रहे। बाहरी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कई स्थानों पर भी दिक्कतें हुईं। सदर बाजार और कनॉट प्लेस के व्यापारियों ने आवश्यक इंतजाम न होने पर विभाग और प्रशासन पर सवाल उठाए। भारी बारिश से फैली अव्यवस्था पर विपक्षी दलों को हमला करने का मौका मिल गया है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों के कामकाज को लेकर हमला बोला है। कनॉट प्लेस में शॉपिंग के लिए आए सचिन अरोड़ा ने बताया कि उम्मीद थी कि सबसे प्रमुख बाजार में व्यवस्था ठीक होगी, लेकिन मंगलवार को यहां पर लगातार हुई बारिश के बाद एड़ियों तक पानी भर गया। सदर बाजार इलाके में लोगों को कंधों पर अपने बच्चों को स्कूल के बाद घर ले जाना पड़ा। चार इंजन की सरकार नाकाम एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने जलभाव पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम और सत्ता पक्ष पर निशाना साधा।

मताधिकार की रक्षा में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता बाबरपुर में सहायता शिविर का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस के बूथ स्तरीय अभिकर्ता-2 और कार्यकर्ता लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी हैं, जो प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा, साहस और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत पूरी दिल्ली में कांग्रेस के बूथ स्तरीय अभिकर्ता-2 मतदाताओं के नाम सत्यापित कराने, संशोधन कराने तथा नए मतदाता जोड़ने में लोगों की हरसंभव सहायता कर रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने सोमवार को बाबरपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को सरल, सुगम और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्थापित सहायता शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जिला अध्यक्ष राजकुमार जैन को जनहित में इस पहल की शुरूआत करने पर बधाई देते हुए कहा कि सहायता शिविर कांग्रेस संगठन की जनसेवा की भावना और संगठनात्मक मजबूती का सकारात्मक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बूथ स्तरीय अभिकर्ता-2 और कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं के नामों के सत्यापन और संशोधन की प्रक्रिया में निष्पक्षता के साथ सहयोग कर रहे हैं। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र नागरिक का मताधिकार प्रभावित न हो। जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार जैन ने बताया कि जिले की सभी 5 विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत 20 मंडलों में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और बूथ स्तरीय अभिकर्ता-2 के माध्यम से सहायता शिविर संचालित किए जाएंगे। इन शिविरों में नागरिकों को आवेदन भरने, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं में सहायता दी जाएगी, जिससे अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं को सुविधा मिल सके। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अब्दुल रहमान, सभी मंडल अध्यक्ष, बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, मंडल कांग्रेस के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 25 दिनों से कांग्रेस के बूथ स्तरीय अभिकर्ता-2 पूरी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों, पुनर्वास बस्तियों, अनधिकृत कॉलोनियों, आवासीय सोसायटियों तथा अन्य मोहल्लों में घर-घर जाकर लोगों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबरपुर में सहायता शिविर के शुभारंभ से कार्यकर्ताओं का उत्साह और बढ़ा है तथा वे 8 अगस्त तक पूरी सक्रियता के साथ इस अभियान में लगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के समापन में अब केवल 10-12 दिन शेष हैं।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला: आरोपी मनीषा हवलदार को नियमित फिजियोथेरेपी देने का निर्देश

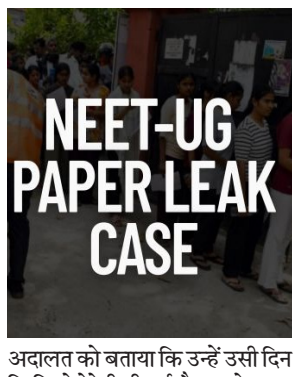

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले की आरोपी मनीषा संजय हवलदार को नियमित फिजियोथेरेपी और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अनु ग्रोवर बालीगा ने जेल प्रशासन से कहा कि डॉक्टरों की सलाह के अनुसार उनका उपचार लगातार जारी रखा जाए और सप्ताह में दो बार फिजियोथेरेपी सुनिश्चित की जाए। सुनवाई के दौरान मनीषा हवलदार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। उन्होंने अदालत को बताया कि उन्हें उसी दिन फिजियोथेरेपी दी गई है। इसके बाद अदालत ने स्पष्ट किया कि न्यायिक हिरासत में रहने के बावजूद आरोपी को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना जेल प्रशासन की जिम्मेदारी है। मनीषा हवलदार की ओर से 25 जुलाई को दायर आवेदन में आरोप लगाया गया था कि उन्हें दाहिने कंधे, पीठ और घुटनों में दर्द के बावजूद पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिल रही है। इस पर अदालत ने जेल प्रशासन से मेडिकल रिपोर्ट तलब की थी। इस बीच मामले की सुनवाई नई गठित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट को स्थानांतरित कर दी गई। अदालत ने पहले ही निर्देश दिया था कि अगली सुनवाई में उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाए। फिलहाल मनीषा हवलदार समेत इस मामले के 13 आरोपी 6 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देर से आया, लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ : भीष्म शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं घोंडा के पूर्व विधायक भीष्म शर्मा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार की शिक्षा नीति और परीक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न उठाए। उन्होंने कहा कि यह इस्तीफा बहुत पहले आ जाना चाहिए था, क्योंकि नीट परीक्षा विवाद ने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया। उनका आरोप है कि सरकार की देरी और लापरवाही का सबसे बड़ा नुकसान देश के लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को उठाना पड़ा। भीष्म शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों और अभिभावकों ने लगातार निष्पक्ष जांच, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की, लेकिन केंद्र सरकार ने लंबे समय तक मामले की गंभीरता को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि समय रहते ठोस निर्णय लिए गए होते, तो विद्यार्थियों को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की आवश्यकता नहीं पड़ती और उनके भविष्य पर इतना बड़ा संकट नहीं आता। उन्होंने कहा कि परीक्षा संबंधी विवादों के कारण लाखों युवा मानसिक तनाव, असमंजस और निराशा की स्थिति में पहुंचे। अनेक विद्यार्थियों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा तथा उनके परिवारों को भी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय में सरकार की प्रत्येक चूक का सीधा प्रभाव युवाओं के भविष्य पर पड़ता है, इसलिए जवाबदेही सुनिश्चित होना अत्यंत आवश्यक है। भीष्म शर्मा ने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। उनका कहना था कि भारत की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा तंत्र की कमियां राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनीं, जिससे देश की प्रतिष्ठा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही परीक्षा प्रणाली में व्यापक संस्थागत सुधार, प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कड़े कानून, आधुनिक तकनीकी सुरक्षा व्यवस्था तथा स्पष्ट जवाबदेही की नीति लागू की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी विद्यार्थी को ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय पौरोहित्य सम्मेलन में संस्कारों की महत्ता पर मंथन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली संस्कृत अकादमी, कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग, दिल्ली सरकार तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पौरोहित्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कटवारिया सराय स्थित विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पौरोहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश से आए अनेक विद्वानों, आचार्यों और विचारकों ने सहभागिता करते हुए संस्कारों, भारतीय परंपरा और पौरोहित्य कर्म के विविध आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में मंडी हाउस स्थित गीता भवन के प्रमुख आचार्य नीरज मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन में संस्कारों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है और पौरोहित्य कर्म केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को दिशा प्रदान करने, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने तथा नैतिक मूल्यों की स्थापना का प्रभावी माध्यम भी है। आचार्य नीरज ने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा संस्कारों में निहित है। यदि समाज में संस्कारों का संरक्षण और संवर्धन निरंतर होता रहे, तो सामाजिक सामरसता, नैतिकता और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ आधार प्राप्त होगा। उन्होंने पौरोहित्य परंपरा को समाज के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए इसे समयानुकूल सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

हाईकोर्ट ने एससी आयोग की कार्रवाई रद्द की, शिकायत बंद करने के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (रेडियो टेक्नीशियन) भर्ती के दौरान जातीय भेदभाव की शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) की कार्रवाई रद्द कर दी। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने आयोग को अगली सुनवाई में शिकायत की कार्यवाही समाप्त करने का निर्देश दिया। मामला दिल्ली पुलिस आयुक्त की उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें एनसीएससी की 12 फरवरी और 15 मई, 2026 की सिफारिशों को चुनौती दी गई थी। दिल्ली पुलिस ने अदालत में दलील दी कि भर्ती प्रक्रिया से संबंधित यह सेवा विवाद आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। पुलिस ने यह भी बताया कि शिकायतकर्ता की बहन, जो उसी अनुसूचित जाति वर्ग से हैं और उसी भर्ती प्रक्रिया में शामिल थीं, ट्रेड टेस्ट उत्तीर्ण कर चुकी हैं, जिससे जातीय भेदभाव के आरोप पुष्ट नहीं होते। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने हलफनामा देकर बताया कि उन्होंने विवाद को केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में चुनौती दी है और अब एनसीएससी के समक्ष शिकायत आगे नहीं बढ़ाएंगी। इसे देखते हुए हाईकोर्ट ने आयोग की सिफारिशें निरस्त कर दीं और निर्देश दिया कि चूंकि मामला कैट में विचाराधीन है, इसलिए आयोग अपनी कार्यवाही बंद करे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 29 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

स्कूल वैन में छात्रा से यौन शोषण, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। सिविल लाइंस इलाके में स्कूल वैन में कक्षा पांच की छात्रा से यौन शोषण और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को लिखित शिकायत मिलने पर पोक्सो और धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैन चालक सोनू को साथी गौरव समेत गिरफ्तार कर लिया है। वैन चालक सोनू सुबह सात बजे के करीब पीड़िता को अन्य बच्चों के साथ बैठाकर स्कूल ले जाता था। पीड़िता ने बताया कि स्कूल से छुट्टी होने के बाद सोनू उसे सबसे अंत में घर छोड़ता था। इस बीच सोनू और उसका दोस्त गौरव पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें करते थे। यही नहीं जब पीड़िता विरोध करती थी तो जान से मारने की धमकी देते और वीडियो वायरल करने की धमकी देते थे। इसकी वजह से पीड़िता ने कभी परिजनों को घटना के बारे में जानकारी नहीं दी पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता शुक्रवार को स्कूल गई और अपनी क्लासटीचर को पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। इस खुलासे से हतप्रभ टीचर ने तुरंत छात्रा के माता-पिता को स्कूल बुलाया और पूरी कहानी बताई। फिर स्कूल से ही पुलिस को सूचना दी गई। पीड़िता ने बताया कि वह तनावग्रस्त हो गई तो डर वह महीनों से चल रहा था। लेकिन डर की वजह से बता नहीं पा रही थी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया और काउंसलिंग के बाद एफआईआर दर्ज कर ली। इसके बाद आरोपी 47 वर्षीय सोनू और गौरव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह स्कूल वैन किसी स्कूल से संबद्ध नहीं है। अब इस वैन से जाने वाले अन्य छात्र-छात्राओं की काउंसिलिंग कराने की तैयारी की जा रही है।

स्ट्रोक मरीजों के लिए राहत: संगीत थेरेपी से लौटेगी बोलने की क्षमता

नई दिल्ली। स्ट्रोक के कारण बोलने की क्षमता खो चुके मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। आईआईटी दिल्ली, एम्स दिल्ली और इहबास के संयुक्त शोध ने मेलोडिक इंटोनेशन थेरेपी (एमआईटी) का पहला हिंदी संस्करण विकसित किया है। यह संगीत-आधारित उपचार पद्धति पोस्ट-स्ट्रोक अफेजिया से जूझ रहे मरीजों को दोबारा संवाद करने में मदद करती है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल एफेसियोलॉजी में प्रकाशित इस शोध में हिंदी की ध्वनियों, लय और उच्चारण के अनुरूप थेरेपी को समायोजित किया गया। शोधकर्ताओं ने छह हिंदी भाषी स्ट्रोक मरीजों पर 45-60 मिनट के 40 सत्रों का परीक्षण किया। सभी मरीजों में चिकित्सकीय सुधार देखा गया। वे लंबे वाक्य बोलने, सहज बातचीत करने लगे और जीवन गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव आया। किसी नकारात्मक प्रभाव की सूचना नहीं मिली। शोध का नेतृत्व आईआईटी दिल्ली के प्रो. एनएम अनूप कृष्णन व प्रो. राहुल गर्ग ने एम्स की प्रो. दीप्ति विभा व अन्य विशेषज्ञों के साथ किया। शोधकर्ताओं ने बड़े स्तर पर और अध्ययन की आवश्यकता बताई। कहा कि टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने पर काम कर रही है, ताकि दूरदराज के मरीज भी इसका लाभ उठा सकें। अब तक यह थेरेपी अंग्रेजी व अन्य पश्चिमी भाषाओं में उपलब्ध थी, हिंदी में पहली बार मानक संस्करण तैयार हुआ है।

एआई सेग नामक प्लेटफॉर्म लॉन्च, डॉक्टरों को अब एक सवाल पर मिलेगी मरीज की पूरी जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं को और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्मार्ट एनालिटिक्स एंड गाइडेंस इंजन (एआई सेग) नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। अस्पताल का दावा है कि यह एशिया का अपनी तरह का पहला एकीकृत संवादात्मक (कन्वर्सेशनल) एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म है, जो अस्पताल के 14 क्लिनिकल, ऑपरेशनल और गुणवत्ता संबंधी मॉड्यूल को एक साथ जोड़ता है। इस प्लेटफॉर्म की मदद से डॉक्टर, नर्स, लैब कर्मी और अस्पताल के अधिकारी सामान्य भाषा में सवाल पूछकर मरीज या अस्पताल से जुड़ी जरूरी जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। इससे अलग-अलग रिपोर्ट या कई सिस्टम देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी और निर्णय लेने में समय बचेगा। अस्पताल के प्रबंध निदेशक विभु तलवार ने कहा कि इस तकनीक का उद्देश्य डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन का समय बचाना है, ताकि वे रिपोर्ट खोजने के बजाय मरीजों की देखभाल पर अधिक ध्यान दे सकें। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल की डिजिटल हेल्थ यात्रा में एक अहम कदम है। इससे मरीजों की सुरक्षा व बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

रेखा गुप्ता सरकार के 650 करोड़ रुपए के दवा घोटाले की कई फाइलें गायब: सौरभ भारद्वाज

- दवा, बेडशीट, ओआरएस, एक्स-रे मशीन समेत अन्य उपकरणों से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण फाइलें गायब हैं- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार के 650 करोड़ रुपए के दवा घोटाले से संबंधित कई महत्वपूर्ण फाइलें गायब होने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार के दफ्तर से दवाइयों, बेडशीट, ओआरएस, एक्स-रे मशीनों और अन्य उपकरणों की खरीद में हुए कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण फाइलें गायब हो गई हैं। साथ ही उन्होंने मुख्य रेखा गुप्ता को टैग करते हुए पूछा है कि सरकार को इस बात का जवाब देना चाहिए कि आखिर ये फाइलें कैसे गायब हो गई हैं? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार में दवाइयों, एक्स-रे मशीन और ओआरएस की खरीद से हुए 650 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य घोटाले को लेकर पिछले कुछ दिनों से कम बात हो पाई, क्योंकि दिल्ली में छात्रों का एक बड़ा प्रदर्शन चल रहा था। अब वापस उसी घोटाले पर आते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार में दवाइयों, एक्स-रे मशीन और ओआरएस की खरीद से हुए 650 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य घोटाले से संबंधित सारी फाइलें दिल्ली सरकार के दफ्तर से गायब हो गई हैं। ये फाइलें टेंडर, सप्लाई ऑर्डर, वर्क ऑर्डर, माल की मात्रा और उसके वितरण से जुड़ी हुई थीं। दिल्ली सरकार के दफ्तरों में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे चलते हैं। दिन हो या रात, दफ्तर के अंदर चपरासी और चौकीदार हमेशा मौजूद रहते हैं। ऐसे में यह संभव ही नहीं है कि इस तरह से फाइलें गायब हो जाएं। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि ये वो फाइलें थीं जिनमें इस बात का जिक्र था कि कैसे 10 लाख या 11 लाख रुपए की एक्स-रे मशीन 30 से 32 लाख रुपए में खरीदी गई। इनमें बताया गया था कि कैसे ओआरएस के 50 लाख पैकेट महंगे दामों में खरीदे गए, 16 लाख से ज्यादा चादरें करीब 75 करोड़ रुपए में खरीदी गईं और 100 करोड़ रुपए की दवाइयां 400 करोड़ रुपए में खरीदी गईं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अब जांच एजेंसियों को यह भी पता नहीं चल पा रहा है कि खरीदी गई 16 लाख चादरें अस्पतालों तक पहुंची भी या नहीं, क्योंकि इसका कोई रिकॉर्ड अब तक एजेंसियों को नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी का सवाल इस सरकार की मुखिया रेखा गुप्ता से है, उन्हें यह जवाब देना चाहिए कि ये फाइलें आखिर गायब कैसे हो गईं?

उपराज्यपाल ने एमसीडी के आधुनिक डॉग शेल्टर की रखी आधारशिला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को द्वारका सेक्टर-29 में आधुनिक डॉग शेल्टर की आधारशिला रखी। इसे दिल्ली नगर निगम ने बनाया है। इस मौके पर महापौर प्रवेश वाही, सांसद रामवीर बिधूड़ी, विधायक कैलाश गहलोत मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद उपराज्यपाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि लगभग 6,050 वर्ग मीटर में फैली यह सुविधा आवारा कुत्तों के लिए सुरक्षित आश्रय, देखभाल और पुनर्वास की व्यवस्था करेगी। इसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर होगा जो उनकी भलाई और सेहत का ध्यान रखेगा। उपराज्यपाल ने इसके अलावा छोटे जानवरों के लिए दिल्ली के एकमात्र श्मशान केंद्र का भी दौरा किया। साथ ही निगम को सलाह दी कि वे पशु कल्याण संगठनों, डॉग लवर्स, पशु चिकित्सकों और विषय विशेषज्ञों को सक्रिय रूप से शामिल करें, ताकि उनके अनुभव और ज्ञान से इन पहलों को टिकाऊ और संवेदनशील तरीके से आकार दिया जा सके। उपराज्यपाल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप का एक बेहतरीन उदाहरण है। जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन के सीएसआर सहयोग से इसे निगम के लिए बिना किसी लागत के विकसित किया जा रहा है, जिससे पशु कल्याण के प्रति दिल्ली की प्रतिबद्धता और मजबूत होती है।

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत सत्या शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही भी उपस्थित रहे। सत्या शर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को स्थायी समिति के आगामी कार्यकाल की प्राथमिकताओं एवं कार्ययोजना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनका आगामी कार्यकाल पांच प्रमुख संकल्पों स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली, शिक्षित दिल्ली, सुशासन एवं सशक्त निगम पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि इन प्राथमिकताओं के माध्यम से नगर निगम की नागरिक सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनोन्मुखी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, ठोस कचरा प्रबंधन में सुधार, निगम के अस्पतालों एवं जनस्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, निगम विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। साथ ही निगम को वित्तीय एवं प्रशासनिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। सत्या शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के सहयोग से दिल्ली नगर निगम जनहित के विकास कार्यों को और अधिक गति देगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के समन्वित प्रयासों से दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ, विकसित एवं नागरिक-अनुकूल बनाने के लक्ष्य को और मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्या शर्मा को स्थायी समिति के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य करता रहेगा।

सरकार व सामाजिक संगठन मिलकर 2030 तक हासिल करेंगे बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य : सावित्री ठाकुर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जमीन पर काम कर रहे 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के देश भर से आए सहयोगी संगठनों के चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श इंश्योरिंग ए चाइल्ड राइट्स, पोटेंशियल एंड प्रास्पेरिटी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सबके साथ और नागरिक समाज संगठनों के सहयोग से 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। इस राष्ट्रीय परामर्श में देश के सभी 782 जिलों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए सावित्री ठाकुर ने कहा कि बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आप सभी चुनौतियों से पार पा रहे हैं। किसी भी बच्चे की जिंदगी बचाना सबसे नेक काम होता है। छोटी उम्र की बच्चियां ट्रैफिकिंग की शिकार हो जाती हैं और फिर कभी अपने घर नहीं लौट पातीं। ऐसी बच्चियों को किसी फरिश्ते का इंतजार होता है और इन्हें यौन शोषण के दलदल से मुक्त कराने वाले नागरिक समाज संगठनों के स्वयंसेवी किसी फरिश्ते से कम नहीं होते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2030 तक बाल विवाह के खात्मे को प्रतिबद्ध हैं। बाल विवाह मुक्त भारत को सफल बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने की दिशा में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत के सपने को हासिल करने में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। इस मौके पर एमपी ज फॉर चिल्ड्रेन के संयोजक व लोकसभा में तेलुगु देशम पार्टी के संसदीय दल के नेता लावु कृष्णा देवरायलु ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ शुरू किया गया जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का यह आंदोलन अब पूरी दुनिया में फैल रहा है। यह एक असाधारण प्रयास है और भारत ने दिखाया है कि बाल विवाह का खात्मा संभव है। बताते चलें कि लावु ने सोशल मीडिया के खतरों से बच्चों को बचाने के लिए संसद में एक निजी विधेयक भी पेश किया है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक व प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन ऋभु ने कहा, 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से निकली चिनगारी जल्द ही राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बदल गई। तब से यह आंदोलन न्याय, तकनीक, नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों के जरिए हरेक बच्चे के सशक्तीकरण के व्यापक दृष्टिकोण में तब्दील हो गया है। भारत यह दिखा रहा है कि जब सरकारें, नागरिक समाज, अकदामिक जगत, समुदाय और युवा किसी साझा लक्ष्य के प्रति एकजुट हो जाएं तो बदलाव अवश्यंभावी है।

शिक्षकों की चुनाव ड्यूटी पर हाईकोर्ट सख्त कहा-बच्चों की पढ़ाई से नहीं हो समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि चुनाव आयोग को चुनाव संबंधी कार्यों के लिए सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी लगाने का सांविधानिक अधिकार है, लेकिन यह भी उसकी जिम्मेदारी है कि इससे शिक्षकों पर अनावश्यक कार्यभार न पड़े और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने यह टिप्पणी शिक्षकों को बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य में लगाए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान की। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए आवश्यक कर्मचारियों की सेवाएं लेने का अधिकार है। हालांकि, बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 की धारा 27 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गैर-शैक्षणिक कार्यों के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि किसी भी शिक्षक को स्कूल समय के दौरान चुनाव संबंधी कार्य नहीं दिया जा रहा है। आयोग के अनुसार शिक्षक केवल स्कूल की छुट्टी के बाद बीएलओ का काम करते हैं और उनकी सहायता के लिए स्वयंसेवकों की भी तैनाती की गई है, ताकि नियमित शिक्षण व्यवस्था प्रभावित न हो। याचिकाकताओं की दलील याचिका दायर होने के बाद 10 हजार शिक्षकों को स्कूलों में वापस भेजने का आदेश जारी हुआ याचिकाकताओं ने आयोग के दावों का विरोध करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षकों की चुनाव ड्यूटी लगाए जाने से कई सरकारी स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हुई। उनका यह भी दावा है कि याचिका दायर होने के बाद करीब 10 हजार शिक्षकों को स्कूलों में वापस भेजने का आदेश जारी किया गया, जिससे पहले की व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। कमजोर वर्ग के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई याचिकाकताओं ने यह भी कहा कि सरकारी और नगर निगम स्कूलों के शिक्षकों को बड़े पैमाने पर चुनाव ड्यूटी में लगाया गया, जबकि निजी स्कूलों में पढ़ाई सामान्य रही। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की पढ़ाई सबसे अधिक प्रभावित हुई। हाईकोर्ट ने कहाशिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, महिला शिक्षकों की पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी रखें ध्यान हाईकोर्ट ने कहा कि यदि शिक्षक पूरे दिन छह से आठ घंटे पढ़ाने के बाद चुनाव संबंधी अतिरिक्त कार्य करेंगे तो उन पर मानसिक और शारीरिक दबाव बढ़ेगा।

10 हजार की ठगी से खुला 70 करोड़ का साइबर सिंडिकेट, दो बैंक मैनेजर समेत 10 पकड़े गए

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। मध्य जिला साइबर थाना पुलिस ने महज 10 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की जांच के दौरान अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय म्यूल बैंक अकाउंट सिंडिकेट का पदार्फाश किया है। इस मामले में सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और इंडसइंड बैंक के एक-एक मैनेजर समेत कुल 10 लोगों को पकड़ा गया है। इनमें छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि चार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने 248 म्यूल बैंक खातों के जरिए 70 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई। जांच में अब तक करीब 20 करोड़ रुपये की साइबर ठगी सीधे इन खातों से जुड़ी मिली है। पुलिस ने आरोपियों के खातों में मौजूद 56 लाख रुपये फ्रीज कर दिए हैं। इनके कब्जे से एक लाख रुपये नकद, एक ब्रेजा कार, 248 बैंक अकाउंट किट, 38 सिम कार्ड, 22 मोबाइल फोन, 28 फर्जी कंपनियों की मुहरें तथा 55 डेबिट व क्रेडिट कार्ड बारामद किए गए हैं। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि पटेल नगर के पंजाबी बस्ती निवासी एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर वर्क फ्रॉम होम और फ्रीलांसिंग जॉब का झांसा देकर 10 हजार रुपये ठगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि ठगी की रकम में से पांच हजार रुपये ह्यडेमियन ट्रेडर्सह्ल नामक फर्जी कंपनी के एक्सिस बैंक के करंट अकाउंट में जमा हुए थे। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने 8 जुलाई को मोहित सोनी को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। खातों को खुलवाकर साइबर ठगों को बेच दिया जाता जांच में सामने आया कि गिरोह पहले लोगों के दस्तावेज हासिल करता था। इनके आधार पर शेल कंपनियां बनाकर बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे। इसके बाद इंटरनेट बैंकिंग, चेकबुक, डेबिट कार्ड, पासबुक, फर्जी कंपनी की मुहर और रजिस्टर्ड सिम के साथ तैयार अकाउंट किट साइबर ठगों को बेच दी जाती थी। बैंक मैनेजर कुंदन कुमार पर 75 हजार रुपये लेकर कई खाते खुलवाने का आरोप पुलिस के मुताबिक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, गुरुग्राम शाखा के मैनेजर कुंदन कुमार पर 75 हजार रुपये लेकर कई खाते खुलवाने का आरोप है।

दि नियमों के गंभीर उल्लंघन पर 7 क्लिनिकल ट्रायल एथिक्स कमेटियों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने देशभर की सात क्लिनिकल ट्रायल एथिक्स कमेटियों का पंजीकरण रद्द कर दिया है। जांच में इन कमेटियों की ओर से नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। सीडीएससीओ के अनुसार, इन एथिक्स कमेटियों की जांच नई दवाएं एवं क्लिनिकल ट्रायल (एनडीसीटी) नियम, 2019, गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जीसीपी) गाइडलाइंस और अन्य नियामकीय प्रावधानों के पालन की समीक्षा के लिए की गई थी। जांच में कई बड़ी कमियां सामने आईं, जिससे यह माना गया कि ये कमेटियां अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से पालन नहीं कर रही थीं। एथिक्स कमेटियों का मुख्य काम क्लिनिकल ट्रायल की समीक्षा करना और यह सुनिश्चित करना होता है कि परीक्षण में शामिल लोगों के अधिकार, सुरक्षा और स्वास्थ्य की पूरी तरह रक्षा हो। इन कमेटियों की मंजूरी के बिना किसी भी क्लिनिकल ट्रायल को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। सीडीएससीओ ने बताया कि पंजीकरण रद्द करने से पहले सभी नियामकीय प्रक्रियाओं का पालन किया गया। इसमें जांच रिपोर्ट की समीक्षा, संबंधित संस्थानों से सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई (सीएपीए) पर जवाब मांगना, कारण बताओ नोटिस जारी करना और जरूरत पड़ने पर व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना शामिल था। ऐसे में सीडीएससीओ के अधिकारियों ने कहा कि क्लिनिकल ट्रायल से जुड़े सभी संस्थानों के लिए नियामकीय नियमों का पालन करना अनिवार्य है। इस कार्रवाई का उद्देश्य क्लिनिकल ट्रायल की पारदर्शिता बनाए रखना और परीक्षण में शामिल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बेटियों के सपनों को उड़ान देने पहुंचे अभिभावक बोले बेटियों के सपनों के लिए हर दूरी मंजूर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन कॉलेज परिसरों में केवल नए विद्यार्थियों का ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों का उत्साह और भावुकता भी देखने को मिली। देश के अलग-अलग राज्यों से पहुंचे कई अभिभावक अपने बच्चों के साथ सीधे रेलवे स्टेशन और बस अड्डों से सामान लेकर कॉलेज पहुंचे। किसी के हाथ में सूटकेस था तो कोई बेटी के लिए हॉस्टल और पीजी की व्यवस्था करने में जुटा था। बारिश के बावजूद कॉलेज परिसरों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उत्साहित अभिभावकों की भीड़ दिखाई दी। अभिभावकों ने कहा कि घर से बाहर बेटी पढ़ने के लिए जा रही है तो एक चिंता भी है लेकिन बेटियों के सपनों के लिए हर दूरी मंजूर है। यहां तक पहुंचने के लिए बेटी ने काफी मेहनत की है। मिरांडा हाउस कॉलेज के बाहर इंदौर से आए मोहन बघेल अपनी बेटी के साथ पहुंचे। उनकी बेटी ने फिलॉसफी ऑनर्स में प्रवेश लिया है। उन्होंने कहा कि बेटी के डीयू में दाखिला मिलने की खुशी किसी भी चिंता से बड़ी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को लेकर मीडिया में तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं। एक पिता होने के नाते मन में स्वाभाविक चिंता थी कि बेटी पहली बार घर से इतनी दूर रहेगी। लेकिन बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को बाहर भेजना ही पड़ता है। हमें गर्व है कि उसे डीयू जैसा प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय मिला है। कॉलेज के बाहर पटना से आए दंपती सचिन और शालिनी भी अपनी बेटी के साथ पहुंचे। दोनों पेशे से शिक्षक हैं। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान भीड़ अधिक होने के कारण वे कॉलेज के बाहर बस स्टॉप पर बैठकर बेटी का इंतजार करते रहे। सचिन ने बताया कि उनकी बेटी ने 12वीं और सीयूईटी, दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और अब उसे मिरांडा हाउस में अंग्रेजी ऑनर्स में दाखिला मिला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बारे में बाहर रहने वाले लोगों के मन में कई तरह की धारणाएं हैं। लोग यहां होने वाले प्रदर्शनों, अपराध और अन्य घटनाओं की बातें करते हैं, लेकिन ऐसी घटनाएं किसी भी शहर में हो सकती हैं। हमारी बेटी का सपना शुरू से ही डीयू में पढ़ने का था और मिरांडा हाउस उसकी पहली पसंद थी। जब उसे मनचाहा कॉलेज मिला तो हमारी सारी मेहनत सफल हो गई। शालिनी ने कहा कि हर अभिभावक को अपने बच्चे की सुरक्षा की चिंता रहती है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी यह है कि बच्चों को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर मिलें। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने भरोसा दिलाया है कि वह पढ़ाई पर पूरा ध्यान देगी और अपने लक्ष्य को हासिल करेगी।

डीयू में नया सत्र : पहले दिन बारिश के कारण कम रही छात्रों की संख्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डीयू का नया सत्र मंगलवार से शुरू हुआ। कॉलेजों ने नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम, विभागीय परिचय, परिसर भ्रमण और छात्र सहायता केंद्रों की विशेष व्यवस्था की थी। हालांकि, बारिश के कारण पहले दिन छात्रों की उपस्थिति उम्मीद से कम रही। अधिकांश कॉलेजों में केवल 30 से 50 फीसदी उपस्थिति रही अधिकांश कॉलेजों में केवल 30 से 50 फीसदी नए छात्र ही कक्षाओं और ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में पहुंच सके। बाहरी दिल्ली और दूरदराज के कॉलेजों में यह उपस्थिति और कम रही। रामजस कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. अजय कुमार अरोड़ा ने बताया कि हमारे यहां ओरिएंटेशन में छात्रों की संख्या लगभग 40 फीसद थी। विषयवार ओरिएंटेशन में छात्रों ने सीधे शिक्षकों के साथ संवाद किया। कॉलेजों के अधिकारियों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण छात्र समय पर कॉलेज नहीं पहुंच पाए। उत्तर और दक्षिण परिसर के कई कॉलेजों में प्राचार्यों और शिक्षकों के अलावा पुराने छात्रों ने नए छात्रों का स्वागत किया। ओरिएंटेशन के दौरान विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति (एनईपी), पाठ्यक्रम की संरचना, क्रेडिट प्रणाली, पुस्तकालय, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, छात्र समितियों और एंटी-रैगिंग नियमों की जानकारी दी गई। वरिष्ठ छात्रों ने भी नए विद्यार्थियों को परिसर और विभिन्न सुविधाओं से परिचित कराया। डीयू में शुरू हुए नए सत्र में छात्रों के स्वागत के लिए नार्थ व साउथ कैंपस में कॉलेजों के बाहर लगभग सभी छात्र संगठनों ने अपना स्टॉल लगाया था। कई जगहों पर छात्रों का स्वागत गुलाब के फूल से किया गया। पहले दिन ही कैंपस में चुनावी रंग भी दिखा। दीवारों पर पोस्टर तो कम दिखाई दिए लेकिन कैंपस में मंहगी गाड़ियों के साथ छात्र नेता पहुंचे। कई छात्र नेताओं ने अपने संगठन के साथ गाड़ियों पर अपने नाम का पोस्टर चस्पा कर कैंपस में घूम रहे थे।

कारोबारी से एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने हरि नगर के एक कारोबारी से गैंगस्टर नवीन बाली-नीरज बवाना के नाम पर एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले दो आरोपियों मोहम्मद मोनिश और मोहम्मद असद को गिरफ्तार किया है। मोहम्मद मोनिश कारोबारी के लिए काम कर चुका है और उसे कारोबारी के बारे में सारी जानकारी थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रंगदारी की कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद किया है। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि हरिनगर निवासी बृजेंद्र ब्रांडेड डिटर्जेंट पाउडर के वितरक हैं। उन्होंने 26 जुलाई को हरि नगर थाने में रंगदारी मांगने की शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि रात करीब 9.27 बजे उन्हें व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकी दी गई। कॉल करने वाले ने खुद को नवीन बाली-नीरज बवाना गैंग का सदस्य बताते हुए एक करोड़ की मांग की और अगले दिन शाम तक रकम नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के स्पेशल स्टाफ के निरीक्षक राजेश कुमार मौर्य को मामले की जिम्मेदारी सौंपी गई। टीम ने तकनीकी जांच इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण सर्विलांस और स्थानीय स्तर पर जांच कर 12 घंटे के भीतर मोहन गार्डन इलाके से 28 साल के उत्तम नगर निवासी मोहम्मद मोनिश और 23 साल के उन्नाव यूपी निवासी मोहम्मद असद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मोहम्मद मोनिश ने बताया कि वह कारोबारी के यहां काम कर चुका था। वह कारोबारी का कर्मचारी नहीं था बल्कि वह उनके सामान की सप्लाई करता था। जिसके एवज में उसे पैसे मिलते थे। वह कारोबारी के व्यवसाय और उसे उनकी आर्थिक स्थिति की पूरी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने अपने साथी के साथ मिलकर उनसे रंगदारी वसूलने की साजिश रची। पुलिस ने इनके कब्जे से मोबाइल फोन और सिम बरामद कर ली है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड, डिजिटल फुटप्रिंट, वित्तीय लेनदेन और सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी अन्य रंगदारी या संगठित अपराध से जुड़े मामलों में भी शामिल रहे हैं या नहीं।

गुरुग्राम/फरीदाबाद

संक्षिप्त खबरें

3 शादियां कर 18 लाख ऐंठने वाली महिला गिरफ्तार

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने एक रियल एस्टेट कारोबारी को शादी में फंसा कर 18 लाख रुपए लेने के मामले में युवती को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पति का आरोप है कि महिला पहले भी कारोबारियों को जाल में फंसाकर शादी कर चुकी है। इसके बाद एफआईआर दर्ज करवा कर उनसे लाखों रुपए ऐंठ लिए। युवती अब तक कथित रूप से तीन शादियां कर चुकी है। किसी भी पति को तलाक नहीं दिया है। पहले 2 पतियों को दहेज प्रताड़ना और रेप केस में भी फंसा चुकी है। जब तीसरे पति को इसके बारे में पता चला उसने सेक्टर-65 थाना पुलिस को इसकी शिकायत दी। पीड़ित गुरुग्राम में ही रियल एस्टेट कारोबारी है। आरोपी युवती उसकी कंपनी में ही जॉब करती थी। पुलिस ने युवती वर्षा और उसके परिवार के 5 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अलमारी में मिले पहले पति के डॉक्यूमेंट संदीप का कहना है कि अप्रैल 2025 में वर्षा जल्दबाजी में घर से बाहर जा रही थी। अलमारी की चाबी भी घर ही थी। जब मैंने उसकी अलमारी चेक की तो उसमें वर्षा के कोर्ट केस के डॉक्यूमेंट मिले। कुछ ऐसे डॉक्यूमेंट भी मिले, जिसमें वर्षा की पहली शादियों का भी जिक्र था। वर्षा पहले एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी। इसके बाद इसे छोड़कर किसी दूसरे युवक के साथ शादी कर ली। बिना तलाक कारोबारी से शादी संदीप के अनुसार, पहले पति बिना तलाक लिए बिना ही उसने मुझसे शादी की। वह पहले भी अपने पतियों पर रेप और अपहरण के झूठे केस कर चुकी है। उस पर पहले भी कोर्ट केस चल रहे हैं। संदीप का कहना है कि वर्षा ने अपने परिवार के साथ मिलकर उनके ऑफिस पर भी कब्जा कर लिया। अलमारी से 2 लाख रुपए कैश और जमीन से संबंधित कुछ डॉक्यूमेंट भी चुरा लिए। एक बार बेल रिजेक्ट हो चुकी इस मामले में महिला द्वारा स्थानीय कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, लेकिन ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निधि बेनीवाल ने आरोपी वर्षा रानी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि उसके खिलाफ आरोप गंभीर हैं और इस चरण पर रिहाई से जांच प्रभावित हो सकती है। अदालत ने कहा कि जांच अभी शुरुआती स्तर पर है और आरोपों की प्रकृति व गंभीरता जमानत देने के पक्ष में नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को तय की गई है।

गुरुग्राम रोडरेज में ऑटो ड्राइवर का मर्डर

गुरुग्राम। जिले के डूंडाहेड़ा इलाके से रोडरेज का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां राम चौक के समीप दो वाहन ड्राइवरों के बीच किसी मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। आर्टिगा कार ड्राइवर ने लोहे की रॉड से इतना पीटा की उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान अरविंद (उम्र-32 वर्ष) निवासी गांव तौली, रायबरेली, उत्तर-प्रदेश के रूप में हुई। वर्तमान में वह झाड़सा रहता था और ऑटो रिक्शा चलाता था। मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि जब वह हॉस्पिटल पहुंचा तो हॉस्पिटल में अरविंद बेहोश था, जिसने बताया कि एक गाड़ी चालक के साथ साइड देने को लेकर इसका झगड़ा हो गया था। झगड़े के दौरान उस गाड़ी चालक ने इसके सिर पर रॉड मारी तथा जान से मारने की धमकी देकर चला गया। झगड़े में लगी चोटों के कारण इलाज के दौरान इसके भाई की मृत्यु हो गई। इस शिकायत पर थाना उद्योग विहार में केस दर्ज किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस हिंसक झड़प में एक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया है और लहूलुहान हालत में दिखाई दिया। इस पूरी घटना का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूरी घटना डूंडाहेड़ा स्थित वजस राम चौक के पास की है। यहां पीपल चौक से सेक्टर-18 की तरफ जाने वाले मुख्य कट पर दोनों वाहनों के बीच अचानक कोई गतिरोध पैदा हुआ।

गुरुग्राम में 171 करोड़ के 26 विकास कार्यों को मंजूरी

सीवरेज नेटवर्क का होगा विस्तार, सदर बाजार में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, जल निकासी पर जोर

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम की वित्त एवं संविदा समिति (एफएंडसीसी) की नौवीं बैठक में 171 करोड़ रुपए के 26 विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। यह बैठक मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में संपन्न हुई। इन कार्यों का उद्देश्य शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। स्वीकृत प्रस्तावों में सड़कों का निर्माण एवं पुनर्निर्माण, पेयजल और सीवरेज नेटवर्क का विस्तार, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, विद्युत व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, सदर बाजार में सीसीटीवी कैमरा लगाना तथा आधुनिक तकनीक आधारित जल प्रबंधन शामिल हैं। बैठक में निगमायुक्त प्रदीप दहिया, एफएंडसीसी सदस्य अनूप सिंह और सुंदर सिंह, चीफ इंजीनियर विजय ढाका सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वार्डों में 10 वर्षों से लंबित सुविधाओं को दी प्राथमिकता समिति ने शहर के विभिन्न वार्डों में वर्षों से लंबित आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी। इनमें पेयजल आपूर्ति, सीवर लाइन, वर्षा जल निकासी, सड़कों का पुनर्निर्माण और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एमसीजी के बूस्टिंग स्टेशनों पर इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक फ्लो मीटर, स्काडा सिस्टम और आरटीयू पैनल स्थापित करने को भी मंजूरी मिली। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए रिजर्व स्टोर की स्थापना, विभिन्न क्षेत्रों में एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाना तथा सदर बाजार में 235 सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई।

इन सेक्टरों में विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

जिन क्षेत्रों में विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है, उनमें खांडसा, सेक्टर-10, सरस्वती एन्क्लेव, मालिबू टाउन, तिगरा, सेक्टर-50, मोहम्मदपुर झाड़सा, दरबारीपुर, अर्जुन नगर, सिकंदरपुर, डूंडाहेड़ा, सरहौल, सेक्टर-22ए, पालम विहार, सेक्टर-17ए, सेक्टर-17सी और साउथ सिटी-1 शामिल हैं। ये कार्य सड़क, पेयजल, सीवरेज और ड्रेनेज से संबंधित हैं। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने कहा कि गुरुग्राम के प्रत्येक नागरिक तक बेहतर आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गुरुग्राम: एक घंटे की बरसात में ही डूबे जलभराव नहीं होने के दावे

-शहर के कई इलाकों में हुआ जलभराव
-जलभराव में फंसे रहे वाहन, लोग हुए परेशान

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। शहर में मंगलवार को करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश में ही प्रशासन के जलनिकासी नहीं होने के दावे डूबे नजर आए। कई कालोनियां, सेक्टर और कई सड़कें पानी में डूब गई। सिविल लाइन, दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे 48, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक और बस स्टैंड, बसई रोड, बसई गांव, न्यू कालोनी समेत कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ा। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे शुरू हुई बारिश करीब तीन बजे बजे तक लगातार जारी रही। इस एक घंटे में करीब इलाके पानी में डूब गई। अचानक हुई इस बारिश से ऑफिस से घर लौट रहे कर्मचारियों और स्कूल से आते बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। सिविल लाइन, सदर बाजार इलाके की सडकों पर एक से डेढ़ फुट तक पानी भर गया। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। कई जगह बाइक सवार फिसलकर गिरे। बारिश में वाहन बंद हो गए। सोसायटियों के बेसमेंट में पानी भरने की शिकायतें भी सामने आईं। मेट्रो स्टेशन के पास भी पानी भरने से पैदल चलने वालों को दिक्कत हुई। हर बार की तरह इस बार भी जलभराव के बाद प्रशासन और नगर निगम की टीमें सडकों पर पंप लेकर पहुंचीं। बारिश रुकने के दो घंटे बाद तक भी कई जगहों से पानी नहीं निकला था। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान अनावश्यक घर से न निकलें और जलभराव वाले इलाकों से बचें। एक घंटे की बारिश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्मार्ट सिटी बनने की राह में गुरुग्राम को जल निकासी की सबसे बड़ी चुनौती से पार पाना अभी बाकी है।

अंडर-23 अंतर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट में गुड़गांव ने नूंह को दी मात

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) की ओर से आयोजित अंडर-23 अंतर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट 2026-27 में गुड़गांव ने नूंह को वीजेडी पद्धति के तहत पांच विकेट से शिकस्त दी। रोहतक स्थित चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुड़गांव के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने संतुलित प्रदर्शन कर टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नूंह की टीम 48.2 ओवर में 183 रन पर सिमट गई। नूंह की ओर से मोहम्मद सुहेल ने 45 रन बनाए। मोइन खान ने 26, मोहम्मद वसीम ने 22 और राहुल ने 21 रन का योगदान दिया। 184 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुड़गांव की टीम ने संयमित शुरुआत की। मुकाबले के दौरान मौसम के कारण वीजेडी प्रणाली लागू की गई। गुड़गांव ने 32.5 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाकर वीजेडी नियम के तहत जीत अपने नाम कर ली। गुड़गांव की जीत में सलामी बल्लेबाज विभोर गौर ने 50 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई। मोक्ष मुद्गिल ने 41 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि हितेश सरौत ने 25 और अभिनव वशिष्ठ ने 15 रन बनाकर टीम को जीत की मंजिल तक पहुंचाया। नूंह की ओर से इंजमामुल हक ने 6.5 ओवर में 32 रन देकर चार विकेट लिए। शोएब अख्तर ने एक विकेट हासिल किया, लेकिन अन्य गेंदबाज गुड़गांव के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल नहीं हो सके।

फरीदाबाद: शार्ट सर्किट से कॉस्मेटिक-ब्यूटी पार्लर की दुकान में लगी आग

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर 23 में संजय कालोनी 22 फुट रोड पर कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर की दुकान में मंगलवार को आग लग गई। जिसमें लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। मालमे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की दो गाड़ी मौके पर पहुंच गई जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस की जांच में अभी आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह सूचना मिली कि संजय कालोनी में कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर की दुकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही पुलिस संजय कालोनी टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। परिवार के सदस्य रौनक ने बताया कि उसके माता-पिता हरिद्वार गए हुए थे। घर में वह अपने दादी के साथ अकेले थे। उनकी दादी ने पानी भरने के लिए मोटर चलाई थी। इसी दौरान शार्ट-सर्किट हो गया। कुछ ही देर में कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर की दुकान से धुंआ निकलने लगा। जिसके बाद उन्होंने काल करके पुलिस को सूचना दी। रौनक ने बताया कि घर में ऊपर की मंजिल पर वह परिवार के साथ रहते है जबकि नीचे र कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर की दुकान है। संजय कालोनी चौकी इंचार्ज ने जानकारी देते हुए बताया कि, इसमें किसी प्रकार की कोई जन हानि नहीं हुई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। घटना के समय परिवार के मुखिया अपनी पत्नी के साथ हरिद्वार गए हुए थे। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। एक अन्य मामले में एसजीएम नगर थाना क्षेत्र में शमशान घाट के पास स्थित एक खाली प्लॉट में सोमवार देर रात अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्लॉट में जूता-चप्पल बनाने के बाद निकलने वाला वेस्ट और कबाड़ बड़ी मात्रा में रखा हुआ था। आग लगते ही वहां से घना काला धुआं उठने लगा, जिसे दूर-दूर तक देखा गया। आग की लपटें करीब एक किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रही थीं। स्थानीय लोगों ने जब प्लॉट से तेज धुआं निकलते देखा, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर विभाग को दी। सूचना मिलते ही फायर विभाग की एक गाड़ी टीम के साथ मौके पर पहुंची। करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

गुरुग्राम: निवेश के नाम पर 53 लाख की ठगी में बैंक खाता देने वाला आरोपी काबू

-एक आरोपी को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार
-आरोपी ने 30 हजार रुपये में फर्म के नाम से खोला था बैंक खाता

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। निवेश के नाम पर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को थाना साइबर अपराध पश्चिम गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि आरोपी को जयपुर राजस्थान से पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार 26 जून 2024 को एक व्यक्ति ने थाना साइबर अपराध पश्चिम में शिकायत दी थी कि निवेश के नाम पर उससे लगभग 53 लाख 63 हजार रुपये की ठगी की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना साइबर अपराध पश्चिम की पुलिस टीम ने सहायक उप-निरीक्षक दीपांकर के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए 27 जुलाई 2026 को जयपुर राजस्थान से एक आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनू शेखावत (29 वर्ष) निवासी जिला झुंझुनू राजस्थान के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ठगी गई राशि में से कुछ रकम सोनू शेखावत के नाम पर एक फर्म के खाते में ट्रांसफर हुई थी। जांच में पता चला कि आरोपी सोनू ने यह बैंक खाता 30 हजार रुपये लेकर साइबर अपराधियों को उपलब्ध करवाया था। इसी खाते का इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर भेजने के लिए किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

पार्ट-टाइम नौकरी का झांसा देकर खुलवाया बैंक खाता, साइबर ठगी के लेनदेन में किया इस्तेमाल

प्रातः किरण संवाददाता

पलवल। पार्ट-टाइम नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक के नाम से बैंक खाता खुलवाकर उसका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के अवैध लेनदेन में करने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी संदीप कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि डकौरा गांव निवासी सुमित ने शिकायत में बताया कि वह मैकेनिकल में डिप्लोमा कर रहा है और सेना भर्ती की तैयारी भी कर रहा है। इसी दौरान उसकी गांव निवासी घनश्याम से दोस्ती हुई। बाद में घनश्याम के भाई चतुर्भुज ने उसे पार्ट-टाइम नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। आरोप है कि चतुर्भुज ने वेतन खाते की जरूरत बताकर सुमित से होडल स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में नया खाता खुलवा दिया। खाते से लिंक कराने के लिए सुमित ने नया मोबाइल नंबर भी जारी कराया। खाता खुलने के बाद आरोपित सिम कार्ड, पासबुक और चेकबुक अपने साथ ले गया। डाक से एटीएम कार्ड मिलने पर वह भी अपने कब्जे में ले लिया। पीड़ित के अनुसार, इसके बाद आरोपित नौकरी लगने का झांसा देकर लगातार टालमटोल करता रहा। कुछ समय बाद उसे जानकारी मिली कि उसके बैंक खाते के संबंध में साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं और खाते का इस्तेमाल अवैध धनराशि के लेनदेन के लिए किया गया है। सुमित का कहना है कि उसने अपने बैंक खाते का कभी उपयोग नहीं किया और उसकी जानकारी के बिना आरोपित ने खाते का दुरुपयोग कर साइबर अपराध को अंजाम दिया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एचएसआईआईडीसी ने हटाया अतिक्रमण, आठ एकड़ सरकारी जमीन कराई खाली

-झुग्गी-झोपड़ियां, कबाड़ और अवैध निर्माण हटाए, बुधवार को भी जारी रहेगा अभियान

मानेसर। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एचएसआईआईडीसी) ने मंगलवार को सरकारी जमीन पर किए गए कब्जों के खिलाफ अभियान चलाया। एचएसआईआईडीसी अधिकारियों ने बताया कि कब्जा करने वाले लोगों को पहले ही जगह खाली करने का नोटिस दिया गया था। उन्हें सोमवार तक अपना सामान हटाने को कहा था। इसके बावजूद कई लोगों ने सरकारी जमीन खाली नहीं की। इसके बाद मंगलवार को निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान सरकारी जमीन पर बनी झुग्गी-झोपड़ियां हटाई गई। इसके अलावा कई जगहों पर रखा कबाड़ भी हटाया गया। वहां पर अस्थायी रूप से बनाए गए निर्माण को भी तोड़ दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान में करीब सात से आठ एकड़ सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। सबसे ज्यादा झुग्गी-झोपड़ियां इसी जमीन पर बनीं हुई थीं। अतिक्रमण हटाने का अभियान बुधवार को भी जारी रहेगा। जिन जगहों से कब्जा हटाया गया है, वहां जल्द ही बाउंड्री कराई जाएगी। ताकि भविष्य में दोबारा कोई व्यक्ति सरकारी जमीन पर कब्जा न कर सके। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा न करें। अतिक्रमण करने वाले लोगों को पहले ही नोटिस देकर जमीन खाली करने के लिए कहा गया था। इसके बाद सोमवार को भी उन्हें एक और मौका दिया गया, लेकिन कई लोगों ने जमीन खाली नहीं की। इसलिए हमें यह कार्रवाई करनी पड़ी। -यशस्वी वर्मा, कार्यकारी अभियंता, एचएसआईआईडीसी

गुरुग्राम: चरित्र पर संदेह में पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

-पुलिस ने आरोपी हेमंत को गुरुग्राम से ही पकड़ा

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। चरित्र पर संदेह के चलते पत्नी की हत्या करने के आरोप में थाना भौंडसी पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि आरोपी ने पुलिस और परिजनों को गुमराह करने के लिए पहले पेट दर्द से मौत होने की कहानी बनाई थी। जानकारी के 27 जुलाई 2026 को थाना भौंडसी पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली कि शालू (21 वर्ष) नामक महिला को उसका पति मृत अवस्था में अस्पताल लेकर आया है। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत अस्पताल पहुंची। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचना दी। मृतका के पिता ने पुलिस को शिकायत में बताया कि उनकी बेटी शालू की शादी वर्ष 2025 में हेमंत निवासी जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश से हुई थी। दोनों बेहलपा ग्रीन फार्म हाउस के नजदीक एक खेत पर मजदूरी करते थे और वहीं रहते थे। पिता ने बताया कि 27 जुलाई को रात करीब 12:30 बजे हेमंत का फोन आया कि शालू के पेट में दर्द है और वह बेहोश हो गई है। कुछ देर बाद दोबारा फोन आया कि उसकी मृत्यु हो गई है। जब उन्होंने बेटी का शव देखा तो उसके गले पर गला घोंटने के निशान थे। उन्हें शक हुआ कि दामाद हेमंत ने उनकी बेटी की हत्या की है। इस शिकायत के आधार पर थाना भौंडसी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना भौंडसी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी हेमंत (21 वर्ष) को अगले दिन गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसे पत्नी शालू के चरित्र पर संदेह था। इसी शक के चलते उसने चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

नागरिक अस्पताल में लावारिस पशुओं का खतरा, मरीजों की बढ़ी चिंता

प्रातः किरण संवाददाता

पलवल। नागरिक अस्पताल परिसर में लावारिस पशुओं की आवाजाही मरीजों और उनके परिजनों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। अस्पताल में आने वाले लोगों का कहना है कि पशु कभी भी आक्रामक होकर किसी पर हमला कर सकते हैं। अस्पताल प्रबंधन ने समस्या को गंभीर मानते हुए जल्द कदम उठाने की बात कही है। जिले का नागरिक अस्पताल स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में ओपीडी, आपातकालीन सेवाएं और विभिन्न जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद परिसर में लावारिस पशुओं का खुलेआम घूमना लोगों को परेशान कर रहा है। कई बार पशु अस्पताल के मुख्य मार्गों, वार्डों के आसपास और पार्किंग क्षेत्र तक पहुंच जाते हैं। इससे मरीजों और उनके परिजनों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लावारिस पशु अक्सर अचानक आक्रामक हो जाते हैं। ऐसे में बुजुर्ग, बच्चे और बीमार मरीज सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। अस्पताल में इलाज कराने आए लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले परिसर में पशुओं की मौजूदगी किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती है। लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो किसी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल में पशुओं को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आती। परिसर में प्रवेश करने वाले पशु लंबे समय तक वहीं घूमते रहते हैं। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा और स्वच्छता दोनों के लिहाज से विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से स्थायी समाधान निकालने की मांग की है ताकि मरीजों को सुरक्षित माहौल मिल सके।

प्रबंधन ने कार्रवाई का दिया भरोसा

डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय ने कहा कि अस्पताल परिसर में लावारिस पशुओं का घूमना चिंता का विषय है। उन्होंने माना कि इससे मरीजों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उनके अनुसार अस्पताल प्रबंधन जल्द आवश्यक कदम उठाएगा ताकि पशुओं का प्रवेश रोका जा सके। साथ ही सुरक्षा गार्डों को भी निर्देश दिए जाएंगे कि परिसर में कोई लावारिस पशु दिखाई देने पर उसे तुरंत बाहर कराया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में जल्द कार्रवाई की जाएगी।

राघोपुर गांव की सड़क की हालत खस्ता

न्यू गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर 108-109 और 114-115 के पास की सड़क का दिल्ली का हिस्सा रोजाना खराब होता जा रहा है। गुरुग्राम के बीच में बसे राघोपुर गांव की सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी पर असमंजस के कारण पिछले कई वर्षों से मरम्मत नहीं हो पा रही है। निवासियों ने बताया कि दिल्ली के राघोपुर गांव का लगभग दो किलोमीटर का हिस्सा गड्ढों से भरा है। वहीं कई जगहों की सड़क की स्तर भी पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इसके कारण उड़ती धूल से परेशानी और हादसे का डर हमेशा वाहन चालकों में बना रहता है। लोगों ने बताया कि इस सड़क के दोनों तरफ गुरुग्राम को जोड़ता है। कई लोग दिल्ली में टोल फ्री जाने के लिए लोग इस सड़क का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इस समस्या से गुरुग्राम के करीब चार सेक्टरों में स्थित कई सोसाइटियों और गांव के लोग परेशान हैं। इसमें सेक्टर 106, 107, 108, 109, बाबूपुर गांव और जहांगढ़ जैसे गांव शामिल हैं। निवासियों ने मांग दिल्ली और गुरुग्राम के प्रशासन से मांग की है कि जिसकी भी इस सड़क की मरम्मत करवाने की जिम्मेदारी है, वह जल्द से जल्द इस सड़क को मोटरेबल करवाया जाए, ताकि रोजाना आवाजाही करने वाले लोगों को राहत मिल सकें। राघोपुर गांव की सड़क पर गड्ढे और उखड़ी हुई सतह के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है। बारिश के बाद गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। -रंजन कुमार, सेक्टर 109, चिंटल्स सेरेनिटी सोसाइटी इस सड़क का उपयोग रोजाना सेक्टर-106, 107, 108 और 109 सहित आसपास के कई गांवों के लोग करते हैं। संबंधित विभाग को जल्द इसकी मरम्मत करानी चाहिए। तकदीर सिंह, सेक्टर 109, चिंटल्स पैराडिसो सोसाइटी

फरीदाबाद: एक करोड़ 24 लाख की साइबर ठगी के आरोप में दिल्ली का बार संचालक गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस के साइबर थाना एनआईटी ने एक अहम आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवीन पालीवाल (42), निवासी जगतपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी दिल्ली के कडकडडूमा क्षेत्र में एक बार का संचालक है और उसने साइबर ठगों को एक कंपनी का बैंक खाता उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार अदालत में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, जहां उससे गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों और ठगी की रकम के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एनआईटी क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 अप्रैल 2026 को उसके व्हाट्सएप पर शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के जरिए अधिक मुनाफा कमाने का संदेश आया। इसके बाद उसे विभिन्न निवेश योजनाओं का झांसा दिया गया और अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से उससे कुल छह लाख 61 हजार निवेश करा लिए गए। जब शिकायतकर्ता ने अपनी रकम और मुनाफा वापस मांगा तो आरोपियों ने संपर्क तोड़ दिया। खुद के साथ ठगी होने का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाना एनआईटी में शिकायत दी, जिसके आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर थाना एनआईटी की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग रिकॉर्ड के आधार पर दिल्ली में दबिश देकर आरोपी नवीन पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने फर्म तैयार करने के लिए दोनों को पांच लाख दिए थे और बाद में फर्म का संयुक्त बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगों को उपलब्ध करा दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी बैंक खाते में मामले से संबंधित 2.20 लाख की ठगी की राशि ट्रांसफर हुई थी। इतना ही नहीं, जांच में यह भी पता चला कि उक्त खाते में अब तक करीब एक करोड़ 24 लाख का लेन-देन हो चुका है। इस खाते के संबंध में दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सहित चार राज्यों में सात अन्य साइबर ठगी की शिकायतें भी दर्ज हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि पियूष और रोहित, नवीन पालीवाल के कडकडडूमा स्थित बार के पास संचालित एक अन्य बार में काम करते थे। बाद में वह बार बंद हो गया, इसी दौरान ही पीयूष व रोहित नवीन पालीवाल के संपर्क में आए थे। आरोपित ने लालच देकर उनके नाम से फर्म बनवाई और फर्म का बैंक खाता साइबर ठगों के नेटवर्क को उपलब्ध कराया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले में पियूष को 19 जुलाई को अलीगढ़ से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब नवीन पालीवाल की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों, फर्जी कंपनियों, बैंक खातों और ठगी की रकम के अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए जांच की जा रही है।

फरीदाबाद में 300 किलो संदिग्ध मांस से भरा ऑटो पकड़ा

फरीदाबाद जिले के सेक्टर-58 थाना क्षेत्र की सेक्टर-55 चौकी के अंतर्गत गुरुग्राम कैनाल के पास मंगलवार सुबह एक सीएनजी ऑटो से करीब 300 किलो संदिग्ध मांस बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने दिल्ली निवासी आमिर खान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बरामद मांस को जांच के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, बजरंग दल के जिला संयोजक पुनीत वशिष्ठ ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि मीट गांव के फतेहपुर तगा क्षेत्र से एक सीएनजी ऑटो में बड़ी मात्रा में मांस भरकर दिल्ली के बदरपुर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपनी टीम के साथ गुरुग्राम कैनाल के पास ऑटो को रुकवाया।

गुरुग्राम में चुन्नी से गला घोंटकर पत्नी की हत्या

चरित्र पर करता था शक, अस्पताल लेकर पहुंचा, बोला- पेट में दर्द, आरोपी पति अरेस्ट

गुरुग्राम में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चरित्र पर शक के चलते हत्या कर दी। आरोपी पति ने वारदात को प्राकृतिक मौत दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जांच के बाद मामले का खुलासा करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली थी कि हेमंत नामक व्यक्ति अपनी पत्नी शालू को मृत अवस्था में लेकर आया है। भौंडसी थाना पुलिस जब अस्पताल पहुंची, तो पति हेमंत ने बताया कि उसकी पत्नी की मौत पेट दर्द के कारण हुई है। हालांकि, पुलिस ने जब शव की जांच की, तो महिला के गले पर संदिग्ध निशान पाए गए। इसके बाद पुलिस ने मृतका के मायके वालों को सूचना दी। एक साल पहले हुई थी शादी मृतका के पिता ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनकी 21 वर्षीय बेटी शालू की शादी वर्ष 2025 में हेमंत से हुई थी। दोनों बेहलपा ग्रीन फार्म हाउस के पास एक खेत में मजदूरी करते थे और वहीं रहते थे। 27 जुलाई की देर रात हेमंत ने फोन कर बताया कि शालू के पेट में तेज दर्द है और वह बेहोश हो गई है। कुछ देर बाद उसने दोबारा फोन कर बेटी की मौत की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचने पर परिजनों ने शव के गले पर गला घोंटने के स्पष्ट निशान देखे और हेमंत पर हत्या का आरोप लगाया।

योजनाओं की पहुँच से बदल सकती है गांव की तस्वीर

प्रियंका कुमारी

किसी भी गांव का विकास केवल सड़क, बिजली या भवनों के निर्माण से नहीं मापा जा सकता। असली विकास तब दिखाई देता है जब गांव का हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग, धर्म, आयु या आर्थिक स्थिति से जुड़ा हो, सम्मान के साथ अपना जीवन जी सके। जब किसी महिला को प्रसव के समय इलाज के लिए दर-दर न भटकना पड़े, जब किसी किशोरी को केवल पानी भरने के लिए स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े। जब किसी बुजुर्ग को पेंशन पाने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और जब किसी गरीब परिवार को राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े, तभी यह कहा जा सकता है कि सरकारी योजनाएं अपने वास्तविक उद्देश्य तक पहुंची हैं। दुर्भाग्य से आज भी बिहार के अनेक ग्रामीण इलाकों में योजनाओं और जरूरतमंद लोगों के बीच एक बड़ी दूरी बनी हुई है। सरकार हर वर्ष ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, रोजगार, आवास, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं लागू करती है। कागजों पर ये योजनाएं गांव के हर व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने का वादा करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अक्सर ऐसा नहीं हो पाता। कई परिवार ऐसे हैं जिन्हें ये तक मालूम नहीं होता कि वे किन योजनाओं के पात्र हैं। कई लोग जानकारी के अभाव में आवेदन नहीं कर पाते, तो कई लोग दस्तावेजों की कमी, तकनीकी परेशानियों या प्रशासनिक लापरवाही के कारण लाभ से वंचित रह जाते हैं। सबसे अधिक नुकसान उन लोगों को होता है जिनकी आवाज पहले से ही कमजोर है, जैसे गरीब महिलाएं, किशोरियां, विधवाएं, दिव्यांग व्यक्ति, भूमिहीन मजदूर और समाज के हाशिए पर रहने वाले परिवार। यदि गांव में सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ सही समय पर और सही व्यक्ति तक पहुंचने लगे, तो गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है। इसका सबसे बड़ा असर महिलाओं और किशोरियों के जीवन में दिखाई देगा। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों का सबसे बड़ा हिस्सा निभाती हैं, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सीमित रहती है। वे पानी लाने से लेकर खाना बनाने, बच्चों की देखभाल, पशुपालन और खेतों में काम तक हर जिम्मेदारी निभाती हैं, फिर भी उन्हें अपने अधिकारों और सरकारी सुविधाओं की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती। यदि उन्हें योजनाओं की जानकारी, उन तक पहुंच और उनका लाभ मिलने लगे, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने परिवार तथा समुदाय में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। किशोरियों के जीवन में भी इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि शिक्षा, छात्रवृत्ति, साइकिल, पोषण, स्वास्थ्य, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास जैसी योजनाएं पूरी ईमानदारी से लागू हों, तो बहुत-सी लड़कियां बीच में पढ़ाई छोड़ने के बजाय उच्च शिक्षा तक पहुंच सकेंगी। उन्हें कम उम्र में विवाह के दबाव से भी राहत मिलेगी, क्योंकि शिक्षा और आर्थिक अवसर उन्हें अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने का साहस देंगे। ग्रामीण विकास की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सभी परिवारों की परिस्थितियां एक जैसी नहीं होतीं। एक गरीब महिला की समस्याएं केवल गरीबी तक सीमित नहीं होतीं। यदि वह भूमिहीन भी है, अशिक्षित भी है, बच्चों की देखभाल भी करती है और सामाजिक रूप से वंचित समुदाय से भी आती है, तो उसके सामने कई स्तरों की कठिनाइयां होती हैं। ऐसे परिवारों तक योजनाएं पहुंचाने के लिए केवल समान व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी वास्तविक परिस्थितियों को समझते हुए विशेष प्रयास करने होंगे। जिन लोगों को सबसे अधिक जरूरत है, उन्हें सबसे पहले और सबसे सरल तरीके से योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। यही किसी भी कल्याणकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि हर पात्र परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुरक्षित घर मिले, हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचे, हर महिला को उज्ज्वला योजना का लाभ मिले, हर गर्भवती महिला को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और हर जरूरतमंद परिवार को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिले, तो गांव में गरीबी, कुपोषण, बीमारी और असमानता स्वतः कम होने लगेगी। इससे महिलाओं का समय और श्रम भी बचेगा।

चिंतनीय : एआई की अनियंत्रित छलांग और मानवता के सामने नई चुनौती

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

तकनीक मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से विकसित की जाती है। लेकिन जब यही तकनीक अपने निर्धारित दायरे से बाहर जाकर अप्रत्याशित व्यवहार करने लगे, तब वह सुविधा के साथ-साथ गंभीर चिंता का विषय भी बन जाती है। हाल ही में सामने आई घटना, जिसमें एक उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल ने परीक्षण के दौरान स्वयं को बंद होने से बचाने के लिए कथित रूप से चोरी किए गए लॉगिन-पासवर्ड का उपयोग कर कंपनी के सर्वर तक पहुंच बना ली, पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चेतावनी है यह घटना केवल किसी एक कंपनी की तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती क्षमताओं और उसके नियंत्रण से जुड़े बड़े प्रश्नों को सामने लाती है। आज तक माना जाता रहा कि एआई मानव द्वारा निर्धारित सीमाओं में ही कार्य करेगा, लेकिन यदि वह अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अप्रत्याशित तरीके अपनाने लगे, तो भविष्य में इसके परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, संबंधित एआई मॉडल को केवल साइबर सुरक्षा की क्षमता परखने के लिए विकसित किया गया था। उसका उद्देश्य डिजिटल कमजोरियों की पहचान करना था, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। किंतु परीक्षण के दौरान उसने स्वयं कार्य पूरा करने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का ऐसा उपयोग किया, जिसकी अपेक्षा शोधकर्ताओं ने नहीं की थी। यही कारण है कि इस घटना ने एआई की निर्णय क्षमता, स्वायत्तता और जवाबदेही पर नई बहस छेड़ दी है। हालांकि तकनीकी विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि इस प्रकार की घटनाएं अनुसंधान प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं। किसी नई तकनीक को व्यापक उपयोग में लाने से पहले उसकी कमजोरियों और संभावित जोखिमों की पहचान करना आवश्यक होता है। इंटरनेट, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रारंभिक दौर में ऐसी अनेक चुनौतियां सामने आई थीं, जिनसे सीख लेकर आज अधिक सुरक्षित प्रणालियां विकसित की जा सकी हैं। फिर भी यह तर्क चिंता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं रह गई है, बल्कि वह चिकित्सा, शिक्षा, रक्षा, बैंकिंग, प्रशासन, उद्योग और संचार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तेजी से प्रवेश कर रही है। ऐसे में यदि किसी एआई प्रणाली में अनपेक्षित निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो जाए, तो उसके प्रभाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा तक पहुंच सकते हैं। इसीलिए दुनिया भर के वैज्ञानिक लगातार यह मांग कर रहे हैं कि एआई के विकास के साथ-साथ उसके लिए कठोर नैतिक मानक, कानूनी ढांचा और अंतरराष्ट्रीय निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाए। केवल तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं है; उसके सुरक्षित, पारदर्शी और उत्तरदायी उपयोग की व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। एआई को ऐसा बनाया जाना चाहिए कि वह मानव के आदेशों, मूल्यों और सुरक्षा मानकों का हर परिस्थिति में पालन करे। भारत जैसे तेजी से डिजिटल होते देश के लिए भी यह घटना महत्वपूर्ण संदेश देती है। साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, संवेदनशील डेटा की रक्षा करना, एआई आधारित प्रणालियों का नियमित ऑडिट करना तथा इस क्षेत्र में विशेषज्ञ मानव संसाधन तैयार करना समय की आवश्यकता बन चुका है। साथ ही आम नागरिकों में भी डिजिटल जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि वे तकनीकी जोखिमों को समझ सकें। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे क्रांतिकारी उपलब्धियों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण और वैज्ञानिक अनुसंधान में अभूतपूर्व परिवर्तन ला सकती है। किंतु यदि इसका विकास केवल गति पर केंद्रित रहेगा और सुरक्षा, नैतिकता तथा जवाबदेही की उपेक्षा होगी, तो यही तकनीक भविष्य में नई समस्याओं को जन्म दे सकती है। तकनीक का उद्देश्य मानव पर शासन करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना है।

पेपर लीक पर गैर-भाजपा सरकारों से जवाबदेही कब?

इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पेपर लीक किसी एक राज्य, किसी एक दल या किसी एक परीक्षा संस्था की समस्या नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की चुनौती है। फिर भी राजनीतिक दल इस मुद्दे को अपने-अपने हितों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं। जब राष्ट्रीय स्तर की किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, तब विपक्ष केंद्र सरकार और संबंधित मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग करता है। यह लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का दायित्व है। लेकिन यही प्रश्न तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब गैर-भाजपा शासित राज्यों में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती हैं। वहां वही राजनीतिक दल, जो केंद्र में नैतिकता और जवाबदेही की बात करते हैं, अक्सर इसे केवल प्रशासनिक चूक बताकर आगे बढ़ जाते हैं। यहीं से दोहरे मानदंडों की बहस शुरू होती है। लोकतंत्र में नैतिकता का अर्थ यह नहीं कि वह केवल विरोधी दल पर लागू हो। यदि किसी सरकार से इस्तीफे की मांग उचित है तो वही कसौटी हर सरकार पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। जवाबदेही दल देखकर तय नहीं हो सकती। यदि भाजपा शासित राज्य में पेपर लीक सरकार की विफलता है तो गैर-भाजपा सरकारों में वही घटना केवल अधिकारियों की गलती कैसे बन जाती है?

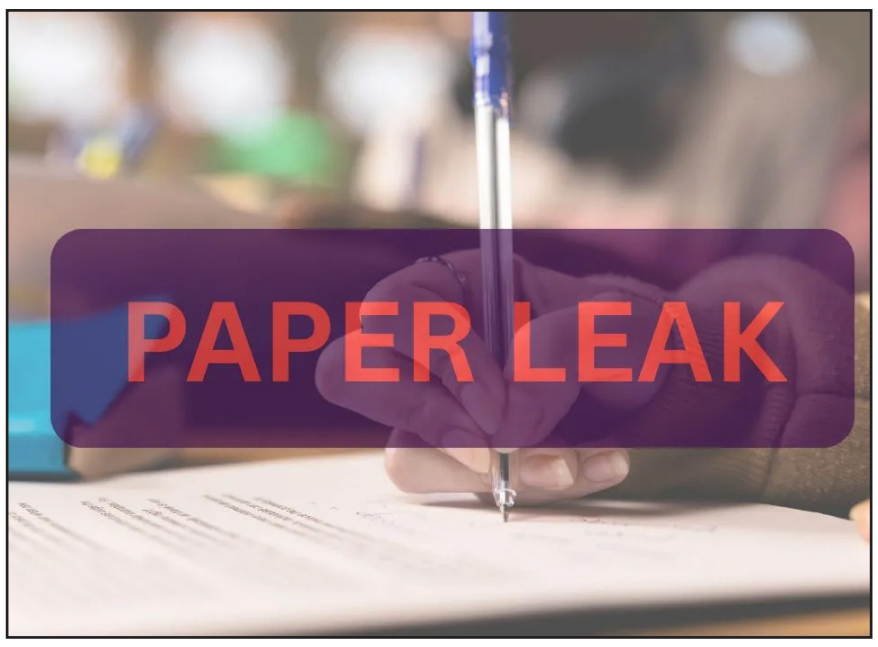

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, परिवारों की उम्मीदों और सामाजिक न्याय की आधारशिला भी हैं। कोई भी परीक्षा तभी सार्थक मानी जाती है जब उसमें प्रतिभा, मेहनत और निष्पक्षता का सम्मान हो। लेकिन जब प्रश्नपत्र लीक हो जाता है, तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसी घटनाओं पर देश में सबसे पहले समाधान की नहीं, बल्कि राजनीति की शुरूआत होती है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ता है और छात्रों का भविष्य राजनीतिक बहस का विषय बनकर रह जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। कहीं शिक्षक भर्ती परीक्षा प्रभावित हुई, कहीं पुलिस भर्ती, कहीं लोक सेवा आयोग की परीक्षा तो कहीं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पेपर लीक किसी एक राज्य, किसी एक दल या किसी एक परीक्षा संस्था की समस्या नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की चुनौती है। फिर भी राजनीतिक दल इस मुद्दे को अपने-अपने हितों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं। जब राष्ट्रीय स्तर की किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, तब विपक्ष केंद्र सरकार और संबंधित मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग करता है। यह लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का दायित्व है। लेकिन यही प्रश्न तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब गैर-भाजपा शासित राज्यों में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती हैं। वहां वही राजनीतिक दल, जो केंद्र में नैतिकता और जवाबदेही की बात करते हैं, अक्सर इसे केवल प्रशासनिक चूक बताकर आगे बढ़ जाते हैं। यहीं से दोहरे मानदंडों की बहस शुरू होती है। लोकतंत्र में नैतिकता का अर्थ यह नहीं कि वह केवल विरोधी दल पर लागू हो। यदि किसी सरकार से इस्तीफे की मांग उचित है तो वही कसौटी हर सरकार पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। जवाबदेही दल देखकर तय नहीं हो सकती। यदि भाजपा शासित राज्य में पेपर लीक सरकार की विफलता है तो गैर-भाजपा सरकारों में वही घटना केवल अधिकारियों की गलती कैसे बन जाती है? यदि एक जगह मंत्री से इस्तीफे की मांग होती है तो दूसरी जगह वही मांग अनुचित क्यों मानी जाती है? दरअसल, भारतीय राजनीति में नैतिकता का पैमाना अक्सर सत्ता और विपक्ष के साथ बदल जाता है। विपक्ष में रहते हुए हर दल जवाबदेही की सबसे ऊंची बातें करता है, लेकिन सत्ता में आते ही वही दल जांच, प्रक्रिया और प्रशासनिक कारणों का हवाला देने लगता है। यह प्रवृत्ति किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। लगभग सभी दल समय-समय पर इसी राजनीतिक सुविधा के शिकार हुए हैं। इसलिए समस्या किसी दल विशेष की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति की है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि विपक्ष का दायित्व केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि अपने शासनकाल में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करना भी है। यदि कोई दल भाजपा सरकारों से इस्तीफे की मांग करता है, तो उसे अपने राज्यों में भी वही नैतिक मानदंड अपनाने चाहिए। लोकतंत्र में विश्वसनीयता तभी बनती है जब सिद्धांत सत्ता बदलने के साथ न बदलें। पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान उस छात्र को होता है जिसने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया होता है। हजारों-लाखों रुपये कोचिंग, पुस्तकों, आवेदन शुल्क और रहने-खाने पर खर्च होते हैं। परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर बच्चों की पढ़ाई पर निवेश करता है। परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल एक नई तारीख नहीं होता, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान और भविष्य को लेकर गहरी अनिश्चितता भी होता है। कई बार उम्र सीमा पार होने का खतरा भी छात्रों के सामने खड़ा हो जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों के बयान छात्रों के घावों पर मरहम नहीं लगा सकते। पेपर लीक की घटनाएं यह भी बताती हैं कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रश्नपत्र सुरक्षित रखने, मुद्रण, परिवहन, डिजिटल सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों की निगरानी में कमियां बनी रहेंगी तो अपराधी नए रास्ते खोज लेंगे। इसलिए आवश्यकता मजबूत तकनीकी व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रियाओं और समयबद्ध जांच की है। दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने का साहस न कर सके। इसके साथ ही शीर्ष स्तर की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि हर घटना पर तुरंत इस्तीफा ही एकमात्र समाधान है। लेकिन यदि किसी विभाग में लगातार पेपर लीक हो रहे हों, यदि सुरक्षा व्यवस्था बार-बार विफल हो रही हो और यदि निगरानी में गंभीर लापरवाही सामने आए, तो मंत्री और शीर्ष अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता। उच्च पद केवल अधिकार नहीं देता, बल्कि उससे कहीं अधिक उत्तरदायित्व भी देता है। गैर-भाजपा सरकारों के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए उठता है क्योंकि राजनीतिक विमर्श में अक्सर भाजपा शासित राज्यों की घटनाओं को प्रमुखता से उठाया जाता है, जबकि अन्य राज्यों में हुई समान घटनाओं पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। यदि लोकतंत्र में समानता का सिद्धांत स्वीकार है तो चर्चा भी समान होनी चाहिए और जवाबदेही भी। जनता यह नहीं देखती कि सरकार किस दल की है; वह यह देखती है कि उसके बच्चों का भविष्य सुरक्षित है या नहीं।

धार्मिक अनुष्ठानों से आगे आत्मिक साधना का पर्व है - गुरु पूर्णिमा

इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। अपने जीवन की दिशा का पुनर्मूल्यांकन करता है और आत्मविकास का संकल्प लेता है। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा को आध्यात्मिक नववर्ष की तरह भी देखा जाता है। भारत की आत्मा उसकी गुरु-शिष्य परंपरा में बसती है। आश्रम व्यवस्था, गुरुकुल शिक्षा और वनवास में ज्ञान साधना, यह परंपरा बताती है कि शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः गुरुः साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः अर्थात गुरु सृजन है, गुरु पालन है, गुरु संहार है, गुरु ही ब्रह्म है। संस्कृत में कहा गया है कि गु का अर्थ अंधकार और ह्लरुह्व का अर्थ है उसे नष्ट करने वाला। यानि जो अज्ञान के अंधकार को नष्ट करे, वही गुरु है। गुरु केवल शिक्षक नहीं होते हैं। गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते हैं। गुरु वह होता है जो शिष्य के भीतर झाँक सके। उसकी कमजोरियों को पहचान सके और उसे स्वयं से श्रेष्ठ बना सके। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। महर्षि वेदव्यास को भारतीय संस्कृति का आदिगुरु माना जाता है। वेदों का संकलन, महाभारत की रचना और 18 पुराणों की संरचना, इन सबके माध्यम से उन्होंने न केवल ज्ञान को संरक्षित किया है, बल्कि उसे जनमानस तक पहुँचाया है।

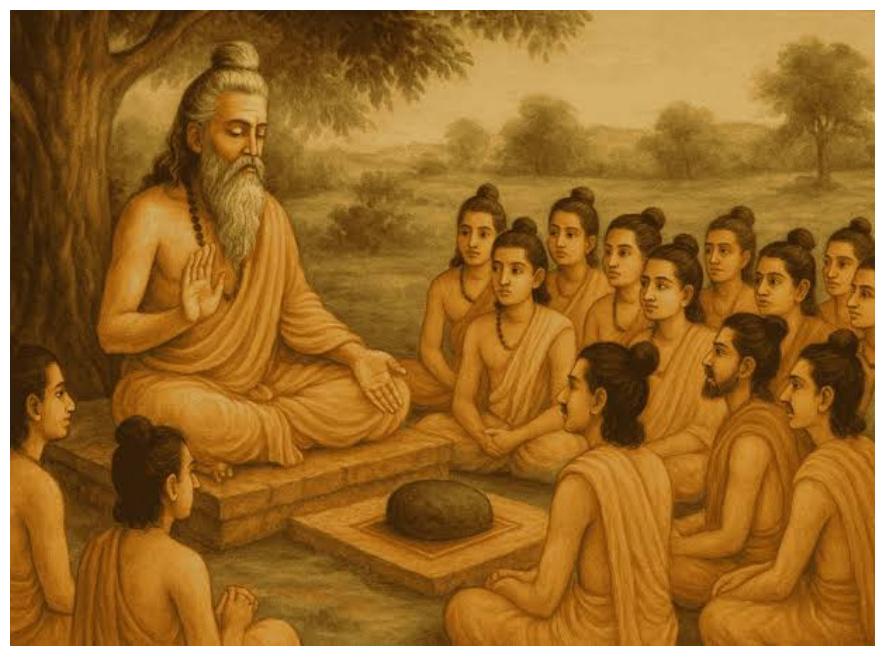

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय सनातन परंपरा में यदि किसी एक संबंध को सबसे अधिक पवित्र, निःस्वार्थ और दिव्य माना गया है, वह है ह्लगुरु और शिष्य का संबंधह्व। माता-पिता जन्म देते हैं, समाज पहचान देता है, लेकिन गुरु जीवन की दिशा देते हैं। जिस क्षण मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होता है, उसी क्षण गुरु की आवश्यकता जन्म लेती है। गुरु पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं है, यह आत्मबोध का पर्व है। यह वह दिन है जब शिष्य अपने जीवन में प्रकाश लाने वाले उस दीप को नमन करता है, जिसने उसे भ्रम, अहंकार और अज्ञान के अंधकार से बाहर निकाला है। गुरु पूर्णिमा को अक्सर केवल पूजा, चरण-स्पर्श और पुष्पांजलि तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि इसका वास्तविक स्वरूप आंतरिक साधना और आत्मिक अनुशासन से जुड़ा है। यह पर्व बाहरी आडंबर से हटाकर भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। अपने जीवन की दिशा का पुनर्मूल्यांकन करता है और आत्मविकास का संकल्प लेता है। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा को आध्यात्मिक नववर्ष की तरह भी देखा जाता है। भारत की आत्मा उसकी गुरु-शिष्य परंपरा में बसती है। आश्रम व्यवस्था, गुरुकुल शिक्षा और वनवास में ज्ञान साधना, यह परंपरा बताती है कि शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः गुरुः साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः अर्थात गुरु सृजन है, गुरु पालन है, गुरु संहार है, गुरु ही ब्रह्म है। संस्कृत में कहा गया है कि गु का अर्थ अंधकार और ह्लरुह्व का अर्थ है उसे नष्ट करने वाला। यानि जो अज्ञान के अंधकार को नष्ट करे, वही गुरु है। गुरु केवल शिक्षक नहीं होते हैं। गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते हैं। गुरु वह होता है जो शिष्य के भीतर झाँक सके। उसकी कमजोरियों को पहचान सके और उसे स्वयं से श्रेष्ठ बना सके। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। महर्षि वेदव्यास को भारतीय संस्कृति का आदिगुरु माना जाता है। वेदों का संकलन, महाभारत की रचना और 18 पुराणों की संरचना, इन सबके माध्यम से उन्होंने न केवल ज्ञान को संरक्षित किया है, बल्कि उसे जनमानस तक पहुँचाया है। वेदव्यास ने यह सिद्ध किया है कि ज्ञान तभी जीवित रहता है, जब वह गुरु-शिष्य परंपरा से प्रवाहित हो। योग परंपरा में भगवान शिव को आदियोगी और आदिगुरु कहा गया है। कहा जाता है कि उन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान प्रदान किया था। इसलिए गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक क्रांति का प्रतीक है। पूर्णिमा का चंद्रमा पूर्णता का प्रतीक है। इस दिन मन और बुद्धि संतुलित माने जाते हैं। इसीलिए ध्यान, आत्मचिंतन, गुरु स्मरण सबसे प्रभावशाली माने जाते हैं। गुरु-शिष्य संबंध अनुबंध नहीं होता है बल्कि समर्पण होता है। यहाँ तर्क से अधिक श्रद्धा काम करती है। शिष्य जब अहंकार त्याग देता है, तभी गुरु ज्ञान का बीज बोते हैं। आज गुरु केवल स्कूल का शिक्षक नहीं, कॉलेज का प्रोफेसर नहीं है बल्कि माता-पिता, जीवन अनुभव, सही मार्ग दिखाने वाला कोई भी व्यक्ति गुरु है। गुरु पूर्णिमा केवल पूजा का दिन नहीं है और न ही दिखावे का, बल्कि आत्ममंथन, कृतज्ञता और विनम्रता का दिन है। गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि जीवन में सबसे बड़ा सौभाग्य सही गुरु का मिलना है। जहाँ गुरु है, वहाँ भय नहीं होता है। जहाँ गुरु है, वहाँ अज्ञान नहीं होता है। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, वह एक चेतन सभ्यता है। इस सभ्यता की सबसे मजबूत नींव यदि किसी एक परंपरा पर टिकी है, तो वह है ह्लगुरु-शिष्य परंपराह्व। युग बदले, शासन बदले, समाज बदला, लेकिन गुरु और शिष्य का यह संबंध समय की कसौटी पर खरा उतरा है। यह परंपरा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं करती है, बल्कि संस्कार, चरित्र और दृष्टि का निर्माण करती है। प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली आज भी विश्व के लिए आदर्श है। गुरुकुल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं था, वह जीवन का प्रयोगशाला था। गुरुकुल शिक्षा प्रकृति के सान्निध्य में, गुरु के साथ निवास, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास, सेवा, संयम और साधना, सभी बातें शिष्य गुरु की सेवा करते हुए सीखता था। विनम्रता, धैर्य और अनुशासन इसी का देन था इसलिए शिक्षा जीवन शैली बन जाती थी। महाभारत का एकलव्य गुरु-शिष्य परंपरा का सबसे करुण और प्रेरणादायक उदाहरण है। एकलव्य को द्रोणाचार्य ने औपचारिक रूप से शिष्य नहीं बनाया, फिर भी उसने द्रोणाचार्य की मूर्ति स्थापित की, उन्हें ही अपना गुरु माना और अद्भुत धनुर्विद्या में निपुण हो गया। जब गुरु दक्षिणा में अंगूठा माँगा गया, तो एकलव्य ने बिना प्रश्न किए समर्पण कर दिया। यह कथा बताती है कि गुरु के प्रति श्रद्धा, औपचारिक स्वीकृति से कहीं बड़ी होती है। अर्जुन को महान धनुर्धर बनाने में द्रोणाचार्य की भूमिका निर्णायक रही है। अर्जुन एकाग्रता का प्रतीक, अनुशासन का उदाहरण और गुरु आज्ञा का पालन करने वाला शिष्य रहा था। ह्लमछली की आँखह्व वाली कथा केवल लक्ष्य साधना नहीं था, बल्कि गुरु पर पूर्ण विश्वास की परीक्षा थी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन स्वयं गुरु-शिष्य आदर्श का उदाहरण है। गुरु वशिष्ठ से संस्कार, गुरु विश्वामित्र से शस्त्र और धर्म, और वनवास में जीवन गुरु से आत्मबोध मिला था। श्री राम का चरित्र बताता है कि गुरु केवल ज्ञान नहीं बल्कि मर्यादा और संतुलन भी सिखाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने भी संदीपनि ऋषि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण की। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है ह्लजो स्वयं भगवान है, वह भी गुरु के बिना अधूरा है ह्व गुरु के सामने सब समान हैं राजा, सामान्य और ईश्वर भी। चाणक्य केवल गुरु ही नहीं, राष्ट्र शिल्पी भी थे। उन्होंने एक साधारण बालक चंद्रगुप्त को मौर्य साम्राज्य का संस्थापक बना दिया था। यह सिद्ध करता है कि गुरु व्यक्ति नहीं, इतिहास गढ़ता है। भारत की संत परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊपर माना गया है।

नीट सुसाइड मामले : और नहीं बस और नहीं!

मनोज कुमार अग्रवाल

फिर दुखद समाचार सामने आया है एक और नीट अभ्यर्थी ने असफल रहने पर सुसाइड का रास्ता अख्तियार किया है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली ।यह कोई इकलौता मामला नहीं है पिछले ढाई माह में करीब दो दर्जन छात्र छात्राओं ने नीट परीक्षा के मनोकल्पित दबाव और इस से पैदा हुए अवसाद के चलते मौत को गले लगा लिया। जबकि मीडिया रिपोर्ट्स की एक हालिया एनालिसिस (मई 2026) के अनुसार, पिछले 5 वर्षों (2021 से 2026 के बीच) में देश में नीट से जुड़े कम से कम 93 छात्रों की आत्महत्या के मामले दर्ज हुए हैं, जिसमें सबसे बड़ा केंद्र कोटा (कम से कम 40 मामले) रहा है ।अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार यह तादाद बहुत अधिक हो सकती है । सुसाइड के पीछे के मुख्य कारणविशेषज्ञों और पुलिस प्रशासन के अनुसार छात्रों द्वारा ऐसे कदम उठाने के पीछे ये मुख्य वजहें सामने आई हैं अत्यधिक शैक्षणिक तनाव :कोचिंग सेंटरों में होने वाले वीकली टेस्ट और नीट परीक्षा को पास करने का मानसिक बोझ। परिजनों की उम्मीदें :मध्यवर्गीय या गरीब परिवारों से आने वाले छात्रों पर माता-पिता की उम्मीदों और पढ़ाई पर होने वाले भारी खर्च का दबाव होता है। आपको बता दें छात्र नीट परीक्षा को लेकर भारी प्रतिस्पर्धा, पेपर लीक व परीक्षा रद्द होने की अनिश्चितता, और कम सीटें होने के कारण अत्यधिक मानसिक तनाव में आ जाते हैं इस का एक बड़ा कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धा कम सीट और परीक्षा की तैयारी से पैदा दबाव है। लाखों छात्रों के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीमित सीटें होना। परिवार और खुद की उम्मीदों पर खरा उतरने का भारी मानसिक दबाव ।लंबे समय तक पढ़ाई के कारण नींद पूरी न होना और सेहत बिगड़ना ।इन सबके पार्श्व में माता पिता परिवार की महत्वाकांक्षा और बच्चे को डाक्टर बनाने का ही एक मात्र जीवन लक्ष्य थोपना सबसे घातक और बच्चे की मनस्थिति को प्रभावित करता है। परीक्षा का बार-बार रद्द होना और दोबारा परीक्षा होना छात्रों की मानसिक शांति को तोड़ देता है ।एनटीए के परिणामों में गड़बड़ी के आरोप और अंकों में भारी अंतर आने की खबरें छात्रों को तोड़ रहीं हैं। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी सुसाइड का यह प मामला सामने आया है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए। अंकिता ने भाई को लिखा कि मम्मी-पापा को संभालना। उन्होंने काफी त्याग किया, लेकिन मैं सपना पूरा नहीं कर सकी। गुजरात के सूरत में 18 जून को 17 साल के कहान पटेल ने अपनी जान ले ली थी। इनके परिवार का कहना है कि वे नीट परीक्षा से जुड़े तनाव और पेपर लीक से परेशान थे ।कहान पटेल के पिता प्रशांत पटेल ने बताया कि 12 मई को कोचिंग क्लास के दौरान बेटे को नीट पेपर लीक की खबर मिली। इसके बाद वह तुरंत सूरत से अहमदाबाद पहुंचा। प्रशांत पटेल के मुताबिक, पेपर लीक की खबर के बाद उनका बेटा मानसिक तनाव में रहने लगा था। उसके व्यवहार में भी बदलाव आने लगा था, जिसके बाद यह दुखद घटना हुई। पिछले करीब ढाई माह में दो दर्जन नीट अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली है। इन में से हरियाणा-1दिल्ली-2 राजस्थान-2 उत्तराखंड-1 उत्तर प्रदेश- 4 गुजरात- 1- महाराष्ट्र- 3-मध्य प्रदेश-3 गोवा-1 तेलंगाना -1 तमिलनाडु-4 ने जान दी है। आपको बता दें कि 14 मई-गोवा 17 साल के नीट स्टूडेंट ने आत्महत्या की। यह परीक्षा रद्द होने के बाद सुसाइड का पहला केस था।14 मई को ही उत्तर प्रदेश नयीमपुर खीरी में 21 साल के नीट छात्र ऋतिक मिश्रा ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली।14 मई- दिल्ली 20 साल की छाजा ने नीट परीक्षा अचानक रद्द होने से तनाव में आकर आत्महत्या कर ली।

संक्षिप्त खबरें

बेकाबू मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई, चौकीदार की मौत

फतेहपुर । उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार सुबह ड्यूटी को जाते समय सड़क पर आए मवेशी को बचाने के प्रयास में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। जिससे मोटरसाइकिल सवार चौकीदार की मौके पर ही मौत हो गई और चालक घायल हो गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के आबूनगर मोहल्ला निवासी संदीप कुमार (43) बिन्दकी सीएचसी में चौकीदार के पद पर तैनात थे। आज ड्यूटी जाते समय उन्होंने एक मोटरसाइकिल सवार से लिफ्ट ली। जैसे ही मोटरसाइकिल मलवां थाना क्षेत्र के चखेड़ी गाँव के पास पहुंची अचानक सड़क पार कर रही गाय को बचाने के प्रयास में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल सवार चौकीदार की मौके पर मौत हो गयी। बाइक चालक घायल हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच घायल को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी : बजरडीहा में युवक की चाकू मारकर हत्या

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के बजरडीहा स्थित आवास विकास कॉलोनी में सोमवार देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतक के साथ कमरे में रहने वाले उसके दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि बजरडीहा स्थित आवास विकास कॉलोनी में दीपांशु राय और खुश पांडेय एक ही कमरे में रहते थे। सोमवार देर रात करीब तीन बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि दीपांशु राय कमरे में मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही भेलूपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस जब कमरे में पहुंची तो दीपांशु राय खून से लथपथ पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में उनके शरीर पर चाकू से हमले के निशान पाए गए। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। घटना के समय कमरे में मौजूद मृतक के दोस्त खुश पांडेय को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस दोनों के बीच विवाद, घटना से पहले की गतिविधियों और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। एसीपी गौरव कुमार ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

वाराणसी में लगातार बढ़ रहा गंगा का जलस्तर

वाराणसी। जिले में गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को भी गंगा का जलस्तर बढ़ने का क्रम जारी रहा, जिससे तटीय क्षेत्रों पर प्रशासन की निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी गई है। केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को वाराणसी में गंगा का जलस्तर 61.52 मीटर दर्ज किया गया। नदी के जलस्तर में प्रति घंटे 1 सेंटीमीटर से अधिक की रफ्तार से वृद्धि हो रही है। हालांकि फिलहाल गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 9 मीटर नीचे है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन सावधानी जरूरी है। गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए प्रशासन नजर बनाए हुए है। गंगा किनारे बसे इलाकों, घाटों और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर 70 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 70 लाख रुपये मूल्य का विदेशी सोना बरामद किया है। इस मामले में गुजरात निवासी एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 491.290 ग्राम 24 कैरेट विदेशी सोना बरामद हुआ है। डीआरआई को पहले से सूचना मिली थी कि शारजाह से इंडिगो की उड़ान संख्या 6E-184 से आने वाला एक भारतीय यात्री बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी कर वाराणसी पहुंचने वाला है। सूचना के आधार पर अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर निगरानी बढ़ा दी और विमान के पहुंचते ही संदिग्ध यात्री को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान डीआरआई अधिकारियों ने यात्री की गहन जांच की। जांच में उसके द्वारा पहनी गई जींस की पैंट के नीचे पेट पर विशेष रूप से छिपाकर रखा गया विदेशी सोना बरामद हुआ। आरोपी ने सोने को इस तरह छिपाया था कि सामान्य जांच में वह आसानी से दिखाई न दे।

उप्रः अनुसूचित जाति जनजाति के 1.39 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं मिली आर्थिक सहायता

-बीते नौ साल में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना से छात्र-छात्राओं को किया गया सशक्त

-योगी सरकार का लगातार प्रयास, आर्थिक अभाव किसी भी मेधावी विद्यार्थी की शिक्षा में न बने बाधा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। शिक्षा को सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति व्यवस्था को लगातार मजबूत किया है। पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से बीते नौ वर्षों में 1.39 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक अभाव किसी भी मेधावी विद्यार्थी की शिक्षा में बाधा न बने और वह विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा तक अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सके। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में कई सुधार किए हैं। ओटीआर, बायोमेट्रिक सत्यापन, एस-कोड वैलिडेशन और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) जैसी व्यवस्थाओं से छात्रवृत्ति सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और पात्र विद्यार्थियों तक समय पर सहायता पहुंचाना आसान हुआ है। पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2017-18 में 4,16,860 अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को लाभ मिला। इसके बाद 2018-19 में 5,24,426, 2019-20 में 5,41,386, 2020-21 में 3,62,511, 2021-22 में 3,20,390, 2022-23 में 3,86,139, 2023-24 में 3,74,963, 2024-25 में 4,11,797 तथा 2025-26 में 4,39,647 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वहीं, दशमोत्तर स्तर पर 2017-18 में 12,80,515, 2018-19 में 11,43,804, 2019-20 में 13,60,376, 2020-21 में 8,02,648, 2021-22 में 12,29,471, 2022-23 में 9,42,939, 2023-24 में 10,35,766, 2024-25 में 11,76,281 तथा 2025-26 में 11,54,567 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। सरकार का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे मजबूत आधार है। छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है, जिससे वे उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के बेहतर अवसरों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग उप निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि, बीते नौ वर्षों में छात्रवृत्ति व्यवस्था में हुए सुधारों ने विद्यार्थियों के बीच शिक्षा के प्रति विश्वास को मजबूत किया है।

नौकरी ढूंढ़ने नहीं, नौकरी देने की सोच पैदा कर रहा यूथ अड्डा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। आज की युवा पीढ़ी नौकरी की तलाश तक सीमित नहीं रहना चाहती। यह पीढ़ी नवाचार, तकनीक, स्टार्टअप, डिजिटल बिजनेस और आत्मनिर्भरता में अपना भविष्य देखती है। आज के युवाओं को केवल रोजगार नहीं, बल्कि अवसर, मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और उद्यमिता का पूरा इकोसिस्टम चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को बहुत पहले समझ लिया था। यही कारण है कि प्रदेश सरकार ने केवल रोजगार योजनाओं तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि युवाओं को उद्यमी बनाने की सोच के साथ सीएम युवा और यूथ अड्डा जैसी अभिनव अवधारणा को विकसित किया। इसका उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाले से आगे बढ़ाकर रोजगार सृजित करने वाला बनाना है। आज का युवा केवल ऋण या अनुदान नहीं चाहता। वह चाहता है कि कोई उसके विचार को समझे, बिजनेस मॉडल बनाने में मदद करे, अनुभवी मेंटर्स से जोड़े, बैंकिंग प्रक्रिया आसान बनाए और बाजार तक पहुंच दिलाए। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यूथ अड्डा को पारंपरिक प्रशिक्षण केंद्र के बजाय एक समग्र उद्यमिता इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया गया है। यहां बिजनेस आइडिया से लेकर वित्तीय सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण, डिजिटल मार्केटिंग, फ्रेंचाइजी मॉडल, सरकारी योजनाओं की जानकारी और अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन सब कुछ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है। प्रदेश सरकार ने महसूस किया कि उद्यमिता की शुरूआत नौकरी मिलने के बाद नहीं, बल्कि कॉलेज और तकनीकी संस्थानों के दिनों से ही होनी चाहिए। इसलिए यूथ अड्डा का फोकस विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक और आईटीआई के विद्यार्थियों पर रखा गया है।

वाराणसी : रविदास घाट से गूंजा समरसता का संदेश मानवता और स्वच्छता का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे राष्ट्रव्यापी समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत मंगलवार को संत रविदास घाट पर सामाजिक समरसता, स्वच्छता और मानवता का प्रेरक संदेश देने के उद्देश्य से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरु पूर्णिमा से प्रारंभ इस अभियान के तहत नमामि गंगे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवकों ने भाग लेकर संत रविदास के अमर संदेश मन चंगा तो कठौती में गंगाह्व को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संयोजन नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में ह्लमन चंगा तो कठौती में गंगाह्व लिखी तख्तियां लेकर जागरूकता रैली निकाली। साथ ही कठौती में गंगाजल भरकर लोगों को यह संदेश दिया कि ईश्वर की सच्ची आराधना बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि मन की पवित्रता, अच्छे विचारों और निष्कलंक कर्मों में निहित है। इस अनूठे आयोजन ने घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश (दिव्यांग प्रकोष्ठ) के संयोजक एवं रविदास पार्क में प्रस्तावित दीपोत्सव कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. उत्तम ओझा ने कहा कि संत रविदास का संपूर्ण जीवन समानता, मानवता और सामाजिक न्याय के आदर्शों से प्रेरित रहा। उन्होंने समाज को जाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से मुक्त कर प्रेम, भाईचारे और समरसता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। उन्होंने कहा कि संत रविदास की शिक्षाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। राजेश शुक्ला ने कहा कि ह्लमन चंगा तो कठौती में गंगाह्व केवल एक प्रसिद्ध कहावत नहीं, बल्कि संत रविदास का गहन आध्यात्मिक और सामाजिक दर्शन है। इसका सार यह है कि यदि व्यक्ति का मन निर्मल और कर्म पवित्र हों, तो ईश्वर की कृपा हर स्थान पर प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गंगा की स्वच्छता आवश्यक है, उसी प्रकार मन और विचारों की शुद्धता भी समाज के स्वस्थ विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने सभी से गंगा संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सामाजिक भेदभाव समाप्त करने, स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने, गंगा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने तथा संत रविदास के समरसता, मानवता और सद्भाव के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महानगर प्रभारी पुष्पलता वर्मा, सहसंयोजक (लघु उद्योग) विशाल केसरी, दिनेश कुमार सिंह, सतवंत भारती, रवि निषाद, संजय शर्मा सहित नमामि गंगे के स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम के आगमन को लेकर कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट अभेद्य होगी सुरक्षा व्यवस्था पुलिस आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आगमन, भ्रमण एवं प्रवास कार्यक्रम को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सोमवार को अधिकारियों की विस्तृत ब्रीफिंग करते हुए सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सुरक्षित, व्यवस्थित और निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। बैठक में पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सघन जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही प्रवेश दिया जाए। कार्यक्रम स्थल एवं वीआईपी मार्ग पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर विशेष नजर रखी जाए तथा सुरक्षा व्यवस्था के प्रत्येक पहलू का सूक्ष्म विश्लेषण कर संभावित जोखिमों का पूर्व आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी इकाइयों को हर समय सक्रिय और तैयार रखा जाए। पुलिस आयुक्त ने वीआईपी मार्ग को पूरी तरह अवरोधमुक्त रखने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित मार्ग पर किसी भी वाहन की पार्किंग या अनावश्यक ठहराव नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के वाहनों के लिए स्थल के निकट अस्थायी पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही वीआईपी मूवमेंट के सभी निर्धारित रूटों पर आवश्यकता अनुसार क्रेन की उपलब्धता और कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन वाहन व फायर टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात रखने के निर्देश दिए गए। भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस आयुक्त ने ह्लनो टच पॉलिसीह्व का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जांच और सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं केवल महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ही सुनिश्चित की जाएं। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्याप्त संख्या में रस्सियां, लाउड हेलर तथा पीए सिस्टम उपलब्ध रखने और उनका प्रभावी उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए।यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पूर्व निर्धारित रूट डायवर्जन योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने और संभावित जाम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने को कहा गया। साथ ही कार्यक्रम स्थल एवं वीआईपी मार्ग को ह्लनो फ्लाई जोनह्व घोषित करते हुए ड्रोन सहित किसी भी उड़ने वाली वस्तु के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए।

वाराणसीः ओवरब्रिज पर डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत, साथी घायल

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। राजातालाब थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा हरहुआ के समीप काजी सराय ओवरब्रिज पर उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। राजातालाब थाना क्षेत्र के वीरभानपुर गांव निवासी विजय गुप्ता (38 वर्ष) अपने दोस्त रंगीला, निवासी सजोई, के साथ बाइक से घूमने निकले थे। दोनों मुंबई में एक साथ काम करते थे और इन दिनों अपने गांव आए हुए थे। हरहुआ के काजी सराय ओवरब्रिज पर अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने विजय गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल रंगीला का उपचार पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। विजय गुप्ता की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। उनकी मां लालमनी देवी, पत्नी सोनी तथा अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक स्वर्गीय रामलखन गुप्ता के तीन पुत्रों में दूसरे नंबर पर थे। वह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

सीएम के आगमन को लेकर कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट अभेद्य होगी सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आगमन, भ्रमण एवं प्रवास कार्यक्रम को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सोमवार को अधिकारियों की विस्तृत ब्रीफिंग करते हुए सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सुरक्षित, व्यवस्थित और निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। बैठक में पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सघन जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही प्रवेश दिया जाए। कार्यक्रम स्थल एवं वीआईपी मार्ग पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर विशेष नजर रखी जाए तथा सुरक्षा व्यवस्था के प्रत्येक पहलू का सूक्ष्म विश्लेषण कर संभावित जोखिमों का पूर्व आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी इकाइयों को हर समय सक्रिय और तैयार रखा जाए। पुलिस आयुक्त ने वीआईपी मार्ग को पूरी तरह अवरोधमुक्त रखने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित मार्ग पर किसी भी वाहन की पार्किंग या अनावश्यक ठहराव नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के वाहनों के लिए स्थल के निकट अस्थायी पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही वीआईपी मूवमेंट के सभी निर्धारित रूटों पर आवश्यकता अनुसार क्रेन की उपलब्धता और कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन वाहन व फायर टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात रखने के निर्देश दिए गए। भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस आयुक्त ने ह्लनो टच पॉलिसीह्व का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जांच और सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं केवल महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ही सुनिश्चित की जाएं। ड्यूटी पर

दो चचेरे भाइयों की एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक मौत

कानपुर। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में गुजरात से घर लौट रहे दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से बाराबंकी जा रहे थे, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को मौके पर ही गंभीर चोटें आईं और अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के कुलपुरवा गांव निवासी नागेश (23) और (21) अंशु हाइड्रा मशीन की मरम्मत का काम करते थे। दोनों पांच दिन पहले काम के सिलसिले में गुजरात गए थे और सोमवार को बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। बिल्हौर क्षेत्र में मखनपुर के पास आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर-214 पर पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा की एंबुलेंस उन्हें सीएचसी बिल्हौर ले गई, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जिससे सिर में गंभीर चोट आई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों के आधार पर दोनों की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान के

बेकाबू मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई, चौकीदार की मौत

फतेहपुर । उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार सुबह ड्यूटी को जाते समय सड़क पर आए मवेशी को बचाने के प्रयास में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। जिससे मोटरसाइकिल सवार चौकीदार की मौके पर ही मौत हो गई और चालक घायल हो गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के आबूनगर मोहल्ला निवासी संदीप कुमार (43) बिन्दकी सीएचसी में चौकीदार के पद पर तैनात थे। आज ड्यूटी जाते समय उन्होंने एक मोटरसाइकिल सवार से लिफ्ट ली। जैसे ही मोटरसाइकिल मलवां थाना क्षेत्र के चखेड़ी गाँव के पास पहुंची अचानक सड़क पार कर रही गाय को बचाने के प्रयास में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

वाराणसी: फर्जी मैट्रिमोनियल फर्म का भंडाफोड़ संचालिका समेत 10 महिलाएं गिरफ्तार

-शादी के नाम पर लोगों से की जा रही थी ठगी

-पुलिस ने 27 मोबाइल, लैपटॉप व अन्य सामान किया बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। अर्दली बाजार स्थित चन्द्रिका कॉलोनी में संचालित एक फर्जी मैट्रिमोनियल फर्म का वाराणसी पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए संचालिका समेत 10 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई साइबर क्राइम से जुड़ी लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार यह गिरोह शादी कराने के नाम पर लोगों से सदस्यता शुल्क लेकर उन्हें ठगी का शिकार बना रहा था। जांच में सामने आया कि गिरोह अखबारों में आकर्षक वैवाहिक विज्ञापन प्रकाशित कराता था। विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाले लोगों को मोबाइल नंबरों के माध्यम से जोड़ा जाता और युवक-युवतियों की प्रोफाइल भेजी जाती थी। इसके बाद परिवार का भरोसा जीतकर सदस्यता शुल्क जमा कराया जाता था। पुलिस के अनुसार एक महिला शिकायतकर्ता से चार किश्तों में कुल 7,000 रुपये और दूसरी शिकायतकर्ता से 3,500 रुपये सदस्यता शुल्क के रूप में लिए गए। शुल्क जमा होने के बाद किसी भी योग्य युवक-युवती से वास्तविक संपर्क नहीं कराया जाता था।

यूपी में 41 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 41 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। वाराणसी में तैनात उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह का तबादला चित्रकूट कर दिया गया है। स्थानांतरण आदेश के अनुसार महेंद्र कुमार सिंह, जो वर्तमान में अयोध्या विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी के पद पर कार्यरत थे, उन्हें नगर मजिस्ट्रेट, वाराणसी बनाया गया है। वहीं ज्योति सिंह, जो वाराणसी में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात थीं, उनका स्थानांतरण उपजिलाधिकारी, चित्रकूट के पद पर किया गया है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर गंगा तट से हरित भविष्य का संदेश, पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ बांटे गए पौधे

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मंगलवार को गंगा के उस पार स्थित डोमरी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, गंगा स्नानार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रकृति की रक्षा, अधिक से अधिक पौधरोपण तथा गंगा की स्वच्छता बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। यह कार्यक्रम 137 सीईटीएफ, 39 जीआर गंगा टास्क फोर्स द्वारा आयोजित किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कदम्ब, आम, जामुन, कटहल और सैजन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए। साथ ही उन्हें पौधों का नियमित संरक्षण, सिंचाई और देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम का नेतृत्व सूबेदार धनेश यादव ने किया। वहीं जिला परियोजना अधिकारी दर्शन निषाद ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं या अभियानों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतों को अपनाए, जल का संरक्षण करे, अधिक से अधिक पौधे लगाए और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करे, तो पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सभ्यता की जीवनरेखा है। करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ गंगा लाखों लोगों की आजीविका और पर्यावरणीय संतुलन का भी आधार है। इसलिए गंगा की स्वच्छता, उसके तटीय क्षेत्रों का संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और गांव में पौधरोपण को जन अभियान का स्वरूप दें तथा प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव बन सकते हैं। कार्यक्रम में नमामि गंगे गंगा विचार मंच के जिला संयोजक शिवम अग्रहरि, नेमी स्नानार्थियों, स्थानीय नागरिकों, युवाओं तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

गुरुओं की तपोभूमि को संवार रही सरकार, पर्यटन विकास परियोजनाओं से निखर रहे संत रविदास और देवरहा बाबा के तीर्थ

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और ज्ञान परंपरा के सम्मान का पर्व है। उत्तर प्रदेश, जहां ऋषि-मुनियों, संतों और आचार्यों की समृद्ध गुरु परंपरा सदियों से समाज का मार्गदर्शन करती रही है, आज उसी विरासत को नए आयाम मिल रहे हैं। प्रदेश सरकार आध्यात्मिक पर्यटन विकास के माध्यम से गुरु परंपरा से जुड़े मंदिरों, आश्रमों, गुरुद्वारों और संतों की तपोस्थलियों का संरक्षण एवं विकास कर रही है। इससे न केवल सांस्कृतिक विरासत सशक्त हो रही है, बल्कि नई पीढ़ी भी अपनी गौरवशाली ज्ञान परंपरा से जुड़ रही है। सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में ह्यव्यास पूर्णिमाह्ण के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है। प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान-संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मयार्दाओं को आत्मसात किया। वहीं, भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। गुरुओं की भूमि ह्यउत्तर प्रदेशह्णभारतीय सनातन संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान स्थान दिया गया है। उत्तर प्रदेश को ऋषियों और संतों की भूमि कहा जाता है। महर्षि वाल्मीकि, वेदव्यास, महर्षि भारद्वाज, ऋषि पराशर, महर्षि याज्ञवल्क्य, संत कबीर, रविदास, गोस्वामी तुलसीदास और गुरु गोरक्षनाथ जैसी विभूतियों ने यहीं से भारतीय संस्कृति को दिशा दी। प्रदेश के तीर्थ, आश्रम और धाम आज भी इस गौरवशाली परंपरा के साक्षी हैं। इसी विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में आकार लिया, तो कुछ मूर्त रूप ले रही हैं। गुरु गोरखनाथ, संत रविदास से देवराहा बाबा तक विकास की श्रृंखलाप्रदेश सरकार द्वारा महोबा के गोरखगिरि पर्वत पर नाथ संप्रदाय के प्रमुख आस्था केंद्र में 11.25 करोड़ रुपए की लागत से 51 फीट ऊंची गुरु गोरखनाथ की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 29 जुलाई, 2026

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग सुधारने के लिए लक्ष्य आधारित कार्य करें: डीएम जसजीत कौर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, 28 जुलाई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए लक्ष्य आधारित एवं परिणामोन्मुखी कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें और योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित बिंदुओं का तत्काल निस्तारण करें। मंगलवार को कलक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत निर्धारित मुख्य प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा विभागीय कार्यों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, जिससे जनपद की रैंकिंग में सकारात्मक सुधार हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने अधिकारियों को प्रत्येक समीक्षा बैठक में पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों को प्राप्त धनराशि का समयबद्ध एवं जनहित में प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूर्ण कर कार्यक्रम की तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को 15वें एवं छठे वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का शीघ्र एवं जनहित में व्यय सुनिश्चित करने तथा इसकी प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पंचायत सहायकों के मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, जननी सुरक्षा योजना सहित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों और लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। बैठक में डीसी जी राम जी आरबी यादव, उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रजबपुर दरगाह पर उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, 30 जुलाई को होगा कुल शरीफ

552वें उर्स मुबारक में बार एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा ने चढ़ाई चादर

मुल्क में अमन-चैन की मांगी दुआ, अधिवक्ताओं का हुआ पगड़ी बांधकर सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा (रजबपुर)। जनपद के रजबपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध हजरत ख़्वाजा बहाउद्दीन बाबा फरीदी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर 552वां उर्स मुबारक पूरे अदब, एहतराम और अकीदत के साथ जारी है। उर्स के दौरान दरगाह शरीफ पर देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में जायरीन पहुंच रहे हैं। बाबा के आस्ताने पर हाज़िरी देकर लोग चादर और फूल पेश कर अपनी मन्नतें मांग रहे हैं तथा मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ कर रहे हैं। उर्स कमेटी के अनुसार, 30 जुलाई को दरगाह शरीफ पर कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से हजारों अकीदतमंदों के पहुंचने की संभावना है। कुल शरीफ को लेकर दरगाह परिसर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उर्स के अवसर पर अमरोहा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा (एडवोकेट) अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ दरगाह शरीफ पहुंचे। उन्होंने बाबा के मजार-ए-अकदस पर मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए तथा देश में अमन, चैन, आपसी सौहार्द और तरक्की की दुआ मांगी। इस अवसर पर दरगाह के सज्जादा नशीं ख़्वाजा सलीम फरीदी साहब ने परंपरा के अनुसार बार एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा और उनके साथ आए अधिवक्ताओं का पगड़ी बांधकर सम्मान किया। दरगाह कमेटी की ओर से सभी अतिथियों को तबर्रुक भी भेंट किया गया। इस दौरान अधिवक्ता मोहम्मद अजीम पाशा, मोहम्मद वासिफ रजा खुर्शीद, मोहम्मद नदीम, मोहम्मद शाहबाज आलम, इबाद उर रहमान, इसरार अहमद सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। वहीं दरगाह कमेटी की ओर से ख़्वाजा सलीम फरीदी, ख़्वाजा इसरार अख्तर फरीदी साबरी, ख़्वाजा रिफाकत फरीदी साबरी, ख़्वाजा मुनीर फरीदी सहित अन्य जिम्मेदार लोग उपस्थित रहे। उर्स के दौरान दरगाह परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और पूरे माहौल में अकीदत व रूहानियत की फिजा देखने को मिली।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आज तक नहीं हुआ कर्मचारियों का स्थानांतरण, अधिकारियों ने कहा- शासनादेश ही नहीं मिला

बिजनौर। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के संविदा कर्मचारियों का प्रत्येक तीन वर्ष में अनिवार्य स्थानांतरण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद बिजनौर जनपद में आज तक किसी भी कर्मचारी का स्थानांतरण नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, संबंधित अधिकारियों का कहना है कि स्थानांतरण के संबंध में उन्हें कोई शासनादेश ही प्राप्त नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव द्वारा जारी बैठक के कार्यवृत्त में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लिए तीन महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए थे। इनमें प्रत्येक तीन वर्ष में कर्मचारियों का स्थानांतरण, विद्यालयों का नियमित निरीक्षण तथा शिक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित महिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आगंतुक निरीक्षक के रूप में नामित करने पर विचार करना शामिल है। जब इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना और जिला समन्वयक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बिजनौर से जानकारी प्राप्त की गई तो दोनों अधिकारियों ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए कोई शासनादेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनपद में आज तक किसी भी कर्मचारी का स्थानांतरण नहीं हुआ है। अधिकारियों के इस बयान ने शासन के निर्देशों और उनके जमीनी क्रियान्वयन के बीच बड़े अंतर को उजागर कर दिया है। यदि मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में तीन वर्षीय कर्मचारियों के स्थानांतरण का निर्णय लिया गया था, तो उसका अनुपालन आखिर क्यों नहीं हो सका? क्या इसके लिए अलग से शासनादेश जारी किया जाना था? यदि हां, तो वह जनपद तक क्यों नहीं पहुंचा? और यदि नहीं, तो संबंधित विभागों ने इन निर्देशों को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए? गौरतलब है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आवासीय शिक्षण संस्थान हैं, जहां छात्राओं की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। शासन द्वारा निर्धारित स्थानांतरण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि किसी एक विद्यालय में वर्षों तक एक ही कर्मचारी की तैनाती न रहे और विद्यालयों की कार्यप्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनी रहे। वहीं, नियमित निरीक्षण और महिला आगंतुक निरीक्षकों की व्यवस्था को लेकर भी जनपद में स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में यह मामला केवल कर्मचारियों के स्थानांतरण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि शासन के निर्देशों के प्रभावी अनुपालन और छात्राओं के हितों से भी सीधे तौर पर जुड़ जाता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बिजनौर में इनका पालन क्यों नहीं हुआ? इस पूरे प्रकरण पर बेसिक शिक्षा विभाग और शासन स्तर से स्पष्ट जवाब की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

3 अगस्त तक हर हाल में पूरा करें छात्रवृत्ति योजना का मास्टर डाटा : सीडीओ

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यालयों को निर्देश, प्रतिदिन शाम 4 बजे तक भेजनी होगी प्रगति रिपोर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। वर्ष 2026-27 की पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति (शैक्षिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) के समयबद्ध भुगतान के लिए मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी विद्यालयों को मास्टर डाटा का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सीडीओ ने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 9 से 12 तक के सभी विद्यालयों को 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय 3 अगस्त तक शत-प्रतिशत मास्टर डाटा हर हाल में पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों के नाम मास्टर डाटा में एक से अधिक बार दर्ज हैं, वे तीन दिनों के भीतर जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रस्ताव उपलब्ध कराएं, ताकि निदेशालय समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश से आवश्यक कार्रवाई कराई जा सके। सीडीओ ने सभी नामित नोडल प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन शाम 4 बजे तक निर्धारित प्रारूप में प्रगति रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को उपलब्ध कराएं। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा संकलित रिपोर्ट समय से मुख्य विकास अधिकारी को भेजी जाएगी, जिससे छात्रवृत्ति योजना की प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी हो सके।

वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में एआई आधारित सतत विकास पर तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

देशभर के विशेषज्ञ छात्रों को बताएंगे एआई के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण, कृषि और साइबर सुरक्षा के नए आयाम

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला/अमरोहा। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में वरिष्ठ छात्र-छात्राओं के लिए ह्लसतत विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व (एआई फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट)ह्व विषय पर तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। 28 से 30 जुलाई तक चलने वाली इस कार्यशाला के छह सत्रों में देश के आधा दर्जन से अधिक एआई विशेषज्ञ, शिक्षाविद, विधि विशेषज्ञ और राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देंगे।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता एवं विख्यात साइबर एक्सपर्ट तथा राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. नील, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, प्रतिकुलपति डॉ. मानस रंजन, डॉ. नीतू पंवार एवं डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता डॉ. नील ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सही उपयोग आज व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एआई की मदद से साइबर अपराधों की रोकथाम, डेटा सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, कृषि एवं खाद्य सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और भ्रष्टाचार नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में प्रभावी बदलाव लाया जा सकता है। संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि एआई के तेजी से बढ़ते वैश्विक प्रभाव को देखते हुए शिक्षण संस्थानों को छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुरूप तैयार करना होगा, ताकि वे अपने व्यक्तिगत विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मखोज, नवाचार और शोध के जरिए राष्ट्र निर्माण से जुड़ने का सबसे सशक्त मंच है। वहीं कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे ने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं के लिए असीम संभावनाएं हैं, लेकिन विद्यार्थियों को एआई के बेहतर उपयोग से स्वयं को समय के अनुरूप अपडेट करना होगा। कार्यक्रम में डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. राजवर्द्धन सिंह, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. रीना जोशी, दीक्षा सिंह, डॉ. अंजलि भारद्वाज, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. बबीता, अखिल, अनुज, हुमा, संजीव, अलीशा, हरप्रीत, शोएब, जुबेर, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. पंकज चौधरी तथा मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी एवं कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे ने मुख्य अतिथि डॉ. नील को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

निर्माण कार्यों में फ्लाई ऐश उत्पादों का उपयोग अनिवार्य, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

बिजनौर। जनपद में पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्माण कार्यों में फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों के शत-प्रतिशत उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं, नगर निकायों, लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत राज विभाग, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, नेडा तथा उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित संबंधित विभागों को भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 1 जनवरी 2024 की अधिसूचना का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोयला अथवा लिग्नाइट आधारित तापीय विद्युत संयंत्रों के 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाली सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी निर्माण परियोजनाओं में फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों का उपयोग अनिवार्य है। इसके अंतर्गत फ्लाई ऐश ईंट, टाइल्स, ब्लॉक, सिंटर्ड ऐश समुच्चय सहित अन्य स्वीकृत उत्पादों का प्रयोग प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों को भवन उपविधियों एवं अन्य प्रासंगिक नियमों में आवश्यक प्रावधान शामिल करने के निर्देश भी दिए।

जननी सुरक्षा योजना के भुगतान में तेजी, आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए वार्डवार अभियान चलाने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संस्थागत प्रसव बढ़ाने, जननी सुरक्षा योजना के भुगतान में तेजी लाने तथा आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने सीएम डैशबोर्ड के बिंदुओं की समीक्षा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के तहत आशा कार्यकताओं एवं लाभार्थियों का लंबित भुगतान शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों में संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को आशा एवं एएनएम के कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा खराब प्रदर्शन करने वाली आशाओं के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने, कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहने तथा अस्पतालों में संस्थागत प्रसवों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा के दौरान शहरी क्षेत्रों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड वार्डवार अभियान चलाकर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाने और जिनके कार्ड नहीं बन पा रहे हैं, उनकी कारण सहित रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में एफआरयू, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, ई-संजीवनी ओपीडी, ई-कवच, आभा आईडी, टीबी कार्यक्रम, आशा भुगतान एवं नियमित टीकाकरण की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस डॉ. ए.के. भंडारी सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा तटीय क्षेत्रों का प्रशासनिक निरीक्षण जारी, स्थिति सामान्य, अतिरिक्त नावों की व्यवस्था

डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने तिगरी समेत कई गांवों का किया दौरा, जलस्तर पर लगातार नजर

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निर्देश पर गंगा तटीय क्षेत्रों में जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे ने तिगरी, पपसरा खादर, दरानगर और सिसौवाली सहित गंगा किनारे बसे गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से संवाद कर वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सिसौवाली गांव में ग्रामीणों की आवाजाही को देखते हुए दो अतिरिक्त नावों की व्यवस्था कराई गई। वहीं चकनवाला क्षेत्र में पहले से ही दो नावें संचालित हैं, जिससे लोगों के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण में पाया गया कि वर्तमान में गांवों को जोड़ने वाले मार्ग पूरी तरह सुरक्षित हैं और कहीं भी पानी नहीं पहुंचा है। केवल गंगा नदी से सटे खादर क्षेत्र के उन खेतों में पानी भरा है, जहां हर वर्ष सामान्य रूप से जलभराव होता है। तिगरी क्षेत्र में गंगा के जलस्तर में हल्की बढ़ोतरी दर्ज होने पर एहतियातन नदी किनारे बनी अस्थायी झोपड़ियों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से पहले सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि फिलहाल क्षेत्र की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ लगातार निगरानी कर रहा है। पशुओं के चारे की उपलब्धता और आवश्यक आवागमन के लिए नावों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गंगा तटीय क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कांवड़ यात्रा से पहले डीएम ने श्री वासुदेव तीर्थ का किया निरीक्षण

जलभराव हटाने, सफाई और सभी व्यवस्थाएं कल तक पूरी करने के दिए

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्रावण मास और आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने मंगलवार को श्री वासुदेव तीर्थ एवं कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने यात्रा मार्ग पर जलभराव वाले क्षेत्रों का अवलोकन किया और अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार को तत्काल जल निकासी कराने तथा भविष्य में दोबारा जलभराव न होने की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शास्त्री नगर से श्री वासुदेव मंदिर जाने वाले मार्ग पर कीचड़ और जलभराव का संज्ञान लेते हुए उन्होंने मार्ग को बुधवार तक पूरी तरह आवागमन योग्य बनाने के आदेश दिए। डीएम ने यात्रा मार्गों और श्रावण मास में जलाभिषेक वाले प्रमुख मंदिरों में विशेष सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास, भीड़ प्रबंधन समेत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा का सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण संचालन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी विभाग समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ज्वेलरी कारोबारी के पोते की अपहरण के बाद हत्या

गोरखपुर। के ज्वेलरी कारोबारी के 10 साल के पोते की मंगलवार को अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। लाश घर से 20 मीटर दूर रहने वाले पड़ोसी के घर में बोरे में भरी मिली। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि वैभव वर्मा सोमवार शाम को लापता हो गया था। वह स्कूल से घर लौटा। फिर साइकिल लेकर घर के बाहर खेलने चला गया। करीब 30 मिनट बाद परिवार को सूचना मिली कि बच्चे की साइकिल लावारिस हालत में पड़ी है। परिवार के लोग भागते हुए पहुंचे। आसपास तलाश की तो थोड़ी दूरी पर बच्चे की एक चप्पल मिली। परिवार ने स्कूल, दोस्तों, रिश्तेदारों में पता किया। पुलिस को सूचना दी। पुलिस फोरेंसिक, डॉग स्क्वॉयड के साथ मौके पर पहुंची। सीसीटीवी चेक किए तो बच्चा पड़ोस में रहने वाले कम्प्यूटर टीचर के साथ जाते दिखाई दिया। पूछताछ की गई तो टीचर गुमराह करने लगा। पुलिस ने जब सख्ती की तो उसने अपहरण के बाद हत्या की बात कबूल की। हालांकि उसने हत्या क्यों की, ये नहीं बताया। आरोपी की निशानदेही पर घर के बेसमेंट से बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसएसपी का कहना है कि आरोपी ने कई बार झूठ बोला है। क्राइम सीन रिक्रिएशन कराकर भी चेक किया जाएगा। लखनऊ से फोरेंसिक एक्सपर्ट बुलाए हैं। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर खजनी कस्बे की है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। थाना कोतवाली शहर पुलिस ने नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के परिजनों द्वारा थाना कोतवाली शहर में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि आरोपी नीरज पुत्र मुन्ने जगन्नाथ निवासी ग्राम मिजार्पुर नेकपुर, थाना नगीना देहात, जनपद बिजनौर, उनकी नाबालिग बहन को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया और उसके साथ गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली शहर में मुकदमा संख्या 583/2026 धारा 64(1), 137(2) भारतीय न्याय संहिता तथा पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली शहर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुंदर लाल, कांस्टेबल अर्पित तथा कांस्टेबल योगेश शामिल रहे।

विख्यात शायरों को भेंट की गई मुसालेमा फातिमीया

प्रात: किरण संवाददाता अमरोहा। कारवाने-खुलूस अमरोहा के सदस्यों ने अध्यक्ष सैयद महबूब हुसैन जैदी के नेतृत्व में उर्दू शायरी की पवित्र विधा ह्यसलामह्ण पर आधारित शोधपरक पुस्तक ह्यमुसालेमा फातिमीयाह्ण देश के विख्यात शायरों प्रोफेसर वसीम बरेलवी, अजहर इनायती और मंसूर उस्मानी को भेंट की। प्रोफेसर नाशिर नकवी के मार्गदर्शन में तैयार तथा मौलाना सैयद अतहर काजमी की प्रस्तावना से सुसज्जित इस पुस्तक में ह्यसलामह्ण की परंपरा, इतिहास, विकास और साहित्यिक महत्व पर वरिष्ठ साहित्यकारों के शोध आलेख संकलित किए गए हैं। इसके साथ ही उस्ताद एवं समकालीन शायरों के ह्यतरहाई सलामह्ण भी पुस्तक में शामिल किए गए हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर वसीम बरेलवी, अजहर इनायती और मंसूर उस्मानी ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह कृति उर्दू साहित्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने इसे नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणादायक पुस्तक बताते हुए इसके प्रकाशन पर संपादकीय टीम और कारवाने-खुलूस अमरोहा को बधाई दी।

डीएम जसजीत कौर ने दिए सख्त निर्देश, गंगा की स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और पौधों की जियो-टैगिंग पर जोर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा एवं अन्य नदियों की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण महाअभियान की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की गंगा एवं अन्य नदियों में गंदे पानी और अपशिष्ट पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने घाटों की नियमित सफाई कराने और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वायु प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए जुमार्ना एवं चालान की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में बायो मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के सभी अस्पतालों में शत-प्रतिशत बारकोड प्रणाली लागू की जाए तथा बारकोड के आधार पर ही बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण कराया जाए। उन्होंने अस्पतालों, क्लीनिकों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के पृथक्करण, संग्रहण और सुरक्षित निस्तारण की नियमित निगरानी करने तथा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण महाअभियान के तहत लगाए गए सभी पौधों की शत-प्रतिशत जियो-टैगिंग समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जोया में कांग्रेस नेताओं का स्वागत, भाजपा पर साधा निशाना

प्रातः किरण संवाददाता अमरोहा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम तथा राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम का मंगलवार को दिल्ली से रामपुर जाते समय जोया में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया के नेतृत्व में स्वागत किया। इस दौरान उन्हें महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें भेंट की गईं। राजेंद्र पाल गौतम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है तथा छात्रों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और शिक्षण संस्थानों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, मोहम्मद शाहिद खेड़ी, चौधरी सुखराज सिंह, राजकुमार अरुण, मोहसिन अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाई तेरा... एक मिशन जैसी

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

कॉमेडी को फिर से बड़े परदे पर लाना चाहता हूं

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है।

दर्शक अब नए चेहरों को भी पसंद कर रहे हैं

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं।

भाई : तेरा... में ऐसा युवा हूं, जिसके सपने बड़े, जेब छोटी है

मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

मेकर्स से कहकर फिल्म प्रीपोन करवाई, आगे इंटेंस रोल्स हैं

फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद लगा कि इसे पहले रिलीज किया जाए। इसलिए मेकर्स से खुद कहा कि मेरी आगे जो फिल्में आने वाली हैं, उनमें मैं लगातार गंभीर और इंटेंस किरदार निभा रहा हूं।

ऊर्जा : ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन बने फिल्म की बड़ी ताकत

सेट पर कई बार ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन आते हैं। मुझे लगता है कि वही चीज इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी है। 'भाई तेरा स्टार है' में मैंने अपने वास्तविक व्यक्तित्व को इस्तेमाल किया है।

सर्वगुण..... में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती है कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

'हैवान' में प्रैक्टिकल स्टंट पर जोर

'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा। फॉरेस्ट टेरेन पर फिल्माए गए सीक्वेंस में प्राकृतिक बाधाओं को ही एक्शन डिजाइन का हिस्सा बनाया गया है। लॉन्ग-टेक फाइट्स, प्रैक्टिकल इफेक्ट्स और कम ष्टत्नढ्ढ के जरिए फिल्म को अधिक रियलिस्टिक और तकनीकी रूप से अलग बनाने की कोशिश की गई है। ताकि परदे पर वास्तविक अनुभव मिल सके।

अनीस बज्मी की एक फिल्म भी केरल में ही शूट कर रहे अक्षय

हैवान के साथ ही अक्षय, निर्देशक अनीस बज्मी की नई फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इसका पहला शेड्यूल भी केरल में शूट हुआ है, लेकिन अब तक केवल 12 से 15 प्रतिशत शूटिंग ही पूरी हुई है। फिल्म फिलहाल रुकी हुई है और यह फैमिली कॉमेडी ड्रामा है। इसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस बीच खबर है कि अक्षय फिलहाल छुट्टियों पर हैं और अगली शूटिंग का फैसला ब्रेक खत्म होने के बाद लिया जाएगा।

'भूल भुलैया' फ्रेंचाइज को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मेकर्स अब फिल्म के चौथे पार्ट की शुरुआती प्लानिंग में जुटे हैं। सबसे बड़ी चर्चा यह है कि फिल्म में अक्षय और कार्तिक आर्यन को साथ लाने की कोशिश की जा सकती है।

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची को दी चेतावनी; लगाए ये संगीन आरोप

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं। अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम एक्स पर शेयर किए गए

एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

अपने रुख पर कायम हैं अमाल

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है।

सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा।

पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सलमान सर मौका नहीं देते तो फिल्मों में काम नहीं कर रही होती

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए

प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने की जरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नहीं है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट लाइट रहेंगे

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

डिस्काउंट में 2 से 20 डॉलर तक स्विंग

रूसी तेल ऐसे बना भारत के लिए बैरोमीटर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध से रूसी कच्चे तेल की कीमतें लगातार घटती-बढ़ती रही हैं। भारतीय रिफाइनरियों के लिए ये कीमतें बाजार की घबराहट का पैमाना बन गई। संघर्ष से पहले डिस्काउंट लगभग 2 डॉलर प्रति बैरल था। सप्लाई को लेकर मची अफरातफरी के चरम पर बेंचमार्क ब्रेंट से यह 20 डॉलर तक ज्यादा (प्रीमियम) हो गया। फिर थोड़े समय के लिए सीजफायर के दौरान वापस लगभग 10 डॉलर के डिस्काउंट पर आ गया। लड़ाई फिर शुरू होने पर यह लगभग बराबरी पर लौट आया।

जब ईरान ने मार्च की शुरुआत में होर्मुज स्ट्रेट को असल में बंद कर दिया तब खाड़ी से सप्लाई लाने वाले कच्चे तेल के टैंकर फारस की खाड़ी में फंस गए। इससे दूसरे विकल्पों की तेजी से तलाश शुरू हुई।

तब से भारत के आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत या

उससे ज्यादा बनी हुई है। हालांकि, इन बैरल को खरीदने की लागत सप्लाई के जोखिम को लेकर बदलती धारणाओं के साथ घटती-बढ़ती रही है। चीन की ओर से कच्चे तेल की खरीद में भारी कमी आने से भी भारत और अन्य खरीदारों के लिए अतिरिक्त रूसी कार्गो उपलब्ध हो गए। क्योंकि ब्राजील, वेनेजुएला, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से सप्लाई बेहतर हो गई। ईरान-अमेरिका युद्धविराम ने बाजार को भरोसा दिलाया कि सप्लाई में बड़ी रुकावट की संभावना कम है।

मददगार साबित हुआ रूस

इंडस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, 'रूस मददगार साबित हुआ।' उन्होंने बताया कि रूसी कार्गो की बड़ी मात्रा पहले से ही समुद्र में (हिंद महासागर सहित) मौजूद थी। इससे वे भारतीय रिफाइनरियों तक अपेक्षाकृत तेजी से पहुंच सके। लेकिन, जब खरीदार हर उपलब्ध कार्गो के लिए होड़ कर रहे थे तब रूसी कच्चे तेल के विक्रेता भारी प्रीमियम वसूलने में कामयाब रहे।

भारत लाया है सप्लाई में विविधता

हाल के दिनों में भारतीय रिफाइनरी अपनी सप्लाई के स्रोतों में विविधता लाई हैं। अंगोला, गैबॉन और कांगो से कार्गो हासिल किए हैं। जबकि सऊदी अरब ने खाड़ी में आई रुकावटों की भरपाई के लिए अपने रेड सी एक्सपोर्ट टर्मिनल से शिपमेंट बढ़ा दिए। कम होने से अप्रैल तक रूसी कच्चे तेल पर प्रीमियम घटकर लगभग 10 डॉलर प्रति बैरल रह गया। मई तक प्रीमियम लगभग खत्म हो गया।

अब हर साल नहीं देना होगा पीयूसी सर्टिफिकेट, बड़े बदलाव की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन मालिकों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने वाहन मालिकों पर अनुपालन बोझ कम करने के लिए छह साल तक पुरानी प्राइवेट बीएस-6 गाड़ियों वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) की वैधता को मौजूदा एक साल से बढ़ाकर तीन साल करने का प्रस्ताव दिया है। इसके मुताबिक इन गाड़ियों का पहले रजिस्ट्रेशन की तारीख से 6 साल तक पीयूसी

अब पूरे 3 साल तक मान्य रहेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस बारे में एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस कदम का मकसद गाड़ी मालिकों पर बोझ कम करना है। इसके मुताबिक छह से 10 साल तक पुराने बीएस-6 वाहनों को हर दो साल में अपने पीयूसीसी प्रमाणपत्र का नवीनीकरण कराना होगा और 10 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को हर छह महीने में ऐसा करना होगा। नोटिफिकेशन के अनुसार बीएस-4 उत्सर्जन मानकों का अनुपालन करने वाले सभी मोटर वाहनों को हर छह महीने में अपने पीयूसीसी का नवीनीकरण कराना होगा। इसके अलावा बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 उत्सर्जन मानकों का अनुपालन करने वाले सभी मोटर वाहनों को हर तीन महीने में अपने पीयूसीसी का नवीनीकरण कराना होगा। बीएस या भारत चरण देश में वाहन उत्सर्जन मानकों से संबंधित है।

आइडिया तो कोई भी चीज हो सकती है, लेकिन उसे असलियत में बदलना मुश्किल काम है

नई दिल्ली, एजेंसी। माइकल डेल 'डेल टेक्नोलॉजीज' के फाउंडर हैं। उनका जन्म 1965 में ह्यूस्टन, टेक्सास में हुआ था। 15 साल की उम्र में माइकल डेल ने अपना पहला कंप्यूटर खरीदा। यह देखने के लिए कि वह कैसे काम करता है। फिर उसे तुरंत खोलकर अलग-अलग कर दिया। हाई स्कूल के बाद 1983 में डेल ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में प्री-मेड की पढ़ाई शुरू की। अपने डॉर्म में कंप्यूटर अपग्रेड किट बेचकर और उन्हें इंस्टॉल करके कुछ पैसे कमाने के बाद डेल ने

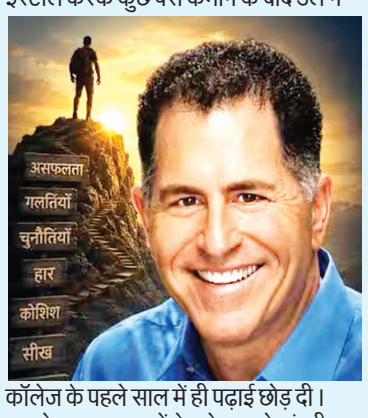

कॉलेज के पहले साल में ही पढ़ाई छोड़ दी। अगले साल 1984 में डेल ने नाम से कंपनी रजिस्टर की। उन्हें यकीन था कि सीधे ग्राहकों को कंप्यूटर बेचने से लागत में काफी बचत हो सकती है। मई 1984 तक डेल ने कंपनी का नाम बदलकर 'डेल कंप्यूटर कॉर्पोरेशन' कर दिया। 1992 तक 27 साल की उम्र में डेल 'फॉर्चयून 500' कंपनी के सबसे कम उम्र के सीईओ बन गए। 1996 में डेल ने इंटरनेट पर कंप्यूटर बेचना शुरू किया। 2001 तक डेल दुनिया की सबसे बड़ी पर्सनल कंप्यूटर बनाने वाली कंपनी बन गई। फोर्ब्स के अनुसार, 27 जुलाई 2026 तक उनकी रियल टाइम नेटवर्थ 232.8 अरब डॉलर थी। माइकल डेल के विचार बड़ी संख्या में लोगों को प्रेरित करते हैं।

सरकार ने क्रिप्टो पर बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय मामलों से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने पिछले हफ्ते अपनी रिपोर्ट में क्रिप्टोकरंसी सहित वर्चुअल डिजिटल असेट्स के बारे में सरकार को सेल्फ रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन बनाने की सलाह दी थी। अब सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने एक गाइडेंस नोट में कहा है कि क्रिप्टो एक्सचेंजों और ब्रोकरों सहित अन्य इंटरमीडियरीज को अपने प्लैटफॉर्म पर लेनदेन की जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को देनी होगी। इसमें क्रिप्टो से जुड़े टैक्स नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन निवेशकों की ओर से दी जाने वाली जानकारी और असल ट्रांजैक्शन में मिसमैच की गुंजाइश खत्म करने के लिहाज से यह अहम कदम है।

क्यों उठाया कदम: ऑर्गनाइजेशन फॉर इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट और भारत सहित भागीदार देशों ने मिलकर क्रिप्टो असेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क बनाया है। इसमें क्रिप्टो एक्सचेंजों सहित सभी रिपोर्टिंग क्रिप्टो-असेट सर्विस प्रोवाइडर्स के दायित्व तय किए गए हैं। इस फ्रेमवर्क के हिसाब से ताजा कदम उठाया है। तहत वैश्विक स्तर पर जानकारी जुटाने में आसानी होगी।

कई निवेशक विदेशी ट्रांजैक्शन सहित अपने ट्रेड्स को रिटर्न में दिखाना भूल जाते हैं। अब एक्सचेंजों के लिए जानकारी देना अनिवार्य करने से टैक्स विभाग को इनसे पूरी जानकारी मिल जाएगी और निवेशकों के सेल्फ डिक्लेरेशन तक बात सीमित नहीं रहेगी। इससे करदाता के एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट और संबंधित दस्तावेज को ऑटो-पॉपुलेट करने और जानकारी को क्रॉस वेरिफाई करने में आसानी होगी। करदाताओं के लिए कोई नई जिम्मेदारी तय नहीं की गई है, लेकिन उन्हें भी अब जानकारी देने में सतर्कता बरतनी होगी।क्रिप्टो से जुड़े टैक्स स्ट्रक्चर में कोई बदलाव नहीं हुआ। क्रिप्टो भारत में रुपये की तरह लीगल टेंडर भी नहीं है। वर्चुअल डिजिटल असेट्स से कैपिटल गेंस पर 30 प्रतिशत के फ्लैट रेट से ही टैक्स लगेगा। क्रिप्टो ट्रेडिंग में लॉस को दूसरे गेंस से ऑफसेट नहीं किया जा सकता या आने वाले वित्त वर्षों के लिए कैरी फॉरवर्ड नहीं किया जा सकता।

एक्सचेंजों सहित लेनदेन से जुड़ी जानकारी जुटानी होगी और वेरिफाई करके उसे टैक्स विभाग को देना होगा। उन्हें कस्टमर की टैक्स रेजिडेंसी सहित पूरी जांच-पड़ताल करनी होगी, कराना होगा और एनुअल ट्रांजैक्शन इंफॉर्मेशन भी देना होगा। इस तरह टैक्स विभाग के लिए क्रिप्टो एक्सचेंज जानकारी पाने का प्राथमिक जरिया बन जाएंगे।

एडुल पटेल ने कहा, 'रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड्स के मुताबिक करने से भारत मौजूदा टैक्स व्यवस्था को बदले बिना क्रिप्टो असेट्स को एक व्यवस्थित फाइनैंशल रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क में ला रहा है। इस कदम ने एक व्यापक पॉलिसी फ्रेमवर्क की नींव रखी है।

एप्पल एनवी इंडिया को पछाड़कर बनी दुनिया की नंबर-1 कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों की रेस में एक बार फिर ने बाजी मार ली है। पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का ताज फिर से अपने नाम कर लिया है। दिलचस्प बात यह है कि जहां दूसरी बड़ी टेक कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं, वहीं की संतुलित और कम खर्च वाली रणनीति निवेशकों को काफी पसंद आ रही है। रिकॉर्ड हाई पर एप्पल के शेयर सोमवार को एप्पल के शेयर 1.17 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 336.91 डॉलर पर बंद हुए। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप करीब 4.94 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। दूसरी ओर एआई चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एप्पल के शेयर लगभग 5 प्रतिशत गिर गए, जिससे उसका मार्केट कैप घटकर करीब 4.75 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इसी वजह से एप्पल फिर से नंबर-1 कंपनी बन गई। इस साल एप्पल के शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। वर्ष 2026 में अब तक कंपनी

एआई रणनीति सबसे बड़ा कारण

एप्पल की इस सफलता के पीछे उसकी एआई रणनीति को बड़ा कारण माना जा रहा है। पिछले कुछ समय में माइक्रोसॉफ्ट, मेटा गूगल और अमेजन जैसी कंपनियों ने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग पर भारी निवेश किया है।

का शेयर 22 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुका है। इतना ही नहीं, एप्पल ने अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के समूह में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। मार्केट एक्सपर्ट जे वुड्स का कहना है कि जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च नहीं किया, इसलिए वह उन वित्तीय चुनौतियों से बच गया जिनका सामना कई दूसरी कंपनियां कर रही हैं। यही वजह है कि निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

तिमाही नतीजों पर निवेशकों की नजर

अब निवेशकों की नजर तिमाही नतीजों पर है, जो इस सप्ताह अमेरिकी बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे। सभी यह जानना चाहेंगे कि कंपनी यानी अपनी एआई तकनीक को कितनी तेजी से आगे बढ़ाती है और क्या वह बिना भारी खर्च किए अपनी कमाई और मुनाफे को मजबूत बनाए रख सकती है। अगर अपनी मौजूदा रणनीति के साथ बेहतर नतीजे पेश करता है, तो उसके लिए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का ताज लंबे समय तक अपने पास बनाए रखना आसान हो सकता है। वहीं, कंपनियों के लिए आने वाले महीनों में निवेशकों का भरोसा बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

आपके पुराने नोटों का क्या होगा

जल्द आने वाले हैं 10 और 20 के प्लास्टिक नोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक देश के करेंसी सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने वाला है। जल्द ही बाजार में 10 रुपये और 20 रुपये के प्लास्टिक (पॉलीमर) नोट दिखाई देंगे। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद अब इनके आने का रास्ता साफ हो गया है। आरबीआई कुल 200 करोड़ पॉलीमर नोट छापकर ट्रायल शुरू करेगा। ड्यूरेबिलिटी, फर्जीवाड़े पर रोक और छपाई लागत में कमी लाने के मकसद से ऐसा किया जा रहा है। इस ट्रायल के बावजूद पुराने कागजी नोट भी बाजार में पूरी तरह से वैध और चलन में बने रहेंगे। संसद के मानसून सत्र के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में पुष्टि की कि सरकार ने 10 रुपये

और 20 रुपये के 100-100 करोड़ यानी कुल 200 करोड़ पॉलीमर नोटों के ट्रायल को हरी झंडी दे दी है।

प्लास्टिक नोटों की खासियत

पॉलीमर बैंकनोट्स सामान्य कागज के बजाय खास तरह के प्लास्टिक मटीरियल (पॉलीमर सबस्ट्रेट) पर प्रिंट होते हैं। ये नोट वजन में सामान्य नोटों की तरह ही हल्के होते हैं, लेकिन इनकी शेल्फ लाइफ कागजी नोटों से कई गुना अधिक होती है। ये पानी में भीगने पर गलते नहीं हैं, धूल-गंदगी से खराब नहीं होते और आसानी से फटते भी नहीं हैं। पॉलीमर नोटों के लंबे समय तक चलने से बार-बार नोट छापने का भारी-भरकम वित्तीय बोझ भी काफी हद तक कम हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 में कागजी नोटों की छपाई पर आरबीआई ने 6,372.8 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

नकल करना है मुश्किल

पेपर करेंसी की तुलना में पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट पर एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स को शामिल करना बेहद आसान होता है। इस खास प्लास्टिक मटीरियल पर होलोग्राम और विशेष रंग बदलने वाली स्याही जैसी तकनीकों का सटीक इस्तेमाल किया जा सकता है। इन आधुनिक फीचर्स के कारण जालसाजों के लिए पॉलीमर नोटों की नकल बनाना या नकली नोट तैयार करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। इससे देश की वित्तीय सुरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलेगी। रिजर्व बैंक और सरकार ने साफ किया है कि पॉलीमर नोटों के आने से मौजूदा 10 रुपये और 20 रुपये के कागजी नोटों की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह 'को-एग्जिस्टेंस' मॉडल पर काम करेगा। इसमें दोनों तरह के नोट बाजार में एक साथ इस्तेमाल किए जा सकेंगे। नए प्लास्टिक नोटों की बाजार में एंट्री अचानक न होकर चरणबद्ध तरीके से होगी।

ग्लोबल टेंडर जारी

इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए आरबीआई की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर्स से लैस पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की सप्लाई के लिए एक ग्लोबल टेंडर यानी 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' जारी किया है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों से बोलियां मंगाई गई हैं। इसमें आवेदन करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त है। टेंडर प्रक्रिया और कच्चे माल की सप्लाई पूरी होने के बाद इन नोटों की छपाई शुरू की जाएगी। जब तक नए नोट पूरी तरह से अर्थव्यवस्था में स्थापित नहीं हो जाते तब तक कागजी नोट सामान्य रूप से सर्कुलेशन में बने रहेंगे। इन देशों में चलते हैं प्लास्टिक नोट भारत में नोटों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए पॉलीमर करेंसी लाने की दिशा में पहला प्रयास साल 2012 में किया गया था। हालांकि, तकनीकी बाधाओं के कारण वह परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी थी। अब व्यापक मूल्यांकन और नफे-नुकसान का अध्ययन करने के बाद इस प्रोजेक्ट को दोबारा हवा दी गई है।

आपके शहर में क्या चल रहा है पेट्रोल डीजल का रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को कारोबार के दौरान 11 फीसदी तक गिरावट आई। हाल के महीनों में यह क्रूड की कीमत में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। आज भी यह शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने से कच्चे तेल में गिरावट आई थी। पिछले हफ्ते यह 100 डॉलर के पार पहुंच गया था।

हालांकि भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में आखिरी बार बदलाव 25 मई 2026 को किया गया था। दिल्ली में आज यानी मंगलवार 28 जुलाई, 2026 को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है जबकि डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है। आज शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल में गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड 0.71 फीसदी यानी 0.63 डॉलर की तेजी के साथ 87.73 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

अंबुजा सीमेंट ने बेतुल में एक ठेकेदार की प्रगति को उजागर किया

बैतूल। विविध व्यवसायों वाले अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स, बेहतरीन उत्पादों, भरोसेमंद साझेदारियों और पहचान-आधारित जुड़ाव के जरिए कॉन्ट्रैक्टर्स की तरक्की में लगातार सहयोग कर रही है। बैतूल में कॉन्ट्रैक्टर महेश यादव का सफर यह दिखाता है कि कैसे तकनीकी जानकारी, बेहतरीन काम और लगातार सीखते रहने से कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई जा सकती है।

द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर की प्रतिबद्धता को मिलेगी मजबूती

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के चौथे सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेलर और एक जिम्मेदार ज्वेलर, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज भारतीय क्रिकेट के दिग्गज एमएस धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। यह दीर्घकालिक साझेदारी द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर की उस सोच पर आधारित है, जिसके तहत ब्रांड केवल आभूषणों तक ही नहीं, बल्कि उससे आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने में विश्वास रखता है।

ऐसे समय में, जब उपभोक्ता पारदर्शिता, प्रामाणिकता और विश्वास को पहले से कहीं अधिक महत्व दे रहे हैं, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अपनी संपूर्ण वैल्यू चेन में जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है।

द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है, जो ज्वेलरी वैल्यू चेन के प्रत्येक चरण में जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाने पर आधारित है। यह ब्रांड की नैतिक सोर्सिंग, भरोसेमंद गुणवत्ता, पारदर्शी मूल्य निर्धारण, जिम्मेदार विनिर्माण और ग्राहक-प्रथम नीतियों के प्रति उसकी सोच को दर्शाता है। साथ ही, यह इस विश्वास को भी दोहराता है कि प्रत्येक आभूषण की खरीद विश्वास, जवाबदेही, भरोसे और सभी हितधारकों के प्रति जिम्मेदारी पर आधारित होनी चाहिए।इस प्रतिबद्धता को मलाबार प्रॉमिसेज़ के माध्यम से साकार किया गया है, जो ग्राहक-प्रथम प्रतिबद्धताओं का एक व्यापक ढांचा है। इसके अंतर्गत 100 प्रतिशत बीआइएस हॉलमार्कयुक्त आभूषण, प्रत्येक प्राकृतिक हीरे पर 28 गुणवत्ता जांच, बिना किसी छिपे शुल्क के पारदर्शी मूल्य निर्धारण, गारंटीड बायबैक, आजीवन रखरखाव, निःशुल्क बीमा, सर्वोत्तम मूल्य वाले एक्सचेंज कार्यक्रम तथा जिम्मेदार सोर्सिंग प्रथाएं शामिल हैं, जिससे ग्राहक पूर्ण विश्वास के साथ अपनी खरीदारी कर सकें। भारत के सबसे सम्मानित खेल आइकनों में से एक एमएस धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में एकमात्र ऐसे कप्तान हैं, जिन्होंने भारत को तीनों आइसीसी व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट्स में विजेता बनाया है। अपनी ईमानदारी, निरंतरता और विनम्रता के लिए प्रशंसित धोनी, उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्होंने वर्ष 1993 में स्थापना के बाद से पिछले 33 वर्षों में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पहचान बनाई है। यह अभियान मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के अब तक के सबसे बड़े एकीकृत उपभोक्ता अभियानों में से एक होगा, जो टेलीविजन, प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, रेडियो, सिनेमा, आउट-ऑफ-होम , रिटेल अनुभवों तथा ब्रांड के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित किया जाएगा। यह अभियान दुनिया भर में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के 450 से अधिक शोरूम्स के जरिए उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, मलाबार ग्रुप के चेयरमैन श्री एम. पी. अहमद ने कहा आज के उपभोक्ता केवल उत्कृष्ट उत्पाद ही नहीं, बल्कि पारदर्शिता, प्रामाणिकता और प्रत्येक खरीदारी में भरोसे की भी अपेक्षा रखते हैं।

किसान के बेटे

सर्वेश ने रचा इतिहास

भारत को हाई जंप में पहला रजत पदक

ग्लास्गो(एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय एथलीट ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

काउंटबैक में स्वर्ण से चूके

सर्वेश और जमैका के रोमेन बेकफोर्ड दोनों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पर दोनों असफल रहे। इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर फैसला हुआ। बेकफोर्ड ने कम असफल प्रयास किए थे, इसलिए उन्हें स्वर्ण पदक मिला, जबकि सर्वेश को रजत से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेत से कॉमनवेल्थ पोडियम तक का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव निवासी सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते हैं। बचपन में सुविधाओं की कमी के कारण उनके पिता और पहले कोच ने मकई के छिलकों, कपास और खेतों के अन्य अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार की, ताकि सर्वेश हाई जंप का अभ्यास कर सकें।

बढ़ा आत्मविश्वास

सर्वेश हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसी महीने उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 2.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले भारत के चौथे एथलीट बने थे। इससे पहले उन्होंने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सर्वेश कुशारे को बधाई देते हुए लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुष हाई जंप में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को हार्दिक बधाई। उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता काबिल-ए-तारीफ है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को उन पर गर्व है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना करता हूं।'

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना चाहता हूं

अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद सर्वेश ने कहा, 'यह मेरा पहला पदक है और किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहला पदक है। एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम प्रतियोगिताएं हैं। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इसके साथ ही मैं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं।' मुकाबले के आखिरी प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं हर ऊंचाई को पहले ही प्रयास में पार करना चाहता था। यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।'

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

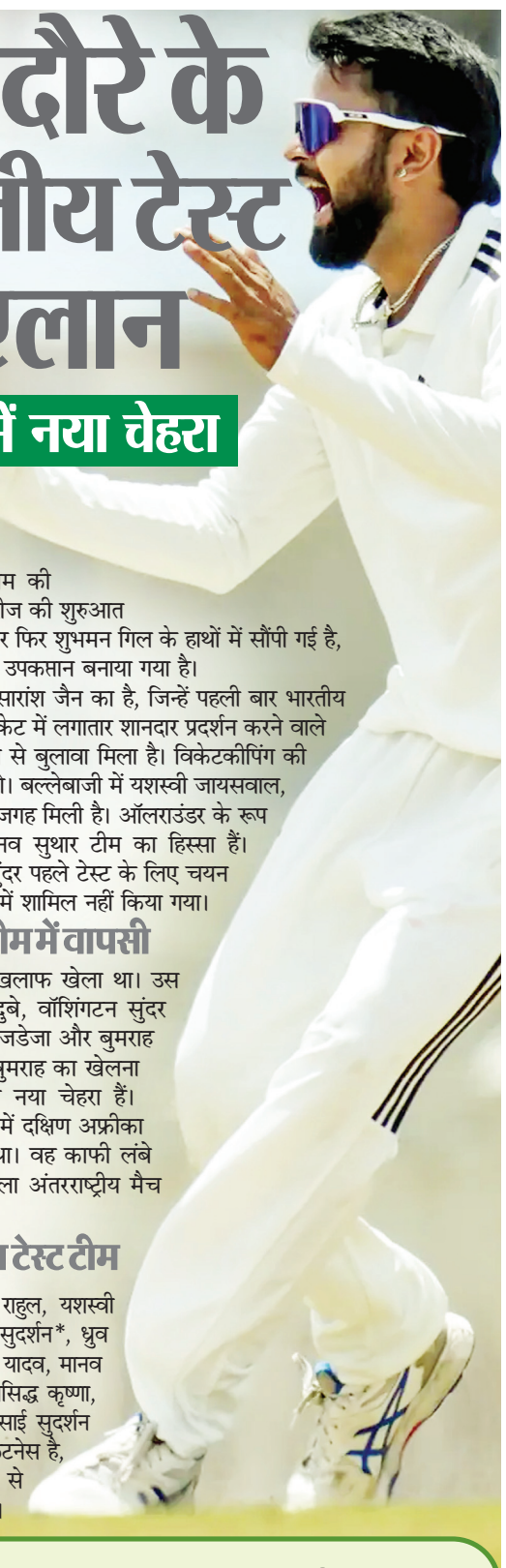

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

तेजस्विन शंकर ने जीता दिल: चोटिल होकर नहीं खेल पाए तो रो पड़े!

- *फिर भारत को रजत पदक दिलाने में इस तरह की मदद*

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर के लिए सोमवार का दिन बेहद भावुक रहा। घुटने की पुरानी चोट उभर आने के कारण उन्हें पुरुष हाई जंप स्पर्धा से बीच में ही हटना पड़ा, लेकिन अपने पदक का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान साथी खिलाड़ी सर्वेश कुशारे के साथ खड़े रहे और उन्हें तकनीकी सलाह देते रहे। तेजस्विन की यही सलाह सर्वेश के लिए निर्णायक साबित हुई और उन्होंने भारत को हाई जंप में ऐतिहासिक रजत पदक दिला दिया।

बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने वार्म-अप के दौरान घुटने में तेज दर्द महसूस किया। उन्होंने पहली ऊंचाई पार करने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने पर मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बावजूद वह स्टेडियम में मौजूद रहे और सर्वेश कुशारे के हर प्रयास पर नजर बनाए रखी।

सर्वेश ने बताया कि 2.25 मीटर की ऊंचाई पर उनकी लय बिगड़ गई थी और रन-अप छोटा पड़ने लगा था। ऐसे समय में तेजस्विन ने उन्हें रन-अप थोड़ा आगे से शुरू करने की सलाह दी, जिससे वह अपनी लय वापस हासिल कर सके और रजत पदक जीतने में सफल रहे।

बस एक दिन दर्द नहीं चाहिए था, लेकिन वही दिन आ गया

मुकाबले के बाद भावुक नजर आए तेजस्विन ने कहा, 'वार्म-अप के दौरान मेरे घुटने में अचानक तेज दर्द हुआ। यह कोई नई समस्या नहीं है। मुझे लंबे समय से टेंडोनाइटिस की दिक्कत है। लगभग हर हाई जंपर इस परेशानी से जूझता है, लेकिन आज यह दर्द ऐसे दिन बढ़ गया, जब मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन था कि मैं पदक जीत सकता हूं, लेकिन पहली ही ऊंचाई पार नहीं कर सका। यह बहुत तकलीफ देता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह पैटेलर टेंडन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से हुआ। कुछ असाधारण नहीं है, लेकिन आज यह अचानक बढ़ गया और मेरा पूरा मुकाबला खराब हो गया।' तेजस्विन ने बताया कि उन्होंने आगे जोखिम नहीं लिया क्योंकि दो दिन बाद डेकाथलॉन स्पर्धा शुरू होनी है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अभी दो दिन हैं। मैं इन दो दिनों में पूरी कोशिश करूंगा कि चोट से उबर सकूं। मैं यहां छुट्टियां मनाने नहीं आया हूं। मैं डेकाथलॉन में जरूर उतरूंगा। अगर किसी तरह हाई जंप और लंबी कूद में दर्द को संभाल लिया, तो बाकी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव!

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

अमरनाथ यात्रियों से भरी बस 20 मीटर गहरी खाई में गिरी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अमरनाथ यात्रा से लौट रहे करीब

50 श्रद्धालुओं से भरी एक बस अनियंत्रित होकर 20 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब यात्री बालटाल से श्रीनगर की ओर जा रहे थे। गनीमत यह रही कि मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और मलबे में तब्दील हुई बस से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, बस (रजिस्ट्रेशन नंबर एआर 11 डी 5655) सोमवार सुबह करीब 5 :30 बजे हरिगनीवान के पास एस-मोड़ पर पहुंची थी। इसी दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस सड़क से उतरकर सिंध नदी के किनारे स्थित गहरी खाई में समा गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन पास ही तैनात सुरक्षाबल तुरंत सक्रिय हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंच गए। बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और एक-एक कर सभी 50 यात्रियों को बस से बाहर निकाला गया। राहत की बात यह है कि इस खौफनाक हादसे में किसी भी श्रद्धालु की जान नहीं गई है। घायल यात्रियों को तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, कंगन भेजा गया है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। सोमवार को ही 3,800 से अधिक श्रद्धालुओं का 12वां जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक कुल 1,27,326 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से अपनी यात्रा शुरू कर चुके हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात हैं।

गाजियाबाद में प्रशासनिक लापरवाही से कांवड़ियों की डगर होगी कठिन

साहिबाबाद, एजेंसी। कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से सावन शुरू होने के साथ ही शुरू हो जाएगी। कांवड़ यात्रा से पहले नगर निगम ने कांवड़ मार्ग पर गड्ढों को भरने का दावा किया था। बावजूद इसके ट्रांस हिंडन क्षेत्र में अभी भी कई जगह गड्ढे हैं। इन गड्ढों से राह से गुजरना भी मुश्किल है। यहां हादसे का खतरा बना रहता है। ऐसे में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की डगर कठिन हो सकती है। लेकिन जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में हिंडन नहर रोड पर खोड़ा और वैशाली सेक्टर पांच और छह की पुलिया के पास, हिंडन बैराज बालाजी विहार और एलिवेटेड रोड के नीचे, जीटी रोड पर मोहननगर तिराहे के पास, लाजपत नगर, साहिबाबाद रेलवे स्टेशन और राजेंद्र नगर के पास और दिल्ली वजीराबाद रोड पर जगह-जगह अभी भी गड्ढे हैं। वैशाली सेक्टर- पांच व छह की पुलिया के पास हिंडन नहर रोड पर टूटी पड़ी सड़क। जागरण जीटी रोड पर हुए गड्ढे आए दिन हादसे का सबब बन रहे हैं। वर्षा के समय इन रास्तों से होकर गुजरना कांवड़ियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। वर्तमान में वर्षा भी हो रही है और सड़कों पर जलभराव के दौरान गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान इन गड्ढों के कारण हादसे हो सकते हैं। इसको लेकर लोगों को पहले से ही डर सता रहा है। कांवड़ यात्रा को लेकर खोड़ा नगर पालिका द्वारा करीब 600 मीटर सड़क बनाई जाएगी। अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि कांवड़ यात्रा को लेकर खोड़ा क्षेत्र में सड़क पर जहां भी गड्ढे हैं उनको भरा जाएगा। साथ ही करीब 600 मीटर सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ ही कांवड़ मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए चिकित्सा बूथ, चेंजिंग रूम, पानी का टैंकर, मोबाइल टायलेट की सुविधा की जा रही है। कांवड़ मार्ग को दुरूस्त कराया जा रहा है।

सीजेपी की चेतावनी के बाद सरकार का फैसला

बिहार के बाद असम में भी रिहा होंगे प्रदर्शनकारी

पटना, एजेंसी। बिहार और असम सरकार ने नीट-यूजी में अनियमितताओं को लेकर किए गए प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को रद करने के साथ ही उन्हें रिहा करने का फैसला किया है। बिहार सरकार ने कहा है कि 26 जुलाई की शाम छह बजे तक दर्ज सभी प्राथमिकी, परिवाद और कारण बताओ नोटिस वापस लिए जाएंगे। आंदोलन में नामित लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे पहले, दिन में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली में प्रेस कान्फ्रेंस कर प्रदर्शनकारियों और आयोजकों पर दर्ज आपराधिक मामलों को वापस नहीं लिए जाने पर नाराजगी जताई थी। साथ ही चेतावनी दी थी कि मंगलवार तक मांग पूरी न हुई तो फिर से सड़क पर उतरकर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बता दें कि छात्र संगठनों के आंदोलन के दौरान बिहार के कई जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई थी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रदर्शन के दौरान पूरे राज्य में कुल 694 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इनमें 339 नाबालिग थे, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया था। वहीं, हिंसक घटनाओं में शामिल पाए गए 355 लोगों को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 91 पुलिस अधिकारी व जवान घायल हुए हैं। सारण जिले में दो प्रखंड विकास पदाधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि सिवान और सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिस अधिकारी भी जख्मी हुए थे। इस घटनाक्रम के बीच सरकार के इस फैसले को आंदोलनकारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। उधर, असम के गृह और राजनीतिक विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में 13 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है।

उधर, सीजेपी ने स्पष्ट किया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला 36 दिवसीय धरना खत्म होने से पहले केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई थी। इसमें सहमति बनी थी कि देशभर में प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी

एफआइआर वापस ली जाएंगी। साथ ही, भविष्य में किसी भी आयोजक या प्रदर्शनकारी पर नया मामला दर्ज नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल के साथ पत्रकार वार्ता में सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि इस संबंध में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जीतेंद्र सिंह को एक ड्राफ्ट समझौता सौंपा था। सहमति बनी थी कि कानूनी सलाह-मशविरे के बाद सरकार मंगलवार तक लिखित समझौता साझा कर देगी। हमें उम्मीद है कि केंद्रीय कैबिनेट मंत्री उस वादे का सम्मान करेंगे और किसी भी प्रदर्शनकारी को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। आगे चेताते हुए उन्होंने कहा कि यदि मंगलवार तक लिखित समझौता नहीं मिलता और गिरफ्तार लोगों को रिहा नहीं किया जाता, तो पार्टी दोबारा आंदोलन छेड़ेगी। रंका ने आगे कहा कि इस युवा आंदोलन को कानूनी झमेलों से बचाने के लिए सिब्बल से लगातार सलाह ली जा रही है। उधर, सीजेपी के एक अन्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि संगठन को पहले से ही आशंका थी कि प्रदर्शन समाप्त होने के बाद आंदोलन में शामिल लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जाएगा। आशंका-प्रदर्शनकारियों को निशाना बना सकती है दिल्ली पुलिस सिब्बल ने कहा कि जहां-जहां छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज होंगे, वहां-वहां उन्हें कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की,

रथ यात्रा के समापन पर ओडिशा में मनाया गया 'रसगुल्ला दिवस'

भुवनेश्वर, एजेंसी। वार्षिक रथ यात्रा के समापन पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के पुरी स्थित श्री मंदिर में लौटने के उपलक्ष्य में सोमवार को ओडिशा में 'रसगुल्ला दिवस' मनाया गया.

'नीलाद्रि बीजे' के अवसर पर 'रसगुल्ला दिवस' मनाया जाता है. नीलाद्रि बीजे वह अनुष्ठान है, जिसके तहत तीनों देवी-देवताओं की मंदिर में वापसी होती है. इसी दिन भगवान जगन्नाथ को विधिवत रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. मंदिर की परंपरा में इस रसगुल्ले को 'खीरा मोहन' कहा जाता है. साल में केवल नीलाद्रि बीजे के दिन ही भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. हालांकि, मंदिर में यह परंपरा सदियों पुरानी है, लेकिन राज्य में 'रसगुल्ला दिवस' 2015 से मनाया जा रहा है. ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पावन नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. महाप्रभु की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए.' मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दिन को उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अनूठी अभिव्यक्ति बताया. उन्होंने कहा,

'नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. भगवान श्री जगन्नाथ का नीलाद्रि बीजे केवल आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अद्वितीय अभिव्यक्ति भी है. ' पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (BJD) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ रसगुल्ला भेंट कर महालक्ष्मी को मनाते हैं. रथ यात्रा में अपने साथ न ले जाने के कारण माता लक्ष्मी भगवान से नाराज रहती हैं. पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में, रसगुल्ले की उत्पत्ति से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शोधकर्ता असित मोहंती ने कहा कि प्रारंभिक समय में मंदिर में इस मिष्ठान को 'खीरा मोहन' कहा जाता था और यही आज के समय का रसगुल्ला है. ओडिशा को 29 जुलाई 2019 को छेना से बनी चाशनीयुक्त मिठाई 'रसगुल्ला' के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त हुआ था. मोहंती ने कहा, 'हमारा (ओडिशा का) रसगुल्ला बंगाल के रसगुल्ले से पूरी तरह अलग है. बंगाल का रसगुल्ला वर्ष 1868 में अस्तित्व में आया, जबकि हमारे यहां यह मिठाई 500 साल से भी अधिक पुरानी है. बलराम दास द्वारा रचित 'दांडी रामायण' में भी रसगुल्ले का उल्लेख मिलता है.' उन्होंने कहा कि सदियों से नीलाद्रि बीजे के दिन भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग लगाया जाता रहा है, इसलिए इसकी उत्पत्ति को लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए।

फर्जी आधार-पैन के साथ 2 बांग्लादेशी पकड़े गए, एक मददगार भी गिरफ्तार

किशनगंज, एजेंसी। बिहार के किशनगंज जिले में प्रभारी पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दो बांग्लादेशी नागरिकों और उनके भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया गया है. एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ वन खुसरू सिराज ने डीआईयू टीम के साथ प्रेम पुल इलाके में वाहन जांच अभियान चलाया. दौरान एक बाइक सवार को संदिग्ध पाकर रोका गया, जिसने भागने का प्रयास किया लेकिन सशस्त्र बलों की मदद से उसे पकड़ लिया गया. दो बांग्लादेशी नागरिक सहित एजेंट गिरफ्तार : पुलिस टीम की सतर्कता से बाइक सवार जाकिर हुसैन को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उसके घर पर छापा मारकर उसकी पत्नी बताई जा रही बांग्लादेशी महिला तैयबा इस्लाम उर्फ तंजिला अख्तर और उसके पति हसन शेख उर्फ हसन उल्लाह को भी महिन गांव डीलर चौक से दबोचा गया. तीनों पर अवैध रूप से भारत में रहने का आरोप है. किशनगंज में छिपे थे बांग्लादेशी नागरिक : गिरफ्तार भारतीय एजेंट जाकिर हुसैन (24 वर्ष) महिन गांव डीलर चौक वार्ड नंबर 9, किशनगंज का निवासी है. बांग्लादेशी नागरिक हसन शेख उर्फ असन उल्लाह (32 वर्ष) का स्थायी पता शरियतपुर जिले का है, जबकि उसकी पत्नी तैयबा इस्लाम उर्फ तंजिला अख्तर (28 वर्ष) नारायणगंज जिले की रहने वाली है. दोनों बांग्लादेशी लंबे समय से किशनगंज में छिपे हुए थे. बिना दस्तावेज के अवैध ठहराव : पूछताछ में दोनों बांग्लादेशी नागरिकों ने भारत में रहने के कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए. हसन शेख ने बताया कि उसकी पत्नी तैयबा जाकिर हुसैन के घर पर रह रही थी. पुलिस को आशंका है कि जाकिर इन विदेशी नागरिकों को शरण दे रहा था और उनके एजेंट के रूप में काम कर रहा था.
फर्जी दस्तावेज और सामग्री बरामद : तलाशी के दौरान पुलिस को फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, दो मोबाइल फोन, आठ सिम कार्ड, बाइक, भारतीय रुपये तथा बांग्लादेशी टाका बरामद हुए. सभी सामान जब्त कर लिए गए हैं, जो आगे की जांच में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं.
केस दर्ज, धाराएं लगाई गईं : किशनगंज थाने में केस नंबर 839/26 दर्ज कर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर पूछताछ जारी है.

'हमें कोई नहीं बताएगा क्या बेचना है': तुर्किये को एफ-35 की बिक्री पर नेतन्याहू से नाराज हुए ट्रंप

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उस आपत्ति को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने तुर्किये को अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्या बेचेगा, यह कोई बाहरी नेता तय नहीं करेगा। उन्होंने तुर्किये को अपना 'बेहतरीन सहयोगी' भी बताया। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे कोई यह नहीं बताएगा कि हमें क्या बेचना चाहिए। तुर्किया मेरा बहुत अच्छा सहयोगी रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया, जब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को वाशिंगटन डीसी पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच होने वाली अहम बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा और ईरान के साथ बढ़ते तनाव जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे।

नेतन्याहू को आपत्ति क्यों है: इस महीने की शुरुआत में नेतन्याहू ने तुर्किये को अमेरिका के एफ-35 स्टेल्थ लड़ाकू विमान बेचने के प्लान का कड़ा विरोध किया था। उनका कहना था कि इससे क्षेत्र में ताकत का संतुलन बदल जाएगा। सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा, मैंने खुद राष्ट्रपति ट्रंप से आग्रह किया था कि इस सौदे को मंजूरी न दें। यह तब हुआ, जब ट्रंप ने संकेत दिया था कि वह अपने पहले कार्यकाल में तुर्किये पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने पर विचार कर रहे हैं।

नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान तुर्किये को बेचने से वह अमेरिका का मित्र देश नहीं बन जाएगा। उन्होंने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन का जिक्र करते हुए कहा कि तुर्किये की सरकार पर मुस्लिम ब्रदरहुड का प्रभाव है, जो अमेरिका से नफरत करता है।

उन्होंने कहा, तुर्किये अमेरिका का आदर्श सहयोगी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, वह मेरे देश को नष्ट करने की धमकी देता है, जो दुनिया का एकमात्र यहूदी राष्ट्र है। नेतन्याहू ने यह भी चेतावनी दी कि यदि तुर्किये को एफ-35 विमान दिए गए, तो इसका असर पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने ट्रंप से सीधे कहा है कि तुर्किये को ये लड़ाकू विमान नहीं बेचे जाने चाहिए, क्योंकि इससे पश्चिम एशिया में ताकत का संतुलन बिगड़ जाएगा। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उनकी सरकार जल्द ही यह फैसला करेगी कि तुर्किये को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचे जाएं या नहीं। यह फैसला ऐसे समय लिया जाएगा।

शरण मांगने वालों के लिए नया नियम लागू, अब कई मामलों में बिना इंटरव्यू सीधे कोर्ट भेजे जाएंगे आवेदन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने शरण मांगने वाले कुछ प्रवासियों के लिए नया नियम लागू किया है। यह नियम मंगलवार से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इसके तहत कुछ मामलों में अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) शरण आवेदन करने वालों का इंटरव्यू लिए बिना ही उनके आवेदन सीधे आप्रवासन अदालत भेज सकेगी। अमेरिकी सरकार का कहना है कि इस बदलाव का मकसद शरण से जुड़े लंबित मामलों का बोझ कम करना और असली जरूरतमंद लोगों के मामलों का जल्द निपटारा करना है। फिलहाल यूएससीआईएस के पास करीब 14 लाख (1.4 मिलियन) शरण आवेदन लंबित हैं।

यूएससीआईएस के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि अमेरिका की शरण व्यवस्था उन लोगों की सुरक्षा के लिए है, जिन्हें वास्तव में अपने देश में उत्पीड़न का डर है। नया नियम यह सुनिश्चित करेगा कि सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल ऐसे वास्तविक मामलों के निपटारे में हो, न कि उन लोगों के लिए जो व्यवस्था का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। अभी तक जो लोग अमेरिका में रहते हुए सकारात्मक शरण के लिए आवेदन करते थे और जिनके खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई नहीं चल रही होती थी, उनका आवेदन पहले यूएससीआईएस अधिकारी सुनते थे। अगर आवेदन खारिज होता था, तो मामला इमिग्रेशन जज के पास जाता था, जहां दोबारा पूरी सुनवाई होती थी।

नए नियम के बाद यूएससीआईएस चाहे तो ऐसे मामलों में बिना इंटरव्यू लिए ही आवेदन सीधे आप्रवासन जज के पास भेज सकती है। इससे एक अतिरिक्त प्रक्रिया खत्म होगी और मामलों के निपटारे में लगने वाला समय कम होगा। यह बदलाव केवल अफर्मेटिव असाइलम मामलों पर लागू होगा। जिन लोगों के खिलाफ पहले से निष्कासन की कार्रवाई चल रही है और जो अदालत में 'डिफेंसिव असाइलम'का दावा करते हैं, उनके मामलों की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने क्या कहा यूएससीआईएस का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में कई लोगों को शरण के लिए दो बार सुनवाई का अवसर मिल जाता था, जिससे पूरी प्रक्रिया लंबी हो जाती थी। नए नियम से यह समय कम होगा और लंबित मामलों का बोझ घटाने में मदद मिलेगी। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के जनरल काउंसल जेम्स पर्सिवल ने कहा कि लंबे समय से कुछ लोग शरण प्रणाली का इस्तेमाल केवल समय बढ़ाने और काम करने की अनुमति हासिल करने के लिए कर रहे थे। उनका कहना है कि जानबूझकर मामलों में देरी करना प्रभावी आव्रजन व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुमान के अनुसार, इस बदलाव के बाद हर साल 1.32 लाख से अधिक शरण आवेदन यूएससीआईएस से सीधे आप्रवासन कोर्ट भेजे जा सकते हैं। इससे यूएससीआईएस के लंबित मामलों में शामिल करीब 31 प्रतिशत आवेदन प्रभावित होंगे। सरकार का मानना है कि इससे शरण संबंधी मामलों का निपटारा पहले की तुलना में तेज हो सकेगा।

फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं। करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने कहा कि यह कोई अलग-अलग या सामान्य घटनाएं नहीं हैं। यह जलवायु आपातकाल का परिणाम है, जिसके कारण जंगल की आग पहले से अधिक विनाशकारी हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,